শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 18 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 11 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नीपको ने दैयांग जलविद्युत परियोजना से छोड़ा पानी पेज 3
पिछली सरकारें सिर्फ आश्वासन देती थीं, मोदी सरकार ने करके दिखाया : वित्त मंत्री पेज 4
ज्ञानवापी में लगातार सातवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम का वैज्ञानिक सर्वे पेज 5
बिजली उपभोक्ताओं को अब नहीं देना होगा फ्यूल सरचार्ज पेज 8

लोस में गिरा अविश्वास प्रस्ताव

2028 में अच्छी तैयारी के साथ आना : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी गठबंधन *इंडिया* की तरफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार (10 अगस्त) को लोकसभा में गिर गया। अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिरा क्योंकि पीएम मोदी के बोलने के दौरान विपक्षी पार्टियों ने वॉकआउट कर दिया था। पीएम मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि साल 2018 में मैंने नेता सदन के नाते उनको काम दिया था कि 2023 में वो अविश्वास प्रस्ताव लाएं। अब 2028 में लाने का काम उनको दे रहा हूं, लेकिन कम से कम थोड़ी तैयारी करके आएं। ताकि जनता को लगे कि कम से कम विपक्ष के वो लायक है। मोदी ने विपक्ष के पिछले अविश्वास प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि 2018 में मैंने कहा था कि यह अविश्वास प्रस्ताव हमारी सरकार का शक्ति परीक्षण नहीं है, बल्कि उन्हीं (विपक्ष) का परीक्षण है। मतदान हुआ तो विपक्ष के पास जितने वोट थे, उतने वोट भी वो जमा नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि जब हम (2019 में) जनता के पास गए, तो जनता ने भी इनके लिए पूरी ताकत के साथ अविश्वास घोषित कर दिया। राजग को भी ज्यादा सीटें मिलीं और भाजपा को भी ज्यादा सीटें मिलीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरह से विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव हमारे लिए शुभ होता है। आपने तय कर लिया है कि भाजपा और राजग पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़कर सरकार में फिर वापस आएं। पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन *इंडिया* पर निशाना साधते हुए कहा कि ये इंडिया गठबंधन नहीं बल्कि घमण्डिया गठबंधन है और इसकी बारात में हर कोई दूल्हा बनना चाहता है, सबको प्रधानमंत्री बनना है। उन्होंने कहा कि ये *घमण्डिया* गठबंधन देश में परिवारवाद की राजनीति का सबसे बड़ा प्रतिबिंब है। मोदी ने कहा कि देश के स्वाधीनता सेनानियों ने एवं संविधान निर्माताओं ने हमेशा परिवारवादी राजनीति का विरोध किया था। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अभी हालात ऐसे हैं, इसीलिए हाथों में हाथ। जहां हालात बदले, फिर छुरियां भी निकलेंगी। मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है, ना विजन है, ना वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ है और ना ही भारत के अर्थजगत का पता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के साथियों का सबसे प्यारा नारा है- मोदी तेरी कब्र खुदेगी, लेकिन इनकी ये गालियां, ये अपशब्द उनके (मोदी) लिए टॉनिक का काम करते हैं। मोदी ने कहा कि विपक्ष के लोगों को एक रहस्यमयी वरदान मिला हुआ है कि जिसका भी ये लोग बुरा चाहेंगे उसका भला ही होगा। उन्होंने अपनी ओर इशारा करते हुए कहा कि ऐसा ही एक उदाहरण आपके सामने खड़ा है। 20 साल हो गए, क्या कुछ नहीं हुआ। उन्होंने संसद के मौजूदा मानसून सत्र में हुए विधायी कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में आदिवासियों, गरीबों, युवाओं के भविष्य से जुड़े इतने महत्वपूर्ण विधेयक पिछले दिनों पारित हुए, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में शांति का सूरज जरूर उगेगा : पीएम

नई दिल्ली। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरा मणिपुर पर भी विपक्षी नेताओं के सवालों का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर को लेकर विपक्ष झूठ फैला रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री के नाते अमित शाह ने मणिपुर को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश भरोसा रखे, मणिपुर में शांति का सूरज जरूर उगेगा। पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस द्वारा उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास

प्रस्ताव का जवाब देने के बाद विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। वॉकआउट पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग सवाल उठाते हैं उनमें जवाब सुनने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में अदालत का फैसला आया अब उसके पक्ष-विपक्ष में जो परिस्थितियां बनीं उसमें हिंसा का दौर शुरू हुआ। मोदी ने कहा कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार और अल्फा (समर्थक) से शांति वार्ता 15 के बाद

गुवाहाटी। केंद्र सरकार, असम और अल्फा समर्थक वार्ता गुट के बीच शांति वार्ता 15 अगस्त के बाद होगी। संगठन के नेता अनूप चेतिया ने बुधवार (9 अगस्त) को कहा है कि केंद्र, असम सरकार और अल्फा वार्ता समर्थक गुट के बीच शांति वार्ता स्वतंत्रता दिवस के बाद राजधानी दिल्ली में होगी। अनूप चेतिया ने मीडिया से बात करते हुए यह उम्मीद जताई कि शांति वार्ता 2024 लोकसभा चुनाव से पहले संपन्न हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें आम चुनाव से पहले भारत सरकार के साथ एक समाधान पर पहुंचने की उम्मीद है। हमें यह महसूस होता है कि अगर सरकार हस्ताक्षर करती है अल्फा समर्थक वार्ता गुट -शेष पृष्ठ दो पर

कामाख्या मंदिर तक बनेगा रोपवे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मां कामाख्या के भक्तों की सुविधा के लिए हम मां कामाख्या मंदिर में रोपवे बनाने की योजना बना रहे हैं। आज उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो जारी कर बताया कि इसको लेकर हाल ही में एक बैठक में योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि इसके बनने से कामाख्या मंदिर जाना श्रद्धालुओं के लिए आसान हो जाएगा। लोगों को पहाड़ पर चढ़ने की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा उपायों की समीक्षा

गुवाहाटी। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, असम के डीजीपी जी.पी. पुलिस ने कहा कि सिंह ने ऊपरी असम क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया और विभिन्न जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ बैठक की। पुलिस के अनुसार, कानून व्यवस्था की स्थिति और ऊपरी असम के विभिन्न हिस्सों में विद्रोही गतिविधि पर चर्चा के लिए बुधवार को बैठकें बुलाई गईं। मुख्य बैठक तिनसुकिया जिले में बंद दरवाजे के पीछे आयोजित की गई। असम के डीजीपी ने कहा कि एसपी को पूरे राज्य में सुरक्षा उपायों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा गया है। बैठक में एकीकृत समूह के सभी सदस्य उपस्थित थे और बैठक में भाग लेने वाले एसपी, सीआरपीएफ, असम राइफल्स और सेना के अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के विधायकों ने की पूर्ण निरस्त्रीकरण और एनआरसी लागू करने की मांग

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर के 40 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा है कि राज्य में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए पूर्ण निरस्त्रीकरण की आवश्यकता है। विधायकों, जिनमें से अधिकांश जातीय मैतेई हैं, ने कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते को वापस लेने, राज्य में एनआरसी लागू करने और स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) को मजबूत करने की भी मांग की है। ज्ञापन में इन विधायकों ने कुकी समूहों की अलग प्रशासन की मांग का विरोध किया है। बुधवार को पीएम मोदी को सौंपे गए ज्ञापन में यह बात कही गई कि सुरक्षा की तत्काल स्थापना के लिए, बलों की साधारण तैनाती अपर्याप्त है। यद्यपि परिधीय क्षेत्रों में हिंसा को रोकना अत्यावश्यक है, पूर्ण निरस्त्रीकरण इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी है। शांति और सुरक्षा के माहौल को बढ़ावा देने के लिए पूरे राज्य को पूर्ण निरस्त्रीकरण की आवश्यकता है। इसमें आगे कहा गया है कि विद्रोही समूहों और अवैध सशस्त्र विदेशी बलों से संबंधित सभी हथियारों और राज्य मशीनरी से छीने गए हथियारों को जब्त करने की जरूरत है। इस संबंध में, केंद्रीय सुरक्षा बलों को क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

विपक्ष के प्रयास से संसद में आए पीएम : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष के प्रयास से प्रधानमंत्री मोदी संसद में आने के लिए मजबूर हुए हैं। इसी लिए हम लोगों (इंडिया घटक दल के) ने मिलकर लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। कांग्रेस के लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे अविश्वास प्रस्ताव के कारण आज संसद में प्रधानमंत्री मोदी आने को मजबूर हुए। यह हमारे प्रयास की जीत है। हम मणिपुर के लोगों को न्याय दिलाने के लिए ऐसा कर रहे थे। गोगोई ने कहा कि हम उनसे (प्रधानमंत्री) -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के चार जिलों में नगाओं की विशाल रैली

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में नगा क्षेत्रों के नागाओं ने भारत-नगा राजनीतिक मुद्दे के स्वीकार्य और सम्मानजनक समाधान के लिए बुधवार को तामेंगलोंग, चंदेल, उखरुल और सेनापति जिला मुख्यालयों में एक साथ रैलियां निकालीं। मणिपुर राज्य में नगा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नगाओं ने यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) द्वारा आयोजित इन रैलियों में स्वीकार्य और सम्मानजनक 3 अगस्त, 2015 के ऐतिहासिक इंडो-नगा फ्रेमवर्क समझौते के आधार पर भारत-नगा राजनीतिक मुद्दे के समाधान की मांग की। रैलियों के दौरान दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों ने अपना-अपना कामकाज बंद रखा। रैलियां शांतिपूर्ण रहीं। चारों जिला मुख्यालयों में से प्रत्येक -शेष पृष्ठ दो पर

सब्जी बेचने वाले के खाते में 172 करोड़ से अधिक रुपए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। सब्जी बेचने वाले के खाते में 172 करोड़ 87 लाख रुपए जमा देख इनकम टैक्स वालों के भी होश उड़ गए। दरअसल, सब्जी बेचने वाले के बैंक अकाउंट में अरबों रुपए देख इनकम टैक्स ने नोटिस भेजा है। जिसमें लिखा था कि आपके अकाउंट में जो करोड़ों रुपए हैं, आपने उनका टैक्स नहीं भरा है। वहीं जब सब्जी विक्रेता के घर इनकम नोटिस आया तो पूरे परिवार तलों जमीन खिसक गई। विनोद रस्तोगी नाम के सब्जी के एक व्यवसायी हैं। रस्तोगी साधारण घरेलु परिवार से ताल्लुक रखता है और रोड पर सब्जी का ठेला लगता है। लेकिन अधिकारियों का कहना है -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

लापरवाही अथवा आलस्य से भेद खुल जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

विश्वविद्यालयों से बीपीएल छात्रों के प्रवेश शुल्क माफ करने की अपील

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों से गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के पात्र छात्रों को बिना कोई प्रवेश शुल्क लिए प्रवेश देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे गरीब छात्रों को उच्च शिक्षा हासिल करने और अपने सपने हासिल करने में मदद मिलेगी। एक ट्वीट में उन्होंने लिखा कि विश्वविद्यालयों से अनुरोध है कि वे पात्र बीपीएल छात्रों को उनकी प्रवेश फीस माफ करते हुए प्रवेश दें और @Samarth_eGov पोर्टल के माध्यम से प्रतिपूर्ति का दावा करें। मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता का कोई सशर्त समर्पण नहीं हुआ : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पांचवें दिन यानी गुरुवार को भी आर्टिकल 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ सुन रही है। सीजेआई ने कहा एक बात बहुत स्पष्ट है कि भारत के साथ जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता का कोई सशर्त समर्पण नहीं हुआ है। संप्रभुता का समर्पण बिल्कुल पूर्ण था। एक बार जब संप्रभुता पूरी तरह से भारत में निहित हो गई, तो कानून बनाने की संसद की शक्ति पर आ गई। एडवोकेट जफर शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के संविधान के निर्माण की उत्पत्ति विलयपत्र की प्रकृति के साथ-साथ 1948 की उद्घोषणा में निहित है। इसीलिए राज्य के लिए एक संविधान था। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए यह विशेष व्यवस्था क्यों की गई, सिर्फ इसलिए क्योंकि कोई विलय समझौता नहीं हुआ था। इस स्वायत्तता को बनाए रखना होगा। जस्टिस कौल ने कहा कि यह कहना कि 370 स्थायी है, वास्तव में कठिन है। मान लीजिए राज्य खुद कहता है कि हम चाहते -शेष पृष्ठ दो पर

ईसीआई को नियंत्रित करना चाहती है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नियंत्रण में करना चाहती है। इसी लिए सरकार संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (सेवा की नियुक्ति शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक- 2023 लेकर आई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जाना जाता है लेकिन मोदी सरकार संसद से यह विधेयक पास करवा कर उसे भी अपने हाथ में लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक-2023 का हर मोर्चे पर विरोध करेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

एनएससीएन (आईएम) के स्वयंभू सचिव की मुठभेड़ में मौत

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के तिरप में आज सुबह हुकानजारी के पास हुई गोलीबारी में एनएससीएन (आईएम) गुट के स्वयंभू सचिव के वांगसाई वांगसा की मौत हो गई। मुठभेड़ में घटनास्थल से दो हथियार भी बरामद हुए। ठीक पिछली शाम, 9 अगस्त को, उसी समूह के एक अन्य सदस्य, टेओन लोखो को बोरदुरिया, तिरप से पकड़ा गया था। यह घटना क्षेत्र में बढ़ती झड़पों और तनाव की एक श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले 1 अगस्त तथा 30 जुलाई को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मणिपुर विस का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर महिलाओं ने संभाला मोर्चा

इंफाल। संसद का मानसून सत्र खत्म होने से पहले मणिपुर विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर इंफाल घाटी में सैकड़ों महिलाओं ने मशाल लेकर रैलियां निकालीं। इंफाल वेस्ट जिले में केसामपट, केसामठोंग और क्राकेठेल और इंफाल ईस्ट जिले में वांगखेई और कोंगबा में बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे रैलियां निकाली गयीं। रैलियां बुधवार रात करीब 9.30 बजे इंफाल पश्चिम जिले के कीसंपत, कीसमथोंग और क्राकीथेल और इंफाल पूर्वी जिले के वांगखेई और कोंगबा में आयोजित की गईं। रैली में भाग लेने वालों में से एक इंगुदम बबीता ने वांगखेई में संवाददाताओं से कहा कि विधानसभा सत्र में, सरकार को राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए और इसे सत्र के दौरान संसद में भेजना चाहिए। महिलाओं ने कुकी समूहों द्वारा की जा रही अलग प्रशासन की मांग के खिलाफ और राज्य में *अवैध* प्रवासियों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने के लिए भी नारे लगाए। मणिपुर मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह राज्यपाल अनसुइया उइके से 21 अगस्त से विधानसभा का सत्र बुलाने की सिफारिश की थी। विधानसभा का पिछला सत्र मार्च में हुआ था और मई में राज्य में हिंसा भड़क उठी। राज्य में 27 विधानसभा क्षेत्रों की समन्वय समिति द्वारा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग को लेकर गत शनिवार को 24 घंटे की हड़ताल से इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ था। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

सावन के पावन महीने में लोगों के बीच फल, पेय जल और शरबत वितरित

होजाई (होस)। सावन महीने में भगवान भोले नाथ के भक्तों के बीच भक्त मंडलीयों द्वारा सावन के अधिक मास महीने में दान करने से पुण्य के भागी बनते है। उक्त मंत्र से प्रभावित होकर अटल महिला मोर्चा द्वारा गरीब लोगों के बीच भोजन फल फूल पानी एवं जूस आदि सामग्री का वितरण किया।समाचारों के अनुसार शहर से 5 किलोमीटर दूर तेलिबस्ति हनुमान मंदिर के प्रांगण में राहगीरों के बीच विभिन्न तरह के पेय पदार्थ एवं भोजन सामग्री वितरित की गई। उक्त कार्यक्रम को समाज के सभी वर्गों ने सराहना की, वही इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था की सभी सदस्यों ने सहयोग किया।

आदर्श चिकित्सालय के अस्त्रोपचार कक्ष का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। मोइनाखुरुंग आदर्श चिकित्सालय के अस्त्रोपचार कक्ष का उद्घाटन बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन असम के मिशन निदेशक डॉ. एमएस लक्ष्मीप्रिया द्वारा किया गया। उद्घाटन करते हुए मिशन निदेशक ने कहा कि अब से इस व्यापक क्षेत्र के लोग इस आदर्श अस्पताल में ही अस्त्रोपचार डिलीवरी सेवाएं प्राप्त कर पायेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सिजेरियन डिलीवरी सेवा से गढ़भंगा, जालुकपहाम आदि पहाड़ी इलाकों के लोगों को फायदा होगा। उल्लेखनीय है कि अस्पताल के अंतर्गत पांच स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र हैं।

हवाई के जंगल में भड़की आग, 36 लोगों की मौत

हवाई के माउई काउंटी में लाहैना के जंगलों में भीषण आग लगने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। माउई काउंटी ने बुधवार शाम अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, दक्षिण की ओर से गुजर रहे डोरा तूफान के कारण जंगलों में लगी आग भड़क उठी जिससे कई कारें जल गई तथा कई ऐतिहासिक इमारतें मलबे के ढ़ेर में तब्दील हो गए। इसने बताया कि रात भर आग की लपटें उठती रहीं जिससे जान बचाने के लिये बच्चों और व्यस्कों को समुद्र में घुसना पड़ा। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि आग की वजह से 271 ढांचे क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए तथा दर्जनों लोग घायल हो गए।

एनडीआरएफ का स्कूली छात्रों के साथ पैदल मार्च

गुवाहाटी (हिंस)। भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव थीम के साथ पहली बटालियन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल, पाटगांव (गुवाहाटी) द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज डीसी संतोष कुमार सिंह की देखरेख में प्रथम बीएन एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने सरस्वती शिक्षा निकेतन और विजडम स्कूल, मिर्जा, कामरूप (ग्रामीण) के स्कूली छात्रों के साथ मिर्जा पलाशबारी इलाके में एक पैदल मार्च का आयोजन किया। पैदल मार्च का समापन एनडीआरएफ मुख्यालय, ग्रेटर मिर्जा में हुआ। जलपान समारोह के दौरान छात्रों के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, योग आदि पर चर्चा की गई।

मालगाड़ी से टकराए दो हाथी

गुवाहाटी (हिंस)। आज हुई दो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में दो जंगली हाथी दो अलग-अलग स्थानों पर मालगाड़ियों से टकरा गए। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि पहली घटना बुधवार की देर रात करीब दो बजकर 40 मिनट पर पूसीरे के अलीपुरद्वार मंडल के डुआर्स इलाके में चलसा-नागराकाटा खंड (केएम 68/3-2) के बीच हुई। दूसरी घटना पूसीरे के लमडिंग डिवीजन के तहत दिगारू-पानबारी खंड (किमी 41/1-2) में आज सुबह 07.10 बजे हुई। रेलवे ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और पूसीरे क्षेत्र के भीतर सभी हाथी गलियारों को सतर्क कर दिया है। हालांकि, ये दोनों खंड अधिसूचित हाथी गलियारों के तहत शामिल नहीं थे। इसलिए इन खंडों को आगमन का पता लगाने वाली प्रणाली द्वारा भी कवर नहीं किया गया था। हालांकि, इस प्रणाली की सफलता के कारण, रेल मंत्रालय ने पूसीरे के भीतर अधिकांश हाथी गलियारों को कवर करने के लिए 77 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। रेलवे जंगली हाथियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उपाय करने के लिए हमेशा तैयार है।

नेपाल में नए शिक्षा बिल के विरोध में निजी शिक्षण संस्थानों का देशव्यापी प्रदर्शन

काठमांडू (हि.स.)। सरकार द्वारा प्रस्तावित नए शिक्षा विधेयक को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। निजी विद्यालयों को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से गैर मुनाफा वाले ट्रस्ट में बदलने के प्रावधान के विरोध में यह प्रदर्शन किया जा रहा है। निजी विद्यालयों के संचालक काठमांडू सहित देशभर में प्रदर्शन करते हुए नए विधेयक से इस प्रावधान को हटाने की मांग कर रहे हैं। इनका कहना है कि निजी विद्यालयों को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह प्रावधान लाया गया है। विधेयक का विरोध करने वाले प्राइवेट एंड बोर्डिंग स्कूल ऑर्गनाइजेशन ने कहा है कि सरकारी स्कूलों की हालत खस्ता होने और उनमें शिक्षा का स्तर काफी खराब होने के कारण ही निजी विद्यालयों में बच्चों को भेजा जाता है, लेकिन सरकार निजी स्कूलों को ध्वस्त करने के उद्देश्य से जो विधेयक लेकर आई है उससे देश का ना सिर्फ शैक्षिक माहौल बिगड़ेगा, बल्कि छात्रों के पलायन की भी संभावना है। निजी विद्यालयों के संगठन ने सरकार को इस विवादास्पद प्रावधान को वापस लेने के लिए 13 अगस्त तक का अल्टिमेटम दिया है। विधेयक वापस नहीं लेने पर 14 अगस्त से सभी निजी शिक्षण संस्थानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा की गई है।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo HOSPITALS
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. रेफाइ शौकत अली, MRCP (UK), FRCP (Lon), CCT in Cardio (UK), FACC (USA), FESC (Europe)
अपोलो क्लीनिक गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
20 अगस्त, 2023 को
जो मरीज हाई ब्लड प्रेशर /कोलेस्टेरोल, कोशोनैरी हृदय रोग (हर्ट डिजीज) एवं वाल्व प्रोब्लम, बाइपास सर्जरी की आवश्यकता, वाल्व/एओरटिक एनेयूरीस्म/एलबी एनेयूरीस्म / फेफड़ा (लंग सर्जरी), एडल्ट कोंजेनिटल रोग, हर्ट में होल्स के समान (एएसडी, बीएसडी इत्यादि) से परेशान हैं तो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं :
The Apollo Clinic
Kanchan Road, Opp. Bora Service, G.S. Road, Guwahati-7
Ph : 0361-2461473/1474, 9085612000, 9864112000

पृष्ठ एक का शेष

लोस में गिरा अविश्वास...

विपक्ष की रुचि केवल राजनीति में है और उन्होंने इन पर चर्चा में शामिल नहीं होकर जनता से विश्वासघात किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का यह कालखंड भारत के लिए हर सपने सिद्ध करने का अवसर देने वाला महत्वपूर्ण समय है, इस कालखंड का प्रभाव एक हजार साल तक रहने वाला है। उन्होंने कहा कि हमने देश के युवाओं को घोटालों से रहित सरकार दी है। युवाओं को खुले आसामान में उड़ने का अवसर दिया है। हम भारत की साख को नयी ऊंचाइयों पर ले गए। कुछ लोग देश की साख पर दाग लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया देश की साख को जान चुकी है।

मणिपुर में शांति का ...

राज्य और केंद्र दोनों सरकारें हर संभव कोशिश कर रही हैं। मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आने वाले समय में मणिपुर में शांति बहाल होगी। मैं मणिपुर की महिलाओं और बेटियों सहित मणिपुर के लोगों को बताना चाहता हूं कि देश आपके साथ है। जिस तरह से प्रयास चल रहे हैं, करीबी भविष्य में शांति का सूरज जरूर उगेगा। उन्होंने कहा कि मैं मणिपुर के लोगों, माता, भाइयों, बहनों से कहना चाहुंगा कि देश आपके साथ है। यह सदन आपके साथ है। हम सब मिलकर इस चुनौती का समाधान निकालेंगे। मणिपुर विकास की राह पर आगे बढ़ेगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि मणिपुर में तब किसकी सरकार थी जब सब कुछ उग्रवादी संगठनों की इच्छा के मुताबिक होता था? मणिपुर में तब किसकी सरकार थी जब सरकारी दफ्तरों में महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने की इजाजत नहीं थी, जब मणिपुर में सरकारी दफ्तरों में महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने की इजाजत नहीं थी तो किसकी सरकार थी? स्कूलों में राष्ट्रगान की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया गया?...उनका (विपक्ष का) दर्द चयनात्मक है। वे राजनीति से परे नहीं सोच सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि 5 मार्च 1966 को कांग्रेस ने अपनी वायु सेना से मिजोरम में असहाय नागरिकों पर हमला करवाया था। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या वह किसी अन्य देश की वायु सेना थी। क्या मिजोरम के लोग मेरे देश के नागरिक नहीं थे? क्या उनकी सुरक्षा भारत सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

राज्य सरकार और ...

के साथ समझौते से असम की समस्या सुलझ जाएगी। बातचीत करने की समर्थक अल्फा गुट ने साल 2011 में केंद्र के साथ बातचीत शुरू कर दी थी, लेकिन अंतिम समाधान अभी तक नहीं निकला सका है। गुट ने आरोप लगाया है कि नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से ज्यादा प्रगति नहीं हुई है, हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के शासनकाल के दौरान बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई थी। अनूप चेतिया ने आगे कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद हमारी चर्चा दिल्ली में भारत सरकार और असम सरकार के प्रतिनिधियों के साथ होगी। चेतिया नॉर्थ ईस्ट इंडिजिनस पीपुल्स फोरम के संयोजक हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वार्ता समर्थक गुट अल्फा-आई प्रमुख परेश बरुआ से शांति प्रक्रिया में शामिल होने की अपील करेगा? इसपर चेतिया ने कहा कि हमने उनसे संपर्क किया हैज् यह भारत सरकार पर निर्भर करता है, अगर वह उनसे और समूह से बात करने में रुचि रखती है। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच बातचीत की कमी है, अल्फा (आई) की मांगें पहले जैसी ही हैं और भारत सरकार उन्हें स्वीकार नहीं कर सकती है। हालांकि, चेतिया ने कहा कि जैसा कि आम धारणा है बरुआ बांग्लादेश में नहीं हैं। वह कहां हैं, हमें कुछ नहीं पता। लेकिन हमारी बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि अगर अन्य समूह बातचीत की मेज पर आते हैं तो यह असम और उसके लोगों के लिए अच्छा होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बरुआ को 1980 के दशक में उनके जाने के बाद से हुए बदलावों को देखने के लिए राज्य में आने और एक सप्ताह बिताने के लिए आमंत्रित किया था। परेश बरुआ को सीएम शर्मा की पेशकश में उनकी यात्रा के दौरान सुरक्षित मार्ग देने का आश्वासन दिया गया था। मुख्यमंत्री ने यह भी उम्मीद जताई थी कि अल्फा (आई) नेता शांतिपूर्ण चर्चा में शामिल होने के उनके निमंत्रण को स्वीकार करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस से ...

के साथ-साथ पूरे राज्य में कड़ी निगरानी बनाए रखने का आदेश दिया गया था। सिंह ने कहा कि अल्फा (स्वा.) असम में गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कई अवांछनीय कृत्यों में शामिल होता है। सुरक्षा बलों को कई स्थानों पर व्यापक अभियान चलाने के लिए सूचित और निर्देश दिया गया है। इस बीच, असम के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि अल्फा (स्वा.) में शामिल होने वाले युवा शिविरों में होने वाली कठिनाइयों के कारण मुख्यधारा में लौटने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं।

मणिपुर के विधायकों ने ...

सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे कई उदाहरण हैं जब किसान अपने खेतों में काम करने के लिए बाहर गए और उन पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की। इसमें दावा किया गया है कि कई मामलों में, ये गोलीबारी की घटनाएं केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में हुई हैं, जो उचित प्रतिक्रिया देने या बिल्कुल भी प्रतिक्रिया देने में विफल रहे हैं। इसमें मांग की गई है कि असम राइफल्स (9, 22 और 37) को उनके स्थान से स्थानांतरित करने की जरूरत है। तैनाती का वर्तमान स्थान और राज्य सुरक्षा के साथ-साथ *भरोसेमंद केंद्रीय बल* शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए सभी खतरों को *निष्प्रभावी और स्वच्छ* करने के लिए उनकी जगह ले सकते हैं। विधायकों ने उन सभी कुकी उग्रवादी संगठनों के साथ एसओओ समझौते को वापस लेने की मांग की, जिन्होंने जमीनी नियमों का उल्लंघन किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य में हथियारों और गोला-बारूद के साथ बड़े पैमाने पर विदेशी घुसपैठ हुई है। इसलिए, केंद्रीय बलों को सक्रिय रूप से उनके साथ जुड़ना चाहिए। पिछले 3 महीनों से राज्य में राज्य/केंद्रीय बलों और इन विद्रोही सशस्त्र समूहों के बीच लगातार संघर्ष चल रहा है। विधायकों ने राज्य में एनआरसी लागू करने की भी मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि संघर्ष के इस संकट को हल करने के लिए इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से संबोधित किया जाना चाहिए। ऐसे कई विकल्प हैं जिनका पता लगाया जा सकता है। एक ओर, मणिपुर के मूल निवासियों को आश्वस्त करने के लिए, नेशनल रजिस्ट्रार ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) को जल्द ही मणिपुर में लागू किया जा सकता है। अप्रवासियों का बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है, इसका विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जाना चाहिए। विधायकों ने कहा कि कुकी समूहों द्वारा की गई अलग प्रशासन की मांग किसी भी परिस्थिति में बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों को आश्वस्त करने के लिए, हम स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) को मजबूत करने और हिल एरिया कमेटी (एचएसी) और 6 मौजूदा स्वायत्त जिला परिषदों के लिए नियमित चुनाव (जो नहीं हो रहे हैं) कराने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्रवाई के बाद, मौजूदा संकट का स्थायी समाधान देने के लिए आवश्यक शांति वार्ता शुरू की जा सकती है। इससे पहले, राज्य के सभी 10 कुकी विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर केंद्र को पत्र लिखकर कुकी क्षेत्रों के लिए एक अलग प्रशासन की मांग की थी। मणिपुर के नगा बहुल इलाकों में भी नागा शांति वार्ता को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ बुधवार को प्रदर्शन हुआ। नागा समूहों ने पहले वृहद नागालैंड की मांग की थी।

विपक्ष के प्रयास ...

से सवाल पूछना चाहते हैं कि उन्होंने मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर अभी तक क्यों नहीं कुछ कहा और राज्य के मुख्यमंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया? गोगोई ने कहा कि मणिपुर हिंसा को 100 दिन से अधिक हो गए। इतने दिन तक प्रधानमंत्री इसे नजरअंदाज करते रहे। देश के एक हिस्से को जलता छोड़ वह घूमते रहे। आज इंडिया ने उन्हें सदन में बोलने के लिए मजबूर कर दिया है। उल्लेखनीय है कि आज प्रधानमंत्री विपक्ष की ओर से पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में अपनी बात रख रहे थे लेकिन कांग्रेस सहित इंडिया घटक दलों ने संसद से वॉकआउट किया। जिसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष में सच सुनने की क्षमता नहीं है।

मणिपुर के चार...

में हजारों लोग रैलियों में भाग लेने के लिए निकले। सभी चार जगहों पर जहां रैलियां आयोजित की गईं, वहां नारे लिखे तख्तियां प्रदर्शित की गईं। कुछ तख्तियों पर लिखा था- नगा ध्वज, संविधान और एकीकरण नगा लोगों का अधिकार है। नगा ऐतिहासिक और राजनीतिक अधिकारों का सम्मान करें, भारतीय नेताओं को बात पर अमल करना चाहिए, फ्रेमवर्क समझौते को लागू करें, भारत सरकार को अवश्य करना चाहिए, विभाजनकारी राजनीति खेलना बंद करें, कोई समाधान नहीं, कोई आराम नहीं, थोपा गया समाधान नहीं आदि शामिल था। रैलियों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक संयुक्त ज्ञापन संबंधित उपायुक्तों को सौंपा गया। ज्ञापन पर यूएनसी अध्यक्ष एनजी लोरथो, यूएनसी के महासचिव वेरेइयो शतसांग, नगा महिला संघ (एनडब्ल्यूयू) की अध्यक्ष आशा वुंगनाम, एनडब्ल्यूयू के महासचिव चांगविलीउ न्यूमाई, ऑल नगा स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मणिपुर (एएनएसएएम) के अध्यक्ष लुईकांग लक्सन, एएनएसएएम के महासचिव एंगटेशांग मारिंग और नगा पीपुल्स मूवमेंट फॉर ह्यूमन राइट्स-साउथ सेक्टर (एनपीएमएचआर-एस) संयोजक जॉयसन माजामो द्वारा हस्ताक्षरित संयुक्त ज्ञापन में कहा गया है कि यूनाइटेड नागा काउंसिल के तत्वावधान में चंदेल, तमेंगलोंग, उखरूल और सेनापति के नागा जिला मुख्यालयों में आयोजित की गई रैलियों के जरिए वर्तमान मणिपुर राज्य में नगा लोग एक बार फिर से अपना मांग दर्ज कराना चाहते हैं। 3 अगस्त 2015 को भारत सरकार (जीओआई) और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल के बीच फ्रेमवर्क समझौते की सच्ची भावना में भारत-नगा राजनीतिक मुद्दे पर लंबी बातचीत को समाप्त करने, अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रयोग करने के लिए भारत सरकार को आगे आना चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि मणिपुर में नगा लोगों का शीर्ष संगठन यूनाइटेड नागा काउंसिल है। जिसमें 20 नागा जनजातियां शामिल हैं। हमारी अटल राजनीतिक आकांक्षाओं और स्थायी शांति के लिए फ्रेमवर्क समझौते को राजनीतिक वास्तविकता में बदलने करने की तीव्र इच्छा को दोहराता है। संयुक्त ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने में आठ साल लग गए हैं। हम जानते हैं कि यह ध्वज और संविधान के प्रमुख मुद्दों की व्याख्या और समायोजन पर गतिरोध है, जिसकी परिकल्पना फ्रेमवर्क समझौते में निहित है। इसलिए हम भारत सरकार से इस सार्वभौमिक तथ्य को स्वीकार करके फ्रेमवर्क समझौते का अक्षरश: सम्मान करने का आह्वान करते हैं।

सब्जी बेचने वाले ...

कि सब्जी व्यापारी के बैंक अकाउंट में 172 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि हैं, जबकि विनोद का कहना है कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है यह उनका पैसा नहीं है। नोटिस के बाद विनोद ने पुलिस से मदद के लिए गुहार लगाई है। विनोद ने गहमर कोतवाली में शिकायत देते हुए मदद मांगी और बताया कि उनके दस्तावेजों का किसी ने दुरुपयोग किया और ये अकाउंट खोल लिया। अधिकारियों ने बताया कि उनके खाते में 172 करोड़ 81 लाख 59 हजार रुपए हैं और यह रकम चेक के जरिए उनके खाते में जमा की गई है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामला साइबर क्राइम का है इसलिए विनोद को साइबर सैल भेजा गया। पूरे मामले की जांच-पड़ताल करने के बाद पता चलेगा कि अकाऊंट किसका है और यह पैसे कैसे खाते में आए।

जम्मू-कश्मीर की ...

हैं कि सभी कानून राज्य में लागू हों, तो फिर 370 कहां जाता है? तब हम वास्तव में प्रक्रिया पर वापस आते हैं, तो क्या इस प्रक्रिया की अनुमति थी या नहीं? जफर शाह ने कहा कि इसके बारे में हमारी अलग-अलग धारणाएं हो सकती हैं। अगर हमें 370 नहीं चाहिए तो इस सवाल का जवाब इस पर निर्भर करेगा कि 5 अगस्त 2019 की स्थिति के अनुसार, क्या यह अस्थायी था, या फिर यह स्थायी हो गया था, क्योंकि इसे हटाने के लिए मशीनरी (राज्य की संविधान सभा) मौजूद नहीं थी। जस्टिस कौल ने कहा कि अगर उस मशीनरी (राज्य की संविधान सभा) को दोबारा बनाया जाए तो क्या 370 को हटाया जा सकता है? शाह ने कहा वह मशीनरी संविधान सभा ही है। जस्टिस कौल ने कहा कि यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि प्रक्रिया सही थी या नहीं। ऐतिहासिक रूप से भी यदि आप देखें तो यह समय के साथ किया गया है। जो कुछ बचा था, उसे भी उसी प्रक्रिया से पहले किया गया था, लेकिन प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण थी क्योंकि कोई असेंबली नहीं थी। जफर शाह ने कहा क्या हम इस धारणा पर आगे बढ़े कि जम्मू-कश्मीर की यह संविधान सभा केन्द्र को 370 को खत्म करने की सिफारिश करेगी ताकि यह पूरी तरह से एकीकृत हो जाए? जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि मुझे *पूरी तरह से एकीकृत* शब्दों के उपयोग पर कुछ आपत्ति है। एकीकरण अनुच्छेद 1 के अनुसार हुआ है। सीजेआई ने कहा कि 1972 में जम्मू-कश्मीर के संबंध में अनुच्छेद 248 में संशोधन किया गया था। इसमें कहा गया है कि संसद के पास भारत की संप्रभुता को बाधित करने वाली गतिविधियों की रोकथाम पर कोई भी कानून बनाने की विशेष शक्तियां हैं। इसलिए विलयपत्र के बाद संप्रभुता का कोई अवशेष बरकरार नहीं रखा गया। क्या यह सही है कि अनुच्छेद 248, जैसे था वैसे ही 5 अगस्त 2019 से ठीक पहले जम्मू-कश्मीर पर लागू था? उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के अलावा किसी दूसरे भारतीय राज्य का मामला लीजिए। राज्य सूची के विषयों के लिए किसी भी राज्य के लिए कानून बनाने की संसद की शक्ति पर प्रतिबंध हैं। विधायी शक्तियों के बंटवारे से इस बात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता कि संप्रभुता भारत में ही निहित है। कानून बनाने की शक्ति पर रोक संविधान की योजना या ढांचे में निहित है क्योंकि हमारे यहां एकात्मक राज्य नहीं है, लेकिन क्या वह संप्रभुता से पीछे हट जाता है? नहीं, यह संसद पर एक बंधन जैसा है। प्रधान न्यायधीश ने कहा कि एक बार अनुच्छेद 1 कहता है कि भारत राज्यों का संघ होगा और इसमें जम्मू-कश्मीर राज्य भी शामिल है, संप्रभुता का हस्तांतरण पूरा हो गया था। हम अनुच्छेद 370 के बाद के संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं पढ़ सकते हैं जो जम्मू-कश्मीर में संप्रभुता के कुछ तत्वों को बरकरार रखता है। संविधान में ऐसे प्रावधान हैं जो राज्यों की सहमति से भी लागू होते हैं। अनुच्छेद 249 को ही देख लीजिए। सहमति केवल जम्मू-कश्मीर के साथ संबंधों के लिए ही अलग बात नहीं है। संविधान में विभिन्न प्रकार की सहमति की जरूरत होती है। इसका मतलब ये नही कि वो संघ की संप्रभुता को प्रतिबिंबित नहीं करता है। कुछ ये बेड़ियां जरूर हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 246ए का उदाहरण देखिएज्जब यह अनुच्छेद जीएसटी संशोधन के परिणामस्वरूप आया। यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है जहां भारत सरकार या संसद राज्यों की सहमति के बिना कुछ नहीं कर सकती।

ईसीआई को नियंत्रित...

कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि राज्यसभा में आज सत्ता पक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक-2023 पेश किया गया। यह विधेयक हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस विधेयक को पास करवा कर सरकार चुनाव आयोग को अपने हाथ की कठपुतली बनाना चाहती है। यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सीधा उल्लंघन करते हुए संसद में पेश किया गया है। कांग्रेस हर मोर्चे पर इसका विरोध जारी रखेगी।

एनएससीएन (आईएम) के ...

मोन जिले के टिजिट में अकाटो समूह द्वारा आयोजित एक जनसंपर्क बैठक के दौरान वांगला, तेमलाई के निवासी की जान चली गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। ज्ञात हो कि इन दिनों एनएससीएन के आपसी झगड़े में एक के बाद एक इसके कैडरों की मौत हो रही है। वहीं, पड़ोसी देश म्यांमार में इनके बीच आपस में जमकर लड़ाई चलने संबंधी खबरें भी आ रही है।

विश्वविद्यालयों से बीपीएल...

ने छात्रों से समर्थ ईगॉव पोर्टल पर प्रतिपूर्ति का दावा करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी व्यक्ति वित्तीय बाधाओं के कारण शैक्षिक अवसरों से वंचित न रहे।

कामाख्या मंदिर तक...

के अनुसार 1.8 किलोमीटर लंबे इस रोपवे में दो स्टेशन रहेंगे। इस पर एक घंटे में 1000 लोग सफर कर सकेंगे। कामाख्या पहुंचने में इसे सिर्फ 07 मिनट का समय लगेगा। इसके निर्माण का काम 2026 के जून तक समाप्त हो जाएगा।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

बिज अधार में वृक्ष है, मन में जग विस्तार।
मन मारे जग नहिं रहे, शब्द में सुरति सम्हार॥ 27॥

शब्दार्थ : (बिज) बीया, कारण (शब्द) परम पुरुष (सुरति) आत्मिक चेतना।

भाष्य : बीज में वृक्ष है, उसी मन में ही समस्त विस्तार का बीज है, मन के मर जाने पर संसार नहीं रहता इसलिए अनुभवी संत, मन-माया को छोड़कर शब्द परम पुरुष में अपनी सुरति का निरोध करते हैं।

सद्गुरु नियम विरुध जो, सो सब मन परपञ्च।
अज्ञा परम रहस्य में, मन कर ताप न रञ्च॥ 28॥

शब्दार्थ : (विरुद्ध) उलटा (परपञ्च) विस्तार (रहस्य) मर्म-भेद (ताप) गभी (रञ्च) कुछ नहीं।

भाष्य : सद्गुरु-नियम, मर्यादा के विरुद्ध जो कार्य हैं, वे सब मन के परपञ्च हैं। सद्गुरु-आज्ञानुकूल योग के भेद द्वारा प्रभु की भक्ति करने से मन का ताप बिल्कुल नहीं होता।

एलएम अधिनियमों का उल्लंघन करने पर पांच व्यापारियों पर मामला दर्ज

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिला इंस्पेक्टर लीगल मेट्रोलॉजी केसांग ताशी के नेतृत्व में लिगल मेट्रोलॉजी (एलएम) और उपभोक्ता मामलों के दल ने बोमदिर बाजार में अचनक निरीक्षण किया और एलएम अधिनियमों का उल्लंघन करने पर 5 व्यापारियों पर मामला दर्ज किया। उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने और उपभोक्ता जागरूकता पैदा करने के लिए निरीक्षण अभियान चलाया गया था। 5 मामलों में से, 1 मामला असत्यापित वजन और माप वस्तुओं के उपयोग से संबंधित एलएम अधिनियम 2009 की धारा 24 के उल्लंघन के लिए दर्ज किया गया है और 1 मामला दस्तावेजों के गैर-उत्पादन के लिए दर्ज किया गया था। जबकि अन्य 3 मामले एलएम (पैकेज्ड कमोडिटी) नियम, 2011 के उल्लंघन के लिए दर्ज किए गए हैं। वजन और माप में मानकों को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, निरीक्षक एलएम ने व्यापारियों को किसी भी अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने से बचने के लिए कहा और उन्हें एलएम अधिनियम, 2009 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत विभिन्न नियमों और इसके परिणामों से अवगत कराया।

नीपको ने दैयांग जलविद्युत परियोजना से छोड़ा पानी
गोलाघाट जिला प्रशासन ने दी लोगों को चेतावनी

गोलाघाट (हिंस)। नीपको दैयांग जलविद्युत परियोजना के जलाशय का गेट खोलकर पानी छोड़ रहा है। नगालैंड के ओखा जिले में दैयांग नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गेट खोले गए हैं। नीपको के अधिकारियों ने कहा कि जलाशय के दो गेट गुरुवार सुबह 10.30 बजे खोले गए और कुछ पानी चरणबद्ध तरीके से छोड़ा गया। आज सुबह साढ़े नौ बजे जलाशय में जल स्तर ईएल 321.90 मीटर था। नीपको ने कहा कि ऐसी स्थिति में जलाशय के पूर्ण जलाशय स्तर (ईएल 324.00 मीटर) यानी भरने की आशंका के चलते कुछ पानी छोड़ा गया है। अतिरिक्त पानी दैयांग पावर हाउस के निचले हिस्से से होकर दैयांग नदी के माध्यम से बहेगा। इससे पहले आठ अगस्त को नीपको के अधिकारियों ने कहा था कि अगर जलस्तर बढ़ता रहा तो ईएल के 321 मीटर तक पहुंचते ही अतिरिक्त पानी को बाहर निकालने के लिए दैयांग जलाशय के रेडियल गेट खोल दिए जाएंगे। यह पता चला है कि गोलाघाट जिले में पानी को प्रवेश करने में लगभग आठ घंटे लगेंगे। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने रात भर लोगों से अपील की है कि वे बिना घबराए सतर्क रहें। ताकि दैयांग नदी में बढ़ते जलस्तर से गोलाघाट जिले में जान-माल का नुकसान न हो। जिला प्रशासन ने नदी से सटे हुए गांव के लोगों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक नदी किनारे से दूर रहें। इस अवधि के दौरान नदी के किनारे तैराकी, मछली पकड़ने, स्नान करने, खेलने से परहेज करने का भी आग्रह किया गया है। प्रशासन स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और जनता से आग्रह किया गया है कि लोग घबराएं नहीं और इस दौरान प्रशासन का सहयोग करें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ और सभी संबंधित इस दिशा में पूरी तैयारी कर रहे हैं।

सीआरपीएफ के 156वें बटालियन ने किया वृक्षारोपण

चिरांग (हिंस)। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत चिरांग जिला के ढालीगांव स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस की 156 वीं बटालियन के द्वारा आज आईटीआई काम्प्लेक्स अभयापुरी में आज वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस दौरान बल के सभी जवानों एवं अफसरों व उनके परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिए। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी कैलाश नाथ ने पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि न की हमारी दिनचर्या में इन पौधों का महत्व है वरन संपूर्ण विश्व इनका आभारी है कि इनसे हमें स्वच्छ हवा एवं फल मिलता है। इस अवसर पर गांवबूढ़ा दिलीप मुसाहारी, रजनीश पाठक उप कमांडेंट, दीनबंधु चौरसिया सहायक कमांडेंट, भरत भोई सहायक कमांडेंट, सूबेदार मेजर पवन कुमार भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गांव के लोगों का भी भरपूर सहयोग मिला।

जिला न्यायिक न्यायालय में विकलांग लोगों के बीच व्हील चेयर वितरित

रंगिया/अमिनगांव। अमिनगांव स्थित कामरूप जिला न्यायिक न्यायालय में विकलांगों के बीच व्हील चेयर वितरित करने के लिए एक बुधवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जोकि जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कामरूप, अमीनगांव द्वारा आयोजित किया गया तथा इस मौके पर असम राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अग्रणी बेसरकारी संस्था रोटरी क्लब द्वारा व्हील चेयर प्रदान की गईं। इसके अलावा कामरूप जिला व सत्र न्यायाधीश गौतम बरुआ, असम राज्य कानून सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रत्नदीप भट्टाचार्य, रोटरी क्लब के अध्यक्ष नवज्योति शर्मा, उपाध्यक्ष मंजुरी बोरा और वरिष्ठ सदस्या मिनती बरठाकुर द्वारा नौ लाभार्थियों के बीच कुर्सियां वितरित की गईं। कार्यक्रम का संचालन कामरूप जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सचिव बिनोद प्रसाद ने किया तथा अधिवक्ता इस्माइल अली द्वारा मंच का संचालन किया गया। कार्यक्रम में मोटर दुर्घटना दावी प्राधिकरण सदस्या मल्लिका दत्त, विशेष न्यायाधीश मुनमुन बी शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिजीत बरुआ, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट एसएन रफीक, कामरूप जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष माणिक अली अहमद और अन्य कई अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि रोटरी क्लब समाज में विकलांग लोगों में आशा की एक किरण जगाने का कार्य कर रहा है।

चेतना लेडीज क्लब का अन्नदान कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक चेतना लेडीज क्लब की ओर से पुरुषोत्तम मास के मौके पर अलग-अलग स्थानों में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की अध्यक्ष मंजू केजरीवाल ने बताया कि क्लब की ओर से बी बरुवा कैंसर हॉस्पिटल में अन्नदान सेवा के तहत रोगियों तथा उनके परिजनों को सात्विक भोजन कराया गया। इसके अलावा शांतिदान आश्रम में भी वृद्धों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने अन्नदान सेवा का लाभ लिया। मानव सेवा के इस कार्य को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की जिला विकास समिति की अगस्त महीने की बैठक आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया और कामरूप जिले के विभिन्न विभागों द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा बैठक में जुलाई माह में आयोजित हुई बैठक में विभिन्न विभागों को जारी निर्देशों की प्रगति का भी जायजा लिया गया। बैठक में कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, हथकरघा और कपड़ा, भूमि संरक्षण, एपीडीसीएल, उद्योग और वाणिज्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी, पशुपालन और पशु चिकित्सा, जल संसाधन, लोक निर्माण (सड़कें), शहरी और ग्राम नियोजन विभाग, कौशल विकास, श्रम कल्याण, वन, रेशम आदि विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से समीक्षा की गई। इस मौके पर विभागों ने अपनी गतिविधियों पर रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नकली नोटों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के सिमेन चापरी थाना क्षेत्र के लामाजान में चार संदिग्धों के पास से भारी मात्रा में जाली नोट बरामद किए गए। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार लखीमपुर जिले के बिपुरिया पोट्टेपुर के चार युवक, जिनकी पहचान सादिकुल इस्लाम (30), जियाबुर रहमान (35), मुजामिल इस्लाम (27) और नूर इस्लाम (26) के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वे एक गाड़ी से (एएस-07एस-1889) से लामाजान के तीर्थ सैकिया नामक व्यक्ति के घर आए थे। कुछ लोगों को नकली पैसा बनाने में उनकी भागीदारी का संदेह था। स्थानीय लोगों ने सैकिया के घर पहुंचकर पूछताछ की और जमकर हंगामा किया। मुजामिल और नूर इस्लाम मौके से फरार हो गए। भीड़ में सादिकुर और जियाबुर शामिल थे। उन्हें लोगों ने पकड़कर उन्हें स्थानीय पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। बताया गया है कि इस गिरोह के पास से शुरुआत में 4 लाख 16 हजार 500 रुपए और फिर रात में कई लाख रुपए बरामद किए गए। जनता को यह भी संदेह है कि टीम के पास नकली नोट बनाने की मशीन है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

चोरी की नाकाम कोशिश, कैमरे में कैद पूरा दृश्य

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर चोरों के शहर में तब्दील होता जा रहा है। घर में चोरी से लेकर मोबाइल चोरी, चेन चोरी, हर तरह की चोरी प्रत्येक दिन हो रही है। दिखावे के तौर पर एकाध चोर कभी जरूर पकड़े जाते हैं। गुवाहाटी पुलिस अपराध पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बुधवार की रात गुवाहाटी के लचित नगर में एक घर में खिड़की का ग्रील तोड़कर चोरी करने की कोशिश की गई। चोर खिड़की को काटकर घर में घुसा भी। सामान लेकर जब वह निकलने लगा कि घर के मालिक की नींद खुल गई। चोर सामान लेकर हालांकि जा नहीं सका।

नगरबेड़ा में जल-जीवन मिशन शीर्षक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगरबेड़ा में आज बोको जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग एवं नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की पहल पर बोको जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग एवं नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की पहल पर नगरबेड़ा राजस्व सर्किल के अंचल अधिकारी कार्यालय, नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर एवं नगरबेड़ा बाजार क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक किया गया है। आज का नाटक दल ने केंद्र सरकार की अभिलाषी योजना जल जीवन योजना से जल संबंधित उपकरण के वारे में उपस्थित लोगों को जागरूक करता है। पानी से तरह-तरह की पकड़ी जाने वाली बीमार होता है। पीने के साफ पानी के अभाव में कई लोगों की मौत हो रही है। पानी कभी बर्बाद नहीं होना चाहिए दुनिया में पीने के पानी के लिए उपयुक्त बहुत सारा पानी दुर्लभ होने का कारण है, इसे बिना किसी कारण के बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। जल जीवों का जीवन है। सरकार ने पीने के पानी के लिए विभिन्न प्रकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

भारतीय चिंतन में मानव-निर्माण महत्वपूर्ण पहलू : रामकृष्ण राव

गुवाहाटी। शंकरदेव एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के संबंध में विद्या भारती भवन गुवाहाटी में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री दुसी रामकृष्ण राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. स्मृति कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी प्रदान की, साथ ही उन्होंने बताया वर्तमान में प्रथम सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। प्रथम सत्र की कक्षाएं 1 सितंबर से गीतानगर स्थित परिसर में प्रारंभ होंगी। कुलपति ने बताया वर्तमान सत्र में बीए असमिया, संस्कृत, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान विषयों में, बीकॉम एकाउंटिंग और टैक्सेशन, फिनटेक विषयों में, बीसीए आर्टिफिशियल एवं मशीन लर्निंग, डाटा साइंस विषयों में, बीएससी योग विज्ञान, मनोविज्ञान विषयों में तथा बीसीए पर आधारित विषयों में स्नातक हेतु प्रवेश प्रारंभ किया है। शंकरदेव एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की सचिव डॉ. सुदेशना भट्टाचार्या ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकृष्ण राव जी का फुलाम गामोछा से स्वागत किया एवं बैठक की कार्यवाही संचालित की। कोषाध्यक्ष विकाश नागपुरिया ने आर्थिक विषयों के बारे में उपस्थित सदस्यों को जानकारी प्रदान की। रामकृष्ण राव जी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बताया प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय विद्या भारती की योजना से प्रारंभ हुआ है इसलिए यह विश्वविद्यालय छात्र केंद्रित, समाजिक सहयोग से आचार्यों द्वारा संचालित, मूल्य आधारित गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को संस्कार से जोड़े रखते हुए शैक्षिक एवं शोध हेतु विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ संचालित होगा। उन्होंने कहा चार प्रकार के जगत होते है वनस्पति जगत, जंतु जगत, मानव जगत, पंचभूत जगत। मानव जगत को छोड़कर शेष सभी संतुलित रहते हैं। इसलिए सनातन विचार के अनुसार विभिन्न संस्कारों के माध्यम से मानव निर्माण का चिंतन होता आया है। बैठक में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी व अन्य शिक्षाविद उपस्थित रहे।

विश्व मंगल के लिए हुआ शिव विवाह : कथाव्यास

गुवाहाटी (विभास)। मालीगांव शिवमंदिर सेवा समिति के तत्वाधान में फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला को दूसरे तल्ले पर चल रहे शिवमहापुराण कथा के आज चतुर्थ दिवस की कथा का वर्णन करते हुए पुराण मनीषी संत दिनेशाचार्य जी (काशी) ने कहा कि विवाह एक वैदिक सनातनी परम्परा है जो अनादिकाल से चली आ रही है, जिसका अनुमोदन पालन ब्रह्माजी, विष्णु भगवान एवं भोलेनाथ सदाशिव भी किया करते हैं। सृष्टि एवं विश्व मंगल के लिए सर्व कल्याणार्थ विवाह का विधान है। भगवती पार्वती देवी जो शिव से कभी पृथक नहीं होती वह लीला करती हुयी दिखाई देती हैं विवाह रूपी विधान की साक्षी बनती हैं अत: विवाह एक मसन पवित्र बन्धन है जो वेद सम्मत है। आगे महाराज जी ने बताया कि देवताओं की रक्षा समस्त प्राणियों को बचाने तारकासुर से बचाने के लिए भगवान शिव की समाधि भंग करने कामदेव को चुना गया। सभी के हित करने कामदेव ने भयभीत रहते हुए भी शिवजी का ध्यान भंग कर दिया जिससे प्रभु भोलेनाथ कुपित हुए तीसरा नेत्र खोल दिया जिससे भयंकर अग्नि उत्पन्न हो गई उसी अग्नि में कामदेव भस्म हो गया। बाद में रति के विलाप करने पर कामदेव को अन्य नाम देकर अशरीरी रूप से जीवित कर दिया। तारकासुर वरदान को देखते हुए शिव जी ने विवाह की स्वीकृति दे दी। शिवपुत्र कार्तिकय ही उस असुर का बंध करते हैं। शिव-पार्वती विवाह बड़े धूमधाम से मनाया गया दिव्य सजीव झांकी पजाई गई हल्दी कुंकुम लगाई गई बहुत दिव्य बरसाए महोत्सव हुआ। बड़े हर्षोल्लास से समस्त भक्त जनों ने नृत्य किया बधाईयां लुटाई गई। चतुर्थ दिवस के यजमान संतोष रेणु चौधरी (सपत्नीको ने श्री छाजल अमरी शक्ति समिति, गुवाहारी की तरफ से व्यास पूजन एवं पीठ पूजन किया गया

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा में बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला

गुवाहाटी। अपने छात्रों को आत्मरक्षा तकनीकों से सशक्त बनाने के लिए, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने स्कूल परिसर में विशेष रूप से लड़कियों के लिए डिजाइन की गई एक सशक्त आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। इस सक्रिय पहल का मुख्य उद्देश्य था युवा महिला छात्रों को आवश्यक आत्मरक्षा कौशल और तकनीक सिखाकर उनके आत्मविश्वास और सुरक्षा को बढ़ावा देना। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले आयोजित यह कार्यशाला ने सशक्तिकरण और स्वतंत्रता की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला का नेतृत्व डीएसवाईडब्ल्यू के ताइक्वांडो प्रशिक्षक नीलम ज्योति कलिता और फिटनेस ट्रेनर तथा ताइक्वांडो प्रशिक्षक श्रीमती शबनम बेगम ने किया। कार्यशाला में व्यावहारिक आत्मरक्षा तकनीकों, स्थितिजन्य जागरूकता और संभावित असुरक्षित स्थिति प्रबंधन तकनीकों पर चर्चा की गई। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को शारीरिक व्यायाम, आत्मरक्षा सिमुलेशन और सूचनात्मक चर्चाओं सहित व्यावहारिक प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देखा गया।

नंदिनी की संपादक माइनी महंत को गुण महंत देव पुरस्कार

गुवाहाटी (हिंस)। प्रसिद्ध पत्रकार और लेखिका माइनी महंत को गुण महांतदेव पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। यह पुरस्कार नगांव में श्रीमंत गोपालदेव कलाक्षेत्र के तत्वावधान में पत्रकार माइनी महंत को प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार मुख्य रूप से प्रख्यात कलाकार स्वर्गीय गुण महंत की पवित्र स्मृति में दिया जाता है। यह पुरस्कार 27 अगस्त को कलाकार की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर पत्रकार और लेखक माइनी महंत को प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रदेश में कई नामी विभूतियों को गुण महंतदेव पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है।

नगांव में श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन सती चरित्र का वर्णन

नगांव (निसं)। शहर के खुटिकटीया स्थित श्री श्याम धाम मंदिर में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के चतुर्थ दिन बुधवार को व्यासपीठ पर विराजमान विद्वान पंडित काशी निवासी मां के बालक ओमप्रकाश उपाध्याय ने अपनी सुमधुर शैली में प्रवचन देते हुए कहा कि संस्कृत भाषा ब्रह्मांड की आत्मा है। संस्कृत भाषा का वर्णन पंडित जी ने औषधी से किया। उन्होंनें कथा के चतुर्थ दिन सती खंड का वर्णन करते हुए राजा दक्ष के यहां सती के रुप में कन्या जन्म का वृतांत सुनाया। पंडित उपाध्याय ने स्त्री के स्वरुपो का बखान करते हुए कहा कि स्त्री जन्म से अंत तक मां कहलाती है। उन्होंने उक्त प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए दुर्गा के नव रुपो की चर्चा की। पंडित उपाध्याय ने रामायण की चर्चा करते हुए उस भाग को छुआ जिसमें श्रीराम वनवास के दौरान माता सती द्वारा वन में श्रीराम की परीक्षा ली गई थी। सती दाहन के बाद भगवान शिव के रौद्र रुप और बीर भद्र के प्रगट्य के बाद राजा दक्ष के विध्वंस की कथा सुनाई और कह की भगवान पर विश्वास करना चाहिए। विश्वास से ही भगवान की प्राप्ती होती है। उन्होंनें शक्तिपीठ का भी वर्णन करते हुए मां के शक्तिपीठ कामाख्या धाम का उल्लेख किया। कथा प्रसंग आज एक घन्टा अधिक चला और कथा विराम से पहले माता पार्वती के जन्म की कथा प्रारंभ हुई जिसे सजीव झांकी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। बीच-बीच में सुमधुर भजनो से भक्तिमय माहौल बना रहा। प्रश्नोत्तर का दौर भी चलता रहा और प्रसाद स्वरूप पुरस्कार पाने की भक्तों में हौड सी लगी रही। कथा आरंभ से पूर्व यजमान सुनील जीतानी ने पूज विधि संपन्न करवाई तथा अभिषेक करवाया। बुधवार को चतुर्थ दिन की कथा में स्थानीय भजन गायक मुकेश पोद्दार व श्री श्याम धाम मंदिर के मुख्य पुजारी खेम प्रकाश खनाल ने भी भजन प्रस्तुत कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा विराम पर आरती व प्रसाद वितरण किया गया।

पिछली सरकारें सिर्फ आश्वासन देती थीं, मोदी सरकार ने करके दिखाया : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में केंद्र सरकार की आर्थिक उपलब्धियों का जिक्र कर कहा कि पिछली सरकारें 'होगा और करेंगे' कहती थीं, जबकि मौजूदा सरकार में 'हुआ और किया गया है' की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के कार्यकाल में योजनाओं की केवल घोषणा होती थी, लेकिन मौजूदा सरकार में इन्हें जमीनी स्तर पर उतारा गया है। वित्त मंत्री आज लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपनी बात रख रही थीं। उन्होंने कहा कि आप (कांग्रेस) सपना दिखाते हैं और हम उसे पूरा करते हैं। हमारा मंत्र सबका विकास और तुष्टीकरण किसी का नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले नौ सालों में देश में स्पष्ट बदलाव दिखाई दे रहा है। वर्तमान सरकार में विकास कार्यों में होना वाला खर्च 3.93 लाख करोड़ से बढ़कर 10.9 लाख करोड़ हो गया है। कृषि का बजट 21,933 करोड़ से बढ़कर 1 लाख 24 करोड़ हो गया है। यह पांच गुना बढ़ा है। रक्षा निर्यात 16 हजार करोड़ हो गया है। किसानों को ऋण देने में बढ़ोतरी की गई है और यह बढ़कर 21.67 लाख करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले क्रोनी कैपिटलिज्म और भ्रष्टाचार से देश की अर्थव्यवस्था की विकास दर कम रही जबकि हमारे कार्यकाल में विकास दर अधिक और महंगाई कम है। वित्तमंत्री ने कहा कि तकनीक के क्षेत्र

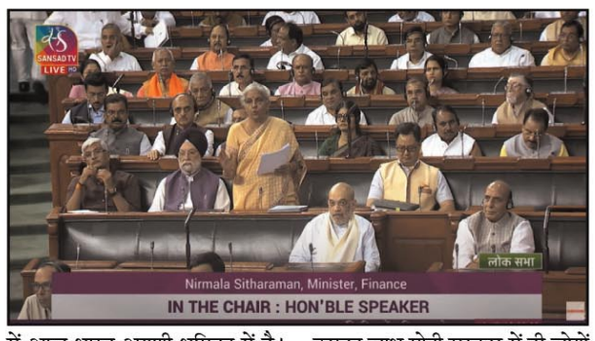

में आज भारत अग्रणी भूमिका में है। आज दुनिया के कई देश भारत के यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। बैंकों में फैलाया यूपीए सरकार का रायता हम साफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों की शुरूआत भले ही यूपीए सरकार ने की थी लेकिन उसका लाभ मोदी सरकार में ही लोगों तक पहुंचा है। वित्त मंत्री ने इस दौरान द्रमुक सदस्यों की ओर से उठाए गए प्रश्नों और की गई टिप्पणियों का जवाब दिया। बीच-बीच में उन्होंने तमिल में भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एम्स मदुरै भारत सरकार फंड कर रही है। ऐसे में हम उधार लेकर फंड करें या नहीं, यह भारत सरकार का विषय है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में यूरिया के दामों में बढ़ोतरी हुई लेकिन हमने उसका बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया। इस दौरान तमिल गौरव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सेंगोल एक छड़ी की तरह सालों तक पड़ा रहा उसे इतिहास ने भूला दिया तब तमिल गौरव की बात द्रमुक ने नहीं उठाई। उनकी सरकार ने ही जल्लीकट्टू से प्रतिबंध हटाने में सहयोग किया जबकि पिछली सरकार ने इसे बर्बरता करार दिया था। उन्होंने कहा कि द्रमुक सदस्य ने द्रौपदी का विषय उठाया लेकिन तमिलनाडु विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री के साथ हुए दुर्व्यवहार को वे भूल गए।

राघव चड्ढा के आवास का आवंटन रद्द करने के मामले पर 14 अगस्त को सुनवाई

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के सरकारी आवास के आवंटन को रद्द करने के राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। आज राघव चड्ढा के वकील ने सुनवाई टालने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने 14 अगस्त को सुनवाई करने का आदेश दिया। दो जून को कोर्ट ने राघव चड्ढा के सरकारी आवास के आवंटन को रद्द करने के राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी के आदेश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि इस मामले में राघव चड्ढा का आधार मजबूत दिखाई दे रहा है। ऐसे में उन्हें कानून की उचित प्रक्रिया के बिना बेदखल नहीं किया जाएगा। राघव चड्ढा ने अर्जी में कहा है कि

उनका आवंटन रद्द करने वाला राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी का पत्र मनमाना है, जबकि राज्यसभा सचिवालय ने चड्ढा की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि कोर्ट को राज्यसभा सचिवालय को सुने बिना आदेश पारित नहीं करना चाहिए था। दरअसल, राज्यसभा सचिवालय की ओर से राघव चड्ढा को सबसे पहले नई दिल्ली में टाइप-VII बंगला आवंटित किया गया था, जो आमतौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल या मुख्यमंत्री को दिया जाता है। इसके बाद राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी ने उनको दूसरा नया बंगला उनकी सांसद कैटेगरी के अनुसार टाइप-VI आवंटित किया, जिसमें वह अपने परिवार के साथ रह रहे थे। अब उनके सरकारी आवास का आवंटन टाइप-V का पात्र होने के चलते एक बार फिर से उसको रद्द कर दिया गया, जिससे खिलाफ राघव चड्ढा ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को पक्ष विपक्ष के मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के तरीके पर एकमत नहीं होने के चलते बाधित रही और पहले दो बजे और बाद में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार मणिपुर मुद्दे पर संवाद करना नहीं चाहती। उनसे पहले नेता सदन पीयूष गोयल ने कहा कि विपक्ष चर्चा के बाद प्रधानमंत्री का जवाब चाहता है जिसपर हमारी कोई सहमति नहीं हुई है। खड़गे ने गुरुवार को राज्यसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष की मांग थी कि नियम 267 के तहत सदन में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा हो लेकिन सरकार टालती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती थी नियम

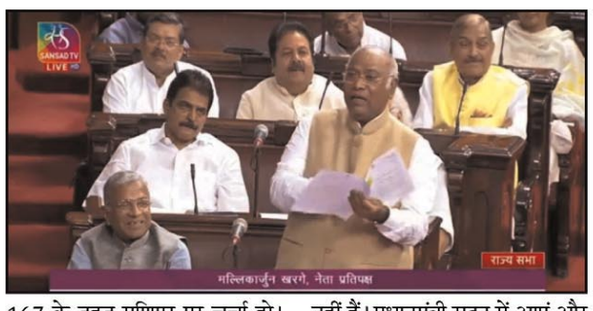

167 के तहत मणिपुर पर चर्चा हो। विपक्ष ने यह भी स्वीकार किया है। लेकिन सरकार अभी भी चर्चा को तैयार नहीं है।

खड़गे ने कहा कि आज प्रधानमंत्री सदन में आने वाले हैं। हम उनका स्वागत करते हैं। हम चाहते हैं कि वह मणिपुर मुद्दे पर बोलें। हम सुनने को तैयार हैं। वह कोई भगवान नहीं हैं। प्रधानमंत्री सदन में आएं और चर्चा करें। उल्लेखनीय है कि बुधवार को विपक्ष ने मणिपुर मुद्दे को लेकर राज्यसभा से वॉकआउट किया था। खड़गे ने कहा था कि मणिपुर मुद्दे को लेकर सदन उनकी बात को गंभीरता से नहीं ले रही है। उनकी मांगों पर सरकार गौर नहीं कर रही है। इस लिए वह सदन से वॉकआउट कर रहे हैं।

ईसीआई को नियंत्रित करना चाहती है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नियंत्रण में करना चाहती है। इसी लिए सरकार संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (सेवा की नियुक्ति शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक- 2023 लेकर आई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जाना जाता है लेकिन मोदी सरकार संसद से यह विधेयक पास करवा कर उसे भी अपने हाथ में लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक-2023 का हर मोर्चे पर विरोध करेगी। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि राज्यसभा

में आज सत्ता पक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक-2023 पेश किया गया। यह विधेयक हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस विधेयक को पास करवा कर सरकार चुनाव आयोग को अपने हाथ की कठपुतली बनाना चाहती है। यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सीधा उल्लंघन करते हुए संसद में पेश किया गया है। कांग्रेस हर मोर्चे पर इसका विरोध जारी रखेगी।

999 श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से एक दिन अमरनाथ यात्रा स्थगित रहने के बाद गुरुवार को 999 श्रद्धालुओं का एक नया जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। बुधवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के चलते अमरनाथ यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया था। यातायात अधिकारियों ने बताया कि बुधवार तड़के करीब 3 बजे रामबन जिले के मारूग के पास बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद 18 घंटे से अधिक समय तक राजमार्ग बंद रहा। अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग के सामने की पहाड़ी से बार-बार पत्थर गिरने के कारण दिन में कई बार आवाजाही की सुविधा बहाल करने में बाधा उत्पन्न हुई। हालांकि देर शाम फंसे हुए वाहनों के लिए इसे आंशिक रूप से खोल दिया गया। यातायात

विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि सभी फंसे हुए वाहनों को निकालने के बाद आज सुबह जम्मू और श्रीनगर दोनों जगह से नए यातायात की अनुमति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग के खुलने के साथ ही अमरनाथ श्रद्धालुओं के 37वें जत्थे को बुधवार सुबह 33 वाहनों के काफिले के साथ भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए निकलने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि 422 श्रद्धालु गांदरबल जिले में बालटाल आधार शिविर की ओर गए जबकि 577 श्रद्धालु अनंतनाग जिले में पारंपरिक मार्ग से यात्रा शुरू करने के लिए पहलगाम आधार शिविर की ओर रवाना हुए। 1 जुलाई को 62 दिवसीय यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 4.28 लाख से अधिक श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचे अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं।

बंगाल में सीपीएफ भर्ती में जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल की जांच के लिए सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की

कोलकाता, (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में मैट्रिकुलेशन, अधिवास और जाति के जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर केंद्रीय पुलिस बलों में लोगों की कथित भर्ती के मामले में पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। गुरुवार को एक अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने आठ अगस्त को एफआईआर दर्ज की थी। बिष्णु चौधरी नाम के एक व्यक्ति की याचिका के बाद दो अगस्त को कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसने आरोप लगाया था कि उसे अपराध करने के लिए दो लोगों के साथ काम करने के लिए मजबूर किया गया था। चौधरी ने कहा कि उन्हें सशस्त्र बलों और केंद्रीय पुलिस बलों में कर्मियों की भर्ती में एक बड़े घोटाले के बारे में पता चला है और दावा किया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को भी भर्ती किया गया होगा। याचिका

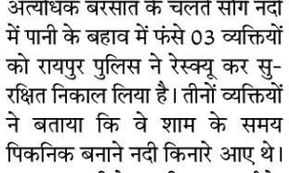

के लंबित रहने के दौरान सीबीआई द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सशस्त्र बलों में भर्ती में गलत काम का कोई सबूत नहीं मिला। लेकिन ऐसे चार मामले सामने आए जहां केंद्रीय पुलिस बलों में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया है। सीबीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि पश्चिम बंगाल राज्य एक सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्रीय अर्ध-सैन्य बल में रोजगार के लिए परीक्षाओं में कम कट-ऑफ अंक प्रदान करता है। ऐसा लगता है कि इसने अन्य राज्यों, विशेषकर देश के उत्तरी हिस्सों के लोगों ने जाली दस्तावेज बनाए ताकि वे ये साबित कर सकें कि वे पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। निवास प्रमाण पत्र, मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र फर्जी बनाये गये हैं। यह अधिक गहन जांच का विषय होगा कि क्या विदेशी नागरिकों ने भी भारतीय बलों में नौकरियों के लिए आवेदन करने के लिए इसी पद्धति का सहारा लिया है। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने फैसले में कहा कि सीबीआई को जाली दस्तावेजों का उपयोग करके सीपीएमएफ में कर्मियों की अवैध भर्ती से जुड़े कथित अपराधों में एक औपचारिक आपराधिक मामला दर्ज करने दें और उसके बाद इसकी जांच करें। उत्तर 24 परगना निवासी महेश कुमार चौधरी और हावड़ा निवासी राजू गुप्ता के साथ-साथ अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ धारा 120 बी, 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी) और 506 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बारामूला से लश्कर के तीन आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

बारामूला, (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले से सुरक्षा बलों ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित तीन आतंकवादियों के सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला में सेना के साथ मिलकर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 03 आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार करके एक आतंकी मा-ड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने कहा कि आतंकी सहयोगियों के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि चुरुंडा उडी में संयुक्त गश्त और क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान बारामूला पुलिस और सेना (16 सिखली) की एक संयुक्त टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा, जिसने गश्ती दल को देखकर भागने का प्रयास किया। हालांकि, संदिग्ध को सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया। उसकी पहचान शौकत अली अवान पुत्र अब्दुल करीम अवान निवासी चरुंडा उडी के रूप में हुई। प्रवक्ता ने बताया कि तलाशी के दौरान उसके पास से दो ग्रेनेड बरामद हुए। इसके बाद उसे पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उससे लगातार पूछताछ की गई।

ध्रुवीकरण को कहना होगा क्विट इंडिया: अधीर रंजन चौधरी

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को कहा कि देश को सांप्रदायिकरण, ध्रुवीकरण और भगवाकरण को क्विट इंडिया कहना होगा। उन्होंने मणिपुर के मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास किया और कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री ने कल खुद ही कहा था कि मैतई और कुकी समुदाय के बीच बफर जोन बनाया गया है। कांग्रेस नेता ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कहा कि विपक्ष को मजबूर होकर सरकार के खिलाफ

अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा है, क्योंकि प्रधानमंत्री सदन में आकर जवाब देने को राजी नहीं थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव नहीं जीत सकता। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी एक बार या सौ बार देश के प्रधानमंत्री बनें, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है। हम बस जनता का हित चाहते हैं। इस दौरान कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री को एक भगोड़े आर्थिक अपराधी से जोड़ा, जिसके बाद सत्ता पक्ष की ओर से उनकी आलोचना हुई और नियमों का हवाला देते हुए अध्यक्ष से उनकी बातों को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की गई। चौधरी ने कहा कि गृहमंत्री ने स्वयं माना है कि मैतई और कुकी समुदाय के बीच बफर जोन बनाया गया है। इसका अर्थ है कि दोनों समुदायों के बीच एक खाई पैदा हो गई है।

शांता कुमार ने राहुल से पूछा- जब आपके नाना ने देश का विभाजन स्वीकारा, तब भारत माता की हत्या नहीं हुई

पालमपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार ने लोकसभा में भारत माता की हत्या से जुड़े कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि राहुल के इस बयान से मेरी तरह देश के करोड़ों लोग आहत हुए होंगे। शांता कुमार ने पूछा कि राहुल के नाना पंडित नेहरू ने देश का विभाजन स्वीकारा तब भारत माता की हत्या नहीं हुई। शांता कुमार ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि समझ में नहीं आता कि माता और वह भी भारत माता, उसकी हत्या की बात विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में कांग्रेस के बड़े नेता ने कैसे कह दी। उन्होंने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या तब भारत माता की हत्या नहीं हुई थी जब कांग्रेस ने और राहुल के नाना ने देश का विभाजन स्वीकार किया। लाखों लोगों की हत्या हुई, हजारों महिलाओं का बलात्कार हुआ और करोड़ों लोग अपने घरों से

विस्थापित हुए। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस विभाजन के विरुद्ध थी। गांधी जी ने कहा था, विभाजन मेरी लाश पर होगा। यही बात पंडित नेहरू ने और सरदार पटेल ने भी कही थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने मौलाना आजाद की पुस्तक के हवाले से कहा कि मॉउट बेटन की धर्मपत्नी एडेना बेटन ने पंडित नेहरू को विभाजन के लिए मना लिया। सरदार पटेल भी किसी कारण चुप हो गये, तब गांधी जी ने कहा था कि देश का विभाजन रोकने के लिए अब मेरे दोनों हाथ मेरे साथ नहीं रहे। शांता कुमार ने कहा कि भारत के इतिहास की यह सबसे बड़ी त्रासदी है, जिसमें करोड़ों लोगों को हत्या, बलात्कार और विस्थापन सहना पड़ा था। पंडित नेहरू को ब्रिटिश सरकार नहीं मना सकी थी, पर लेडी एडेना बेटन ने मना लिया था। उस सारी भयंकर त्रासदी पर राहुल गांधी क्या कहेंगे?

कोलकाता के मशहूर ईडन गार्डन स्टेडियम में लगी आग, खिलाड़ियों का सामान राख

कोलकाता, (हि.स.)। क्रिकेट विश्वकप कोलकाता के जिस ईडन गार्डन स्टेडियम में खेला जाना है, वहां बुधवार देर रात लगी भीषण आग में खिलाड़ियों का सामान जल कर खाक हो गया। रात 11:50 बजे के करीब आग की लपटें और धुएं का गुबार निकलता देख कर्मचारियों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों में पहुंचे कर्मचारियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद इस पर काबू पाया। कोलकाता पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्टेडियम की ड्रेसिंग रूम जहां खिलाड़ियों के सामान रखे गए थे, उसकी फॉल्स सीलिंग में आग लगी थी। बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ लेकिन जर्सी और अन्य उपकरण जल गए हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

आग लगने की सूचना मिलते ही क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के संयुक्त सचिव देवव्रत दास रात में ही मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की जांच की बात कही। उन्होंने कहा कि अगले दो महीने में वर्ल्डकप शुरू हो जाएंगे और ईडन गार्डन में पांच अहम मैच खेले जाने हैं। इसके पहले नवीनीकरण का काम जोरों से चल रहा है। इसे 15 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले महीने आईसीसी के प्रतिनिधि भी आएंगे।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, मौसम विभाग का 14 अगस्त तक ऑरेंज और येलो अलर्ट

-02 राष्ट्रीय और 05 बॉर्डर मार्ग सहित कुल 226 अन्य सड़कें बाधित
-गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भूस्खलन हादसे में अब तक चार शव हुए बरामद

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में बारिश का कहर लोगों पर आफत बनकर टूट रहा है। पर्वतीय क्षेत्रों में पहाड़ चटकने से लेकर भूस्खलन की घटनाएं और मैदानी क्षेत्रों में जलभराव से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। राज्य में दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 05 बॉर्डर मार्ग सहित लगभग 226 अन्य सड़कें बाधित हैं, जिन्हें खोला जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य में 14 अगस्त तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट की चेतावनी जारी किया है। इस चेतावनी को देखते हुए सभी जिलाधिकारियों और आपदा विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। राजधानी देहरादून सहित प्रदेश भर में रुक-रुक का बारिश का क्रम जारी है। आसमान में काले बादल मंडरा रहे हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल दिख रहा है। केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड डाट पुलिया के समीप 03 अगस्त की रात हुए भूस्खलन में 23 लोग लापता हो गए थे। इनमें से आज चौथा शव बरामद कर लिया गया है। सर्चिंग के दौरान 03 शव पूर्व में ही बरामद कर लिए गए थे। अन्य लोगों की खोजबीन के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। आज बरामद शव की पहचान वीरबहादुर के रूप में हुई है। थाना लक्ष्मणझूला पर जानकी पुल के आगे गंगा नदी के किनारे बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के स्लैग बेड के किनारे की दीवार गिरने से 3 बाबाओं में से एक की मौत हो गई है और 2 घायल हो गए हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर तत्काल रेस्क्यू कार्य कर एक शव को बरामद किया। घायल 2 बाबाओं को 108 की मदद से अस्पताल भेजा गया है। देहरादून जिले के रात्रि 11:50 बजे तहसील-डोईवाला अंतर्गत माजरी में घर के पीछे की बाउण्ड्री वाल टूटने और कमरे में पानी भरने से एक 12 वर्षीय बालिका की मृत्यु हो गई। रायपुर में रात्रि के समय अत्यधिक बरसात के चलते सौंग नदी में पानी के बहाव में फंसे 03 व्यक्तियों को रायपुर पुलिस ने रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया है। तीनों व्यक्तियों ने बताया कि वे शाम के समय पिकनिक बनाने नदी किनारे आए थे। अचानक नदी के दूसरी तरफ वर्षा के कारण पानी आ गया, जिसमें वे नदी के बीचो बीच फंस गए और रात्रि का समय होने के कारण उन्हें रास्ता नहीं मिल पा रहा था। उक्त स्थान पर मोबाइल के सिग्नल न आने कारण वे किसी को फोन भी नहीं कर पा रहे थे। पिछले वर्ष नदी में अत्यधिक वर्षा के कारण आए बहाव के कारण सौंग नदी पर बने पुल का एक छोर बह गया था। नदी में फंसे व्यक्तियों के नाम मनोज कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी हादसे पौड़ी गढ़वाल हाल देहरादून, आयुष बेडवाल पुत्र नेत्रसिंह बेडवाल निवासी नकरौंदा देहरादून,राजन रावत पुत्र धनवीर सिंह रावत निवासी घनसाली टेहरी गढ़वाल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बारिश के अलर्ट को देखते हुए सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में सतर्क रखते हुए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद उधमसिंहनगर-काशीपुर क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव होने से कई मकानों में पानी भर गया है। एसडीआरएफ जलमग्न मकानों में फंसे हुए लगभग 80 लोगों को राफ्ट की सहायता से सकुशल निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। हर्ष गुप्ता (आईएएस) संयुक्त सचिव एनडीएमए भारत सरकार की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय आईएमसीटी टीम की ओर से जिला हरिद्वार के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। राज्य में आगामी 14 अगस्त तक के लिए कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर 06 जिले देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल,चंपावत, उधमसिंह नगर, नैनीताल लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 07 जिले उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर ल, हरिद्वार, अल्मोड़ा के लिए गरज-जमक के साथ भारी से भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट की चेतावनी हैं। राज्य में दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 05 बॉर्डर मार्ग सहित लगभग 226 अन्य सड़कें बाधित हैं,जिन्हें खोला जा रहा है। पिथौरागढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग 1447 रामगंगा क्विटी बिर्थी मोटर मार्ग बाधित है। देहरादून जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 707-ए मोटरमार्ग किमी,124 व 127 किमी 136 में सड़क मार्ग में मलबा और राष्ट्रीय राजमार्ग 123 मोटर मार्ग किमी 31 में सड़क मार्ग पर लैंडस्लाइड होने के कारण बंद हो गए थे, जिन्हें खोल दिया गया है। जिले में राजमार्ग हरिपुर इच्छाडी क्वानू मीनस मोटर मार्ग किमी.31 इच्छाड़ी, किमी 33 में पाथुवा, किमी 5 लालडांग, किमी 48 धारिया, किमी 60 में भोग, किमी 64 में सैंज के निकट बाधित हैं।

पहली बार ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में होगा क्वाड देशों का मालाबार नौसैन्य अभ्यास

- जापान-अमेरिका की नौसेनाएं भी जहाजों और विमानों के साथ लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, (हि.स.)। ऑस्ट्रेलिया पहली बार क्वाड देशों की नौसेनाओं के मालाबार अभ्यास की मेजबानी कर रहा है। इस जटिल समुद्री अभ्यास में हिंद-प्रशांत पर चर्चा करने वाले शीर्ष नौसैन्य कमांडरों के साथ समुद्र और बंदरगाह दोनों चरण शामिल होंगे। अभ्यास में भारतीय नौसेना के स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोत आईएनएस सह्याद्री और आईएनएस कोलकाता हिस्सा लेने सिडनी पहुंच गए हैं। नौसेना कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी की मेजबानी में 11 से 21 अगस्त तक सिडनी में होने वाले मालाबार अभ्यास में भारत के अलावा अमेरिकी नौसेना (यूएसएन), जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के जहाजों और विमानों की भागीदारी होगी। इस समुद्री अभ्यास की मालाबार श्रृंखला 1992 में भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना के बीच द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में इसका कद इतना बढ़ गया है कि इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र की चार प्रमुख नौसेनाओं को शामिल कर लिया गया है। मालाबार अभ्यास के 2020 संस्करण में रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी की पहली भागीदारी देखी गई। इस वर्ष मालाबार का 27वां संस्करण है, जिसकी मेजबानी रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी (आरएएन) कर रही है। यह अभ्यास

दो चरणों में होगा, हार्बर चरण में क्रॉस-डेक दौरे, पेशेवर आदान-प्रदान, खेल फिक्स्चर और समुद्री चरण की योजना और संचालन के लिए कई इंटरैक्शन जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल होंगी। समुद्री चरण में युद्ध के सभी तीन क्षेत्रों में विभिन्न जटिल और उच्च तीव्रता वाले अभ्यास शामिल होंगे, जिसमें जीवित हथियार फायरिंग अभ्यास सहित सतह-रोधी, वायु-रोधी और पनडुब्बी रोधी अभ्यास शामिल होंगे। अभ्यास में शामिल होने वाला भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सह्याद्रि स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोजेक्ट-17 क्लास मल्टी-रोल स्टील्थ फ्रिगेट्स का तीसरा जहाज है। वर्तमान में इसकी कमान कैप्टन राजन कपूर के पास है। आईएनएस कोलकाता स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोजेक्ट-15ए श्रेणी के विध्वंसक जहाज का पहला जहाज है और इसकी कमान कैप्टन शरद सिंसुनवाल के पास है। दोनों जहाज मझगांव डॉक लिमिटेड, मुंबई में बनाए गए हैं और सतह, हवा और पानी के नीचे के क्षेत्रों में खतरों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिए अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस हैं।

लोकसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय व्यवहार के प्रति मांफी मांगें राहुल गांधी : स्वाती सिंह

-कांग्रेस की मानसिकता हुई उजागर, लोकसभा चुनाव में महिलाएं देंगी करारा जवाब

लखनऊ, (हि.स.)। महिलाओं के प्रति कांग्रेस की मानसिकता किस हद तक निम्न स्तरीय है, यह राहुल गांधी ने स्वयं लोकसभा में जता दिया। यह बहुत ही अशोभनीय कार्य था। इसके लिए राहुल गांधी को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। एक तरफ तो राहुल गांधी मणिपुर की घटना से अवगत करा रहे थे, लेकिन वे स्वयं ससंद में किस तरह का व्यवहार करके चले गये। इस पर कांग्रेस ने माफी भी नहीं मांगी। ये बातें पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में वक्तव्य देने के बाद कथित रूप से फ्लाइंग किस किया। इस मुद्दे पर 22 महिला सासंदों ने कार्रवाई की मांग भी की है। इसी मुद्दे को लेकर पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने अपना गुस्सा जाहिर किया। गुरुवार को उन्होंने कहा कि यह कितनी शर्म की बात है कि आज भी कांग्रेस महिलाओं को तुच्छ नजरिये से देखती है। यही कारण है कि राजस्थान में महिला के साथ दुराचार के बाद उसके सभी अंगों को काटकर जला दिया जाता है, लेकिन प्रियंगा वाड्रा को वह नहीं दिखता। राहुल गांधी भी उस मामले पर चुप रहते हैं। स्वाती सिंह ने कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस और पूरे विपक्ष को महिलाएं जवाब देंगी। उनकी तुच्छ मानसिकता का करारा जवाब उन्हें चुनाव में ही मिलेगा। स्वाती सिंह ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को समकक्ष खड़ा करने के लिए उज्ज्वला योजना लाकर धुएं से मुक्ति दी। वहीं तीन तलाक पर बिल लाकर उनकी प्रताड़ना को कम किया। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस महिलाओं पर कटाक्ष करने और अभद्रता करने से बाज नहीं आती।

ज्ञानवापी में लगातार सातवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम का वैज्ञानिक सर्वे

- परिसर के हर हिस्से की तस्वीर, वीडियोग्राफी, थ्रीडी मैपिंग
- परिक्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, फुट पेट्रोलिंग पर खास जोर

वाराणसी, (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम गुरुवार को निर्धारित समय पर सुबह आठ बजे पहुंच गई। लगातार सातवें दिन टीम ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। सर्वे में परिसर के हर हिस्से की फोटो और वीडियोग्राफी कराने के साथ थ्री डी मैपिंग हो रही है। थ्रीडी इमेज तैयार करने के लिए टीम ने परिसर में कई जगहों पर डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) स्थापित किया है। इसके पहले छठे दिन माना जा रहा है कि टीम ने तहखानों की दीवारों और सतह की थ्री डी मैपिंग कराई। इसके साथ पश्चिमी दीवार और तहखानों के पास पड़े मलबे को भी रिकार्ड में दर्ज किया। सर्वे टीम ने ज्ञानवापी के पूरब दिशा में मौजूद दो ऊंची मीनारों और उसमें बनी सीढ़ी को देखने के साथ इसमें इस्तेमाल पत्थरों की जांच की। पत्थरों पर उभरी आकृतियों की वीडियोग्राफी की। सर्वे टीम में शामिल 42 विशेषज्ञों की टीम चार दलों में बंट कर पहले चिह्नित स्थानों की जांच शुरू की। 10 सदस्यों का एक दल दक्षिणी तहखाने में मौजूद व्यास जी के कमरे में दाखिल हुआ। 10 सदस्य दल उत्तरी तहखाने में दाखिल हुआ। खास बात यह है कि ज्ञानवापी परिसर में ग्राउंड पेनेट्रेटिक रडार (जीपीआर) सर्वे के लिए आईआईटी कानपुर की टीम भी आने वाली है। उधर, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने ज्ञानवापी श्रृंगारगौरी केस के वादी व प्रतिवादी को सख्त हिदायत दी है कि ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे के संबंध में किसी तरह की बयानबाजी न की जाए। प्रशासन ने दोनों पक्षों को हिदायत दी है कि सर्वे के दौरान वे एएसआई टीम से दूरी बनाकर रखेंगे। इसका असर दिखा और सर्वे टीम के साथ आए वादी पक्ष के अधिवक्ता मौन दिखे। ज्ञानवापी सर्वे को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. एस चन्नप्पा व अन्य अफसर क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग पर खासा जोर दे रहे है।

विशेष लोक अदालत 12 को, प्राथमिकता पर निस्तारित होंगे चेक बाउंस मुकदमे

मीरजापुर, (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 अगस्त को सुबह 10 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल की अध्यक्षता में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में चेक बाउंस के मुकदमे प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाएंगे। इसके लिए लंबित 309 चेक बाउंस मुकदमे चिन्हित किए गए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने बताया कि विशेष लोक अदालत में चेक बाउन्स से संबंधित मुकदमों के निस्तारण होने पर वादकारियों द्वारा लगाए गए न्याय शुल्क वापस मिल जाता है। किसी भी पक्षकार को दंडित नहीं किया जाता है, बल्कि विशेष लोक अदालत में उभयपक्ष को न्याय आसानी से समय पर मिल जाता है और लोक अदालत का अवार्ड अंतिम होता है। इसके खिलाफ किसी न्यायालय में अपील नहीं होती है, इसलिए पक्षकार व्यक्तिगत तौर पर संबंधित न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपने मुकदमे को निस्तारण के लिए अविलंब पंजीकृत कराएं। साथ ही जनपद न्यायाधीश ने विशेष लोक अदालत को सफल बनाने व समस्त न्यायिक अधिकारियों को अधिक से अधिक चेक बाउंस के मुकदमों का निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव लालबाबू यादव ने समस्त अधिवक्ता व एनआई एक्ट के उभय पक्षों से अपील की है कि वह एनआई एक्ट के मुकदमों में संबंधित न्यायालय से प्रेषित नोटिस स्वीकार कर मुकदमों को पंजीकृत कराएं और निस्तारण कराकर विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं।

जंगल में संचालित 102 स्कूल होंगे शिफ्ट, शासन को भेजा प्रस्ताव

इजनपद में गुलदारों के बढ़ते खौफ के कारण बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो गई है।भयभीत अभिभावक बच्चों को स्कूलों में नहीं भेज रहे है`जंगल में संचालित 102 परिषदीय स्कूलों को आबादी वाले सुरक्षित क्षेत्रों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए बेसि-ाक शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों को शिफ्ट करने के लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव मिलते ही स्कूलों को शिफ्ट कर दिया जाएगा। अभी करीब 11 स्कूलों को शिफ्ट कर दिया गया है। जनपद में गुलदार के हमलों को देखते हुए सभी सतर्क हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने जिले के 2119 परिषदीय स्कूलों में से जंगल व असुरक्षित स्थान पर संचालित स्कूलों की गणना कराई थी। पिछले सप्ताह बारिश व गुलदार को देखते हुए करीब 11 स्कूल आबादी क्षेत्र में प्रधान के आवास पर, धर्मशाला, निजी भवनों, पंचायतघरों आदि में संचालित कराए जा रहे हैं। जनपद में करीब 21 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें अभी चहारदीवारी ही नहीं है। इन स्कूलों को भी शिफ्ट किया जाएगा। प्रशासन व किसान संगठन ग्रामीणों, किसानों को गुलदार से बचाव के बारे में जागरूक कर रहे हैं। अफसरों का कहना है कि ज्यादा स्कूल शिफ्ट करने के लिए मुख्यालय से स्वीकृति लेनी पड़ती है। शासन व मुख्यालय से प्रस्ताव स्वीकृत होकर आने पर शिफ्ट करा दिए जाएंगे।

कुछ सीखने के लिए राज परिवार से राहुल गांधी को आना होगा बाहर : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। बच्चा पैदा होता है दो-तीन साल में बोलना चलना सीख जाता है। लेकिन कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को अभी भी सीखना बाकी है। वे कभी गले लगाते हैं तो कभी फ्लाइंग किस करते हैं। बिना सोचे समझे कोई भी बयान दे देते हैं केशव प्रसाद मौर्य ने यह बातें संसद में राहुल गांधी के फ्लाइंग किस को लेकर एक फिर सुर्खियों में आने पर पत्रकारों के किए सवाल का जवाब देते हुए कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अभी भी बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को राज परिवार से बाहर आना चाहिए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राष्ट्रीय लोकदल के विधायकों की मुलाकात पर उठ रही सियासत पर विराम लगाते हुए कहा कि यूपी के किसी भी दल के कोई भी विधायक मुख्यमंत्री से मिल सकते हैं। विधायक पहले भी मुख्यमंत्री से मिलते रहे हैं। प्रदेश के हर दल के सम्मानित विधायक का मुख्यमंत्री से मिलने पर संशय नहीं उठना चाहिए। इसके कोई अन्य अर्थ ना निकाले जाए। केशव प्रसाद मौर्य ने विधानसभा की नई नियमावली को सदन संचालन के लिए बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि इसके लागू होने से सदन में चर्चा करके निर्णय होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ से वाराणसी के लिए विमान सेवा का किया शुभारंभ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लखनऊ से वाराणसी के लिए इंडिगो फ्लाइट की सेवा का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पहली महिला यात्री को टिकट दिया, साथ ही इंडिगो परिवार को बधाई भी दी। अब लखनऊ से वाराणसी महज 55 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। इस अवसर पर आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ से काशी के लिए सीधी उड़ान शुरू होने श्रद्धालुओं को फायदा होगा। उत्तर प्रदेश एयरपोर्ट का हब बन रहा है। बीते 6 सालों में एयरपोर्ट का विस्तार हुआ है। प्रदेश के कई जिलों में एयरपोर्ट बनाये गये हैं। कई शहरों में हवाई यात्रा शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि आने वाले तीन महीने में अयोध्या का एयरपोर्ट तैयार हो जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय नागर विमानन राज्यमंत्री डॉ. वीके सिंह, प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। सप्ताह में तीन दिन- मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को लखनऊ एयरपोर्ट से वाराणसी जाने के लिए इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट मिलेगी। सप्ताह में तीन दिन दोपहर 2:20 पर फ्लाइट मिलेगी। वाराणसी से शाम 04 बजे लखनऊ के लिए फ्लाइट उड़ान भरेगी।

मंत्री पद के लिए व्याकुल हैं निशिकांत : जदयू

रांची, (हि.स.)। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने गुरुवार को कहा कि गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इन दिनों केंद्र में मंत्री पद के लिए व्याकुल हैं। वह चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव के पूर्व केंद्रीय मंत्रिमंडल के अंतिम विस्तार में उनका बर्थ कन्फर्म हो जाए। इसलिए आज कल वह कुछ-कुछ बोलते रहते हैं। सागर ने कहा कि पूर्व में काफी समय तक निशिकांत दुबे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सोरेन परिवार पर कुछ-कुछ बोलते रहते थे। कोर्ट- कचहरी करते रहते थे। इसके बावजूद संगठन और सरकार में उनकी उपेक्षा हुई। आजकल जदयू और जदयू नेताओं पर कुछ-कुछ बोल रहे हैं। शायद जदयू का जाप करने से उन्हें कुछ प्राप्त हो जाए। वैसे भी आजकल जदयू पर बोलने वाले नेताओं को भाजपा में प्राथमिकता मिल रही है। उन्होंने कहा कि निशिकांत कह रहे हैं कि वह चुनाव में जदयू को फंडिंग कराते थे, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए की किस कम्पनी के एवज में वह यह फंडिंग कराते थे।

पलामू में बिना प्रभार लिए बैरंग लौटे भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता

पलामू, (हि.स.)। भवन निर्माण विभाग में कार्यपालक अभियंता के प्रभार को लेकर गुरुवार को विवाद हो गया। बिना प्रभार लिए कार्यपालक अभियंता महेन्द्र राम को लौटना पड़ा। इस दौरान कार्यालय में संविदाकर्मियों की भीड़ लगी रही और गहमागहमी की स्थिति बनी रही। गत सात अगस्त को भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता नसीम अली का ट्रांसफर हो गया है। उनकी जगह महेन्द्र राम की पदस्थापना हुई है। ट्रांसफर पोस्टिंग के दो दिन बाद महेन्द्र राम कार्यभार संभालने के लिए कार्यालय पहुंचे। यहां उनकी मुलाकात निवर्तमान कार्यपालक अभियंता नसीम अली से नहीं हुई। इस पर कार्यपालक अभियंता ने मोबाइल से नसीम अली को सूचित किया। महेन्द्र राम ने उन्हें कार्यालय आकर प्रभार सौंपने का आग्रह किया, जिस पर नसीम अली तैयार नहीं हुए और 16 अगस्त को प्रभार सौंपने की बात कही। महेन्द्र राम ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें आज प्रभार देने में क्या समस्या हो रही है? कार्यपालक अभियंता महेन्द्र बिना पदभार ग्रहण किए ही बैरंग लौट गए। वर्तमान कार्यपालक अभियंता महेन्द्र ने ठेकेदारों को नसीहत देते हुए कहा कि इधर-उधर की बातें ना करें। उन्होंने सभी संवेदकों के समक्ष कहा कि निवर्तमान कार्यपालक अभियंता जिस तरह से उन्हें धमकी दे रहे हैं, वह ठीक बात नहीं है। मैं भी कोई छोटा अधिकारी नहीं हूं। कई जिला संभाल चुका हूं। मामले में निवर्तमान कार्यपालक अभियंता नसीम अली ने कहा कि 16 अगस्त को स्वतः प्रभार दे दूंगा। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर के बाद कम से कम सात दिन का समय प्रभार सौंपने का होता है। 8 अगस्त को कार्यपालक अभियंता महेन्द्र पलामू आए थे तो उन्हें 16 अगस्त को प्रभार सौंप देने की बात कही थी। अचानक उनका व्यवहार बदल गया और प्रभार लेने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि कई कार्य अभी अधूरे हैं। कार्य समाप्त होने में दो-चार दिनों का समय लग सकता है। यदि उन्होंने धमकी दी है तो वे कॉल डिटेल निकालकर पुलिस को दे सकते हैं।

आदिवासी दिवस समारोह के बैनर-पोस्टर में राज्य के महान विभूतियों को नहीं मिली जगह : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा आयोजित आदिवासी दिवस समारोह में झारखंड के वीर शहीदों, महान क्रांतिकारियों के हुए अपमान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मरांडी ने कहा कि समारोह के प्रचार-प्रसार में करोड़ों रुपये खर्च किए गए लेकिन पोस्टर-बैनर में राज्य के महान विभूतियों सिदो कान्हु, चांद भैरव, तिलका मांझी, भगवान बिरसा मुंडा को कोई जगह नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में जब सत्ताधारी वीर क्रांतिकारियों का तिरस्कार करने लगे तो उसका पतन सुनिश्चित है। प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह सोरेन राज परिवार के डायरेक्टरशिप में चल रहे झामुमो की ऐसी ही नियत है। उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव और जीवन दर्शन की झलकियों के नाम पर रांची की सड़कों पर आदिवासियों की जमीन लूट कर अरबपति बनने वाले पिता-पुत्र अपनी झलकियां दिखा रहे हैं। मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता अपने महान विभूतियों का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अगले चुनाव में आदिवासी समाज इनके किए की सजा देकर सबक सिखाएगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने धिक्कार मार्च निकालकर डीएम को ज्ञापन सौंपा

सहरसा, (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा गुरुवार को धिक्कार मार्च निकालकर सात सूत्री मांगों के समर्थन में जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार में लोकतांत्रिक व्यवस्था शर्मसार हो रही है। बढ़ते अपराध छात्र युवाओं के प्रति महा गठबंधन सरकार की उदासीनता से आमजन तथा नौजवानों में आक्रोश है।नीतीश तेजस्वी सरकार की कानून व्यवस्था की असलियत उनके संस्था के कारनामों को राज्य की जनता अच्छे से जान गई है। बिहार के लिए शर्म की बात है।प्रदेश हिंसा और अपराध की आग में झुलस रहा है। वही जनता भय और सुरक्षा के साए में जीवन बिताने को मजबूर है। बिहार का युवा छात्र महिला किसान शिक्षक अपनी मांगों को लेकर पटना की सड़कों पर उतरती है तो उन पर लाठियां बरसाई जाती है। भाजपा ने जब बिहार के जनमानस की आवाज बंद कर गठबंधन सरकार के विरुद्ध शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा मार्च निकाला तो कार्यकताओं पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज कर हजारों लोगों को जख्मी कर दिया। वही पार्टी के जिला महामंत्री विजय सिंह की हत्या कर दी गई।भारतीय जनता युवा मोर्चा इन सभी को लेकर देशभर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जिसमें 25 लाख से अधिक युवाओं ने अपने इस अभियान के साथ सहभागी बने। उन्होंने दिए गए ज्ञापन में कहा कि बिहार में बढ़ते अपराध भ्रष्टाचार अराजकता धार्मिक उन्माद के प्रति कठोर कार्रवाई करने, आम जनता की आवाज को लाठी और गोलियों की मार से दबाने को बंद करने,बिहार की युवाओं को 10 लाख नौकरी का वादा पूरा करने, शिक्षकों के राज्य कर्मी का दर्जा देने, भाजपा कार्यकर्ता विजय सिंह के हत्यारों को सजा देने, बढ़ते अपराध भ्रष्टाचार पर रोक लगाने तथा 17 हजार करोड़ के अगवानी पुल पर घटना में संलिप्त भ्रष्टाचारियों पर शीघ्र कार्रवाई किए जाने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आपसे अपेक्षा करती है की सभी बिंदुओं बिंदुओं पर संवेदनशील कार्यवाही के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाए तथा प्रदेश की जनता को आवश्यक राहत के लिए कदम उठाए जाने की मांग की। इस अवसर पर राणा करनजीत सिंह, राकेश रोशन, नवजोत सिंह, नीतीश यादव, संजीव सिंह, अजय कुमार, अमित कुमार, संतोष कुमार,संजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

नीतिश सरकार के कार्यकाल में बिहार का हर वर्ग पीड़ित : सूरज जायसवाल

भागलपुर, (हि.स.)। भाजयूमो भागलपुर के द्वारा गुरुवार को धिक्कार दिवस मनाया गया। इस दौरान भाजयूमो कार्यकताओं के द्वारा शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें जिला में हस्ताक्षर अभियान का भी कॉपी शामिल था। इस मौके पर भाजयूमो के जिला महामंत्री सूरज जायसवाल ने कहा कि महागठबंधन सरकार के पास पहले वर्ष पूर्ण होने पर अपने खाते में दिखाने के लिए केवल असफलताएं ही असफलताएं है। बिहार में बढ़ती बेरोजगारी के कारण युवाओं की हालत चिंतनीय है। किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं महिलाओं के लिए सरकार ने न तो कोई ठोस नीति बनाई और न ही इस विषय में कोई प्रयास किया। पूर्व जिला अध्यक्ष अजित गुप्ता ने कहा कि बिहार का युवा जब रोजगार मांगता है तब यह सरकार लाठीचार्ज करती है। साथ ही साथ हम लोग जब युवाओं के समर्थन में विधानसभा मार्च किया तब बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया। उसके साथ ही हमारे एक साथी को हत्या तक कर दिया गया। नीतिश कुमार की पुलिस ने सांसद, विधायक और कार्यकर्ता को घायल कर दिया था। जिला महामंत्री विजय कुशवाहा ने कहा की आज बिहार में बहार है, माफियाओं का राज है। सरकार अपराधी और गुंडों की तरह बर्ताव कर रही है। उमा शंकर, प्राणिक वाजपेई, महादेव रजक, मोहित सिंह, सिद्धार्थ सोलंकी, आशीष आनंद, आकाश राय, अमित ट्विंकल, रोहित कुमार, मंगल मूर्ति, सुधाकर सोनू एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

नीतीश ने बिहार कैडर के 10 अधिकारियों से की मुलाकात

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में वर्ष 2021 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के बिहार कैडर के पदाधिकारियों से गुरुवार को मुलाकात की। प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षुओं को बेहतर ढंग से ट्रेनिंग पूरी करने की शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षु पदाधिकारियों में शुभम कुमार, प्रशिक्षु वीण कुमार, अनिक बसाक, निशा, शैलजा पाण्डेय, शिवाक्षी दीक्षित, अपूर्वा त्रिपाठी, सूर्य प्रताप सिंह, सारा अशरफ एवं आकाश चौधरी शामिल थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव बी राजेंदर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, बिपार्ड के अपर महानिदेशक विनोद सिंह गुंजियाल एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह उपस्थित थे।

संपादकीय

प्रसंगवश रहा मणिपुर

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस जारी है। यह प्रस्ताव मणिपुर हिंसा, हत्याओं और महिलाओं के यौन शोषण पर केंद्रित रहना चाहिए था, क्योंकि इस मुद्दे पर ही खासकर राज्यसभा बाधित रही थी। नतीजतन संसद सत्र में नाममात्र का ही काम हो सका। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर को लेकर लंबी खामोशी की मुद्रा में रहे हैं और सदन से लगातार गैर-हाजिर रहे हैं, लिहाजा उन्हें बोलने को बाध्य करने के मद्देनजर अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। प्रस्ताव पर चर्चा के पहले दिन, करीब 6 घंटे की बहस के दौरान भी, प्रधानमंत्री अनुपस्थित रहे। वह अपने कार्यालय में बैठ कर सांसदों के वक्तव्य सुन रहे होंगे! वैसे यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है कि वह सदन में कब आएं अथवा बिल्कुल न आएं या किसी भी विषय पर हस्तक्षेप करें! बेशक प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार तो अपरिमित हैं। सवाल विशेषाधिकार का नहीं है। कितने विशेषाधिकारों की चर्चा की जाए, सवाल यह है कि प्रधानमंत्री भी प्राथमिक तौर पर लोकसभा सांसद हैं। कमोबेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में उनकी उपस्थिति अपेक्षित है। हम लोकतांत्रिक नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर यह अपेक्षा कर रहे हैं, क्योंकि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति के सवाल प्रसंगवश उठाए जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री भी संसद से गुरुतर और महान नहीं हो सकते। बहरहाल प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भी उन्होंने ही दिया था। उनका वक्तव्य कुल 35 मिनट का था। चूंकि वह असम से सांसद हैं, लिहाजा मणिपुर पर वह करीब 22 मिनट तक बोले। उन्होंने वही सवाल उठाए, जो कांग्रेस की ओर से उठाए जाते रहे हैं। सत्ता-पक्ष की ओर से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चर्चा का आगाज किया, लेकिन मणिपुर की हिंसा, जातीय तनाव और टकराव तथा विस्थापन के अहम पहलुओं पर वह कुछ नहीं बोले। उन्होंने मणिपुर से जुड़े अपने मामा जी का एक निजी प्रसंग जरूर सुनाया। अलबत्ता वह सोनिया-राहुल गांधी पर ही तंज कसते रहे। उन्होंने 'गरीब के बेटे' और ओबीसी के खिलाफ अविश्वास करार दिया और 2024 में 400 सीटों के जनादेश के साथ लौटने का दावा किया। पूर्वोत्तर के अरुणाचल प्रदेश से भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री किरन रिजीजू ने 'मणिपुर' शब्द 11 बार बोला, लेकिन महिलाओं पर यौन हमलों का जिक्र एक बार भी नहीं किया। वह यह गिनाते रहे कि कितने उग्रवादी संगठन खत्म हो चुके हैं और कितने उग्रवादियों ने आत्म-समर्पण किया है। यह गिनती कई बार दोहराई जा चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पूर्वोत्तर पर दिए गए निर्देश का उल्लेख किया कि 5 कैबिनेट मंत्री और 7 केंद्रीय राज्यमंत्री हरेक 15 दिन के अंतराल पर पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करते हैं। एक और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और सिरसा (हरियाणा) की भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल ने मणिपुर का शब्द तक नहीं बोला। राणे महाराष्ट्र पर बोले, जिसका संदर्भ तक नहीं था। विपक्ष में सपा सांसद डिम्पल यादव और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों पर ही फोकस रखा। अलबत्ता मणिपुर को लेकर मोदी सरकार पर कुछ सवाल जरूर उठाए। ऐसा लगता रहा मानो मणिपुर का उल्लेख प्रसंगवश करना है! मणिपुर के नाम पर 2024 के लिए ताकत का प्रदर्शन करना है! बहस के पहले दिन कुल 18 सांसदों ने वक्तव्य दिए। शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे मणिपुर के हालात और शर्मनाक चीरहरण कांड पर एक बार भी नहीं बोले, लेकिन सदन में 'हनुमान चालीसा' जरूर सुनाई। तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने भी प्रधानमंत्री के, खासकर अमरीकी राष्ट्रपति बाइडन के निजी रात्रि-भोज, विदेशी प्रवास पर टिप्पणी करते हुए सवाल किया कि क्या वह 'घुमंतू राजदूत' हैं? सांसदों का मणिपुर सरोकार ऐसा रहा। वहां अब भी मार-काट जारी है। करीब 65,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। करीब 5000 हिंसक घटनाएं हुई हैं। पुलिस से छीन कर करीब 6000 आधुनिक हथियार और कारतूस उग्रवादियों के हाथों में हैं। आगजनी हुई है और बहुत कुछ जला कर राख कर दिया गया है। ऐसे जलते हुए मुद्दे पर सांसदों की संजीदगी अपेक्षित थी। बहरहाल अब देखते हैं कि जवाब में प्रधानमंत्री क्या बोलते हैं? दूसरी ओर बुधवार को दिल्ली सेवा बिल राज्यसभा में भी पारित हो गया। इससे एनडीए की एकता प्रमाणित होती है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के एकजुट हो जाने के बावजूद विपक्ष इस बिल को नहीं रोक पाया। इस बिल के पक्ष में 131 व विरोध में 102 मत पड़े। अब यह बिल राष्ट्रपति के पास जाएगा और उनके औपचारिक हस्ताक्षर हो जाने के बाद यह कानून बन जाएगा।

> हम लोकतांत्रिक नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर यह अपेक्षा कर रहे हैं, क्योंकि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति के सवाल प्रसंगवश उठाए जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री भी संसद से गुरुतर और महान नहीं हो सकते। बहरहाल प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भी उन्होंने ही दिया था। उनका वक्तव्य कुल 35 मिनट का था। चूंकि वह असम से सांसद हैं, लिहाजा मणिपुर पर वह करीब 22 मिनट तक बोले। उन्होंने वही सवाल उठाए, जो कांग्रेस की ओर से उठाए जाते रहे हैं। सत्ता-पक्ष की ओर से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चर्चा का आगाज किया, लेकिन मणिपुर की हिंसा, जातीय तनाव और टकराव तथा विस्थापन के अहम पहलुओं पर वह कुछ नहीं बोले।

कुछ अलग

मंदिर आय की नई परिपाटी

पहली बार हिमाचल के मंदिर धार्मिक पर्यटन की आहट में अपनी आर्थिक क्षमता का अवलोकन कर रहे हैं और अगर इस दिशा में तमाम संभावनाओं का दोहन किया जाए, तो प्रदेश में आर्थिकी का यह मॉडल परवान चढ़ेगा। प्रदेश सरकार मंदिर दर्शन की अहमियत में वीआईपी शुल्क के जरिए एक नई परिपाटी चिंतपूर्णी से शुरू कर रही है। आइंदा वीआईपी पास के लिए ग्यारह सौ का भुगतान करके एक साथ पांच श्रद्धालु मंदिर के प्राथमिक दर्शन करने के पात्र हो जाएंगे। मंदिर दिन में अभी सिर्फ पांच सौ वीआईपी पास ही जारी करेगा, यानी ढाई हजार लोग इस तरह शुल्क अदा करके महीने में 165 लाख और साल में करीब बीस करोड़ अतिरिक्त आय पैदा कर सकते हैं। यह व्यवस्था अगर इसी तरह कम से कम आधा दर्जन प्रमुख मंदिरों पर भी वीआईपी दर्शन हो जाएं, तो धार्मिक पर्यटन के इस स्वरूप में सवा सौ करोड़ रुपए अर्जित हो जाएंगे। यह तो एक मात्र प्रयास है जो अब तक की धार्मिक शृंखलाओं में नई आर्थिकी का विकास कर रहा है। धार्मिक पर्यटन को अगर नवाचार, निवेश, आस्था, मनोरंजन, शहरी व आवासीय विकास के साथ-साथ हाई एंड टूरिस्ट की जरूरतों के साथ जोडक़र देखें, तो कई अन्य विकल्प भी जुड़ जाएंगे। मसलन मंदिरों की आय के निवेश से धार्मिक नगरियों व वहां पर्यटन अधोसंरचना का विकास दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर किया जाए, तो प्रमुख धार्मिक स्थलों की वार्षिक आय कम से कम पांच हजार करोड़ तक पहुंचाई जा सकती है। ये मंदिर धार्मिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्यटन के भी प्रमुख केंद्र हो सकते हैं, जबकि कुछ खास उत्पादों जैसे रोट, धूप, अगरबत्ती, प्रकाशन व गिफ्ट उत्पादन के केंद्र के रूप में संरक्षक की भूमिका अदा कर सकते हैं। मंदिरों की आय जोडक़र मंदिर रेल परियोजना के तहत कोंकण रेल की तरह चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा, बैजनाथ, दियोटसिद्ध, नयनादेवी से मंडी तक की धार्मिक आर्थिकी का विकास नहीं, बल्कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता भी प्रशस्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, हिमाचल में धार्मिक की दो अन्य धाराओं पर भी सरकार का दखल चाहता है यानी सिख व बौद्ध पर्यटन के जरिए भी प्रदेश की आर्थिक छवि बदली जा सकती है। सिख पर्यटन ऊना के रास्ते धरोहर गुरुद्वारा स्थलों को जोडक़र तथा इसी तरह बौद्ध एवं तिब्बती पर्यटन को भी अलग से सर्किट विकसित किया जा सकता है। ऐसे पर्यटन के साथ समागमों, समारोहों व रिवायतों की एक स्थायी तहजीब से आर्थिक क्षमता व वित्तीय संपन्नता में इजाफा होगा। यह दीगर है कि प्रदेश को धार्मिक पर्यटन विकास की नियमावली सुदृढ़ करते हुए प्रबंधन की परिपाटी भी बदलनी होगी। तमाम राष्ट्रीयकृत मंदिरों के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन करके एक स्थायी कॉडर की भी रूपरेखा बना लेनी चाहिए। बहरहाल वीआईपी दर्शन की पहली खेप के रूप में चिंतपूर्णी के मॉडल को अन्य प्रमुख मंदिरों में भी त्वरित से अमल में लाना होगा। इसके साथ मंदिरों के वित्तीय प्रबंधन को महज आय-व्यय या राजनीतिक सत्ता के इस्तेमाल के बजाय स्वतंत्र रूप से हिमाचल की आर्थिकी से जोडक़र देखना होगा, ताकि धार्मिक पर्यटन की क्षमता को बढ़ाते हुए आमदनी से आर्थिकी तक प्रदेश कम से कम पांच हजार करोड़ के लक्ष्य तक पहुंच सके।

शासन संशोधन विधेयक 2023' पर आम आदमी पार्टी और उसके साथ खड़े सभी राजनीतिक दलों को मुंह की खानी पड़ी

केजरीवाल की अहंकारी राजनीति का खामियाजा दिल्ली को भुगतना पड़ रहा है

ललित गर्ग

> केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार की मनमानी, भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर नियंत्रण लगाने के लिये इस बिल को सफलतापूर्वक पारित कर लिया है, इससे विपक्ष और विशेषकर कांग्रेस की भी हार एवं किरकिरी हुई है। आम आदमी पार्टी की जिद, अहंकार एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में संविधान के सामने परास्त हो गई। क्योंकि संविधान केवल अधिकार नहीं देता, शुद्ध आचरण की अपेक्षा भी करता है। नि:सन्देह यह भाजपा सरकार की ऐतिहासिक जीत इसलिये है क्योंकि पहले कयास लगाये जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पायेगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस 'इंडिया' के सभी घटक दल बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे।

आखिरकार केजरीवाल सरकार के अधिकार सीमित करने वाला दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में भी पास हो गया। सोमवार को राज्यसभा में बिल के समर्थन में 131 व विरोध में 102 वोट पड़े। बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा। केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार की मनमानी, भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर नियंत्रण लगाने के लिये इस बिल को सफलतापूर्वक पारित कर लिया है, इससे विपक्ष और विशेषकर कांग्रेस की भी हार एवं किरकिरी हुई है। आम आदमी पार्टी की जिद, अहंकार एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में संविधान के सामने परास्त हो गई। क्योंकि संविधान केवल अधिकार नहीं देता, शुद्ध आचरण की अपेक्षा भी करता है। निःसन्देह यह भाजपा सरकार की ऐतिहासिक जीत इसलिये है क्योंकि पहले कयास लगाये जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पायेगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस 'इंडिया' के सभी घटक दल बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे। दरअसल, लोकसभा में बहुमत होने के चलते राजग सरकार ने बिल आसानी से पास करा लिया था, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने ने उसकी चिंता बढ़ा दी। ऐसे वक्त में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल तथा जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने राजग की नैया पार लगा दी। निश्चित रूप से यह 'इंडिया' गठबंधन की बड़ी नाकामी है। भ्रष्टाचार एवं अन्य लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन के कारण इस तरह की पराजय नये भारत के लिये जरूरी भी है, दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी होने के बावजूद आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविन्द केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिये दिल्ली की जनता के प्रति निरन्तर संवेदनहीनता का प्रदर्शन किया है, जिसका खामियाजा उनको प्राप्त अधिकारों के पर कतरने के रूप में सामने आया है, और इन्हीं कारणों के चलते यह संशोधन लाना पड़ा है। केंद्र सरकार के 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023' पर आम आदमी पार्टी और उसके साथ खड़े सभी राजनीतिक दलों को मुंह की खानी पड़ी। याद रखें कि आम आदमी पार्टी ने इस विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया था। आप के सर्वेसर्वा एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी गैर-भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों एवं भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों से बिल पर समर्थन जुटाने के लिए 'भारत

भ्रमण' तक कर लिया था। दिल्ली कांग्रेस के विरोध के बाद भी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को मजबूर कर दिया कि वह लोकसभा और राज्यसभा में इस विधेयक के खिलाफ आम आदमी पार्टी का साथ दे। इसके बाद भी आप पार्टी के हाथ जब कुछ नहीं आया, तो उसके नेताओं ने अन्य अनैतिक एवं अलोकतांत्रिक रास्ते भी अपनाने का प्रयास किया। राज्यसभा में आप के सांसद राघव चड्ढा ने इस बिल को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजे जाने का प्रस्ताव रखा। सत्ता पक्ष के पांच सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी सहमति के बिना प्रस्ताव में उनके नाम डाले गए, जिसे हद दर्जे की मनमानी, फर्जीवाड़ा और अपराध मानते हुए इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजे जाने की मांग की गयी, उपसभापति हरिवंश ने इसकी जांच की बात कही है। संभव है इस पर आप के सांसद राघव चड्ढा को सजा हो। दिल्ली सरकार में तरह-तरह के भ्रष्टाचार एवं जालसाजी के किस्से आम बात हो गयी थी, विडम्बना है कि देश की भोलीभाली जनता को इन भ्रष्टाचारों को भाजपा की चाल करार देकर सहानुभूति जुटाने में माहिर आप सरकार ने संसद को भी नहीं बख्शा। संसद के भीतर जालसाजी के आरोपों में फंसी आप पार्टी ने खेद प्रकट करने की जगह कार्रवाई के डर से, अभी से शोर मचाना शुरू कर दिया है कि भाजपा अब उसके सांसद राघव चड्ढ़ा के पीछे पड़ गई है। यह तो वही बात हुई कि 'एक तो चोरी और ऊपर से सीनाजोरी'। यदि राघव चड्ढ़ा सही हैं, उन्होंने कोई फर्जीवाड़ा नहीं किया है, तब उन्हें और उनकी पार्टी के नेताओं को डरने की जरूरत क्यों होनी चाहिए? आप पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच विकृत है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखे हैं, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। ऐसी मूल्यहीन राजनीति के चलते देश के भविष्य को लेकर करोड़ों लोग चिन्ता एवं ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व के सामने नये मानदण्ड रखने होंगे। जो राजनीतिक दल फर्जीवाड़े एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, उन्हें आइना दिखाना होगा। हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा। संभवतः दिल्ली सर्विस बिल का संसद में सफलतापूर्वक पारित होना, इस दिशा में एक सार्थक पहल है, एक सबक है, एक सन्देश है कि सावधान हो जाओ देश को गुमराह करने वालो, लूटने वालों। राजनैतिक वितंडावाद को ही राजनीति समझने वाले आप के नेताओं को समझना चाहिए कि संसद जैसा मंच इस प्रकार की ओछी, संकीर्ण एवं स्वार्थी हरकतों के लिए नहीं है। संसद के किसी भी पटल पर, कोई भी बात गंभीरता से, जांच-पड़ताल करने के उपरांत ही रखनी चाहिए। परंतु जिन्होंने दिल्ली की विधानसभा को ही अपनी राजनीतिक जागीर मानकर अपनी खुन्नस निकालने एवं मनमानी करने का अखाड़ा बना लिया हो, उनसे संसद की गरिमा की अपेक्षा करना कितना उचित होगा? भले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस विधेयक को दिल्ली के लोगों को गुलाम बनाने वाला बताया तो या कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने कहा हो कि केंद्र सरकार के पास इस विधेयक को लाने का नैतिक अधिकार नहीं है, यह संघीय संरचना पर कुठाराघात है, वगैरह-वगैरह। आप पार्टी एवं उनके सहयोगी बने दलों के प्रश्नों एवं आरोपों का अमित शाह ने इस विधेयक पर सरकार का पक्ष रखते हुए बहुत ही तार्किक एवं तथ्यपरक ढंग से उत्तर दिया। शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिस तरह से दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने अधिकारियों के तबादले शुरू किए थे, जांच की फाइलों को रातोंरात गायब किया, उसको देखते हुए विधेयक लाना जरूरी हो गया था। दिल्ली सरकार के विरुद्ध कई मामलों की जांच कर रही विजिलेंस को अपने अधीन रखने के लिए आप सरकार बेचैन थी ताकि भ्रष्टाचार न उजागर हो। निश्चित ही आप सरकार की केंद्र सरकार के साथ अनावश्यक टकराव की परिणति यह हुई कि दिल्ली को अब शायद ही कभी पूर्ण राज्य का दर्जा मिल पाएगा। इस बिल के पारित होने से दिल्ली की जनता का अधिक नुकसान हुआ। केन्द्र सरकार ने देश की राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान सभा में दिल्ली के अधिकार और कार्यों के बारे में चर्चा के साथ सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के साथ 1993 में इसे राज्य का दर्जा दिए जाने का पूरा ब्यौरा दिया। जाहिर है दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है और केंद्र सरकार को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार दिल्ली के किसी भी विषय पर कानून बनाने का अधिकार है।

भूस्खलन का दौर, कसूरवार कौन?

> प्रशासन के मुताबिक इस सीजन में बेतहाशा बारिश से राज्य को लगभग 5492 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 652 घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं, जबकि छह हजार 686 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 236 दुकानें और लगभग दो हजार 37 पशु घर तबाह हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश में 24 जून से लेकर अब तक का 67 लैंडस्लाइड की घटनाएं और 51 फ्लैश फ्लड की घटनाएं दर्ज की गई हैं। यह नुकसान कहीं अधिक भी हो सकता है क्योंकि निरंतर अभी भी भूस्खलन की घटनाएं निरंतर घट रही हैं जिससे लोगों का जीवन पर संकट छा गया है।

हिमाचल प्रदेश का नाम जुबान पर आने पर ही सौंदर्यपूर्ण प्रकृति, कल-कल करते झरने-नदी, खूबसूरत वादियों, स्वच्छ वातावरण का चित्र मन में चित्रित होने लगता है तथा इनका लुत्फ उठाने पर्यटक पहाड़ों की तरफ निकल जाते हैं, लेकिन प्रकृति के अन्धाधुंध दोहन से बरसात के दिनों में मानो यह समस्त प्रकृति पहाड़, नदियां, पेड़ सब नीचे घूमने आ जाते हैं। आजकल के दिनों में सोशल मीडिया में एक मीम्स तेजी से वायरल हो रही है कि 'बरसात में पहाड़ों पर घूमने न जाएं क्योंकि आजकल पहाड़ खुद घूमने नीचे आ रहे हैं।' कहीं न कहीं यह कहावत सच्चाई को बयान कर रही है। आज हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जान बचाना दूभर हो गया है। पशु बह गए, घर बह गए, अपने संबंधी बह गए, गाड़ी बह गई, बचा तो केवल चारों तरफ पानी और मलबा। यही हाल हैं कुल्लू, मण्डी सहित हिमाचल के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के। सबसे ज्यादा नुकसान तो सरकार को सडक़ों के बह जाने का उठाना पड़ रहा है जहां सैंकड़ों सडक़ें अभी भी ठप्प पड़ी है तो कईयों का तो जहां सडक़ थी वहां से नामोनिशान ही मिट गया है। आखिर जीवन की गाड़ी को पटरी पर लाएं भी तो कैसे लाएं। पुल ही बह गए हैं जिससे स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। सैंज घाटी में तो बिजली, पानी, राशन, नैटवर्क सभी व्यवस्थाएं ठप्प पड़ी हैं। यहां तक कि राशन हवाई मार्ग से पहुंचाना पड़ा, ऐसी नौबत आ गई थी। हिमाचल प्रदेश में यह बरसात आफत बन कर बरसी है। 24 जून से मानसून आने के बाद से अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं और सडक़ दुर्घटनाओं में 183 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के इमरजेंसी रेस्पोंस सेंटर के अनुसार तैंतीस लोग लापता हैं। प्रशासन के मुताबिक इस सीजन में बेतहाशा बारिश से राज्य को लगभग 5492 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 652 घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं, जबकि छह हजार 686 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 236 दुकानें और लगभग दो हजार 37 पशु घर तबाह हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश में 24 जून से लेकर अब तक का 67 लैंडस्लाइड की घटनाएं और 51 फ्लैश फ्लड की घटनाएं दर्ज की गई हैं। यह नुकसान कहीं अधिक भी हो सकता है क्योंकि निरंतर अभी भी भूस्खलन की घटनाएं निरंतर घट रही हैं जिससे लोगों का जीवन पर संकट छा गया है। मौसम वैज्ञानिक मानते हैं कि इस आपदा के लिए केवल जलवायु परिवर्तन ही जिम्मेवार नहीं है बल्कि कई मानवीय कारण भी इसके पीछे जिम्मेवार हैं। जैसे नदी-नालों पर अतिक्रमण, पहाड़ों को छिलना, अवैध खनन भी कहीं न कहीं इसके लिए जिम्मेवार है। माता हिडिंबा भी गुर के माध्यम से चेता चुकी है कि सुधर जाओ वरना व्यास नदी को अपने कदमों तक ले आऊंगी तो इस प्रकार की घटनाओं से सीख लेने की आवश्यकता है कि कहीं न कहीं मानवीय गलतियां भी इस आफत के लिए जिम्मेदार हैं। इस बरसात में तो न जाने प्रकृति अपने दोहन का पूरा हिसाब बराबर करने पर आतुर हो चुकी है क्योंकि 2023 की बरसात हिमाचल प्रदेश में लोगों के लिए आफत बनकर बरस रही है। हर साल न जाने कितने लोगों के घर बरसात के समय टूटते हैं। पहाड़ी राज्य होने के साथ हिमाचल प्रदेश को कई तरह के नुकसान झेलने को मिलते हैं जोकि यहां के लोगों व प्रदेश की सुंदरता पर जख्मों की तरह नजर आते हैं, ऐसे जख्म जो बहुत पीड़ादायक हैं। बरसात हर बार होती है लेकिन इस बार तो अभी ढंग से शुरू ही नहीं हुई कि 'मानो पानी की जगह आफत बरस रही हो' या कहा जा सकता है कि पिछली बरसातों से कोई सीख नहीं ली गई जिसका खामियाजा इस बरसात में भुगतना पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश में कुछ दिनों बाद बारिश का भले ही दौर थम जाएगा, लेकिन जख्म याद दिलवाते रहेंगे। कहें तो इस बरसात ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं तथा बरसात की जगह आफत नाम धारण कर लिया है। प्रत्येक सुबह समाचारों में एक ही खबर आजकल सुनने व देखने को मिलती है और वो होती है 'यहां बादल फटा और इतना नुकसान।' लोग रात को सोते हैं लेकिन आफत की बरसात सोचने पर मजबूर कर देती है कि सुबह हो न हो कहीं घर के साथ ही न बह जाएं। इसलिए वर्तमान समय में आवश्यकता है कि प्राकृतिक जल क्षेत्रों नदी, नालों से जितना दूर रहा जाए उतना ही जीवन के लिए लाभदायक है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश एक पर्यटन प्रदेश है जहां प्रकृति के सौंदर्य का नजारा लेने के शौक के कारण अन्य प्रदेशों से लोग खुले या खराब मौसम में भी दुर्गम क्षेत्रों में घूमने निकल जाते हैं, लेकिन बरसात के कारण किन्नौर जिला के पागल नाला जैसे कई ऐसे नदी नाले हिमाचल में हैं जो कभी भी बाढ़ का रूप धारण कर तबाही मचा देते हैं। इसलिए पर्यटकों को भी इस मौसम में पहाड़ों की ओर रुख करने से परहेज करना चाहिए अन्यथा स्वयं तो मुसीबत में फंसेंगे ही, साथ में ही प्रशासन को भी रैस्क्यु में लगने का काम बेवजह सौंप जाएंगे। बाहरी प्रदेशों से आने वाले पर्यटक हिमाचल में स्वच्छ जलवायु का आनंद लेने भले ही बरसात में रुख करते हैं, लेकिन मैदानी इलाकों से आए इन पर्यटकों को पहाड़ों में विशेष सावधानी अपनाने की जरूरत होती है जिसे ये दरकिनार कर हादसों का ग्रास बन जाते हैं। पहाड़ों में रहने वाले लोग यहां की भौगोलिक हालत से भलीभांति परिचित होते हैं। मैदानी क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों को यहां विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहती है।

देश दुनीया से

लौटती लहरों की बेवफा बांसुरी

बहुत दिनों के बाद हमने बूढ़ों को अजब उत्साह में देखा। पिछले दो वर्ष का समय तो गुजर गया, महामारी के प्रकोप से भयभीत होकर घरों में बंद रहते। तब पता लगा था इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है। वैसे ये दिन बूढ़ों के लिए कठिन नहीं थे। छह हाथ की दूरी तो नाते रिश्तेदार उनसे रख ही रहे थे। वैसे भी उनका इस उम्र में चेहरे का सुर ताल यूं बिगड़ जाता है कि कोई उसकी लय से बंधना नहीं चाहता। उनकी कान पर जनेऊ चढ़ा शिव-शिव कह कर जिंदगी काटने की उम्र आ गई है। उम्र भर की साथिन बुढिया तक उनकी छाया से परहेज करती है। खुद भी साफ रहती है, अपने बूढ़े को भी शुद्ध पवित्र रहने का हुक्म देती है। अजी ये गहराइयां कहां साफ होती हैं? फिलहाल तो हाथ ही साफ किये जा रहे हैं। फिर अचानक खबर मिली कि महामारी रुखसत ले रही है। घरों में कैद लोग बाहर आ गये। रोजी रोटी की फिराक में एक पर दूसरा चढ़ा जा रहा था। सामाजिक अन्तर कहां रह पाता? फिर वही धंधे शुरू हो गये, जिनके कीचड़ में महामारी से पहले भी हाथ लिथड़े हुए थे। नकाब की क्या पूछते हो, वह तो उतर ही गये। अब उसकी जगह दुनियादारी के नकाबों ने चेहरों को ढक लिया। लोग झंझावात के गुजर जाने के एहसास के साथ बढ़-चढ़ कर हाथ मारने लगे। हाथ धोने की फुर्सत अब किसे थी? गुजरे बन्दी वातावरण में जो माया खोई है, उसे भी लपेटना है। हाथों के साफ रहने की परवाह कौन करता? बेचारा बूढ़ा क्या करे? वह तो पहले ही इस दौड़ से बाहर कर दिया गया था। अब खोये वक्त को पुनः समेट लेने की भेडिया घसान ने उसे और अकेला कर दिया। पहले ही उसकी परवाह कौन करता था। अन्धी दौड़ ने उसे और अकेला कर दिया। वह अपनी बुढ़ापा पैंशन के बढने का इंतजार करने लगा कि जिसका वायदा कभी उससे किया गया था, पूरा नहीं हुआ। लौटती लहरों की बांसुरी से दिन बदल रहे थे। इस देश में दुनिया का सबसे तेज टीकाकरण अभियान चलाया गया था तो पूरे देश में टीकाकरण होने लगा। बूढ़ों की बारी बाद में आई, पहले महामारी के चिकित्सकों और जुझारुओं को टीके लगने थे। वे लोग आगे बढने में हिचकिचाने लगे। उनकी दोबारा जमती हुई जिंदगी की इतनी भारी दौड़ थी कि सभी कह देते, 'लगवा लेंगे यार लगवा लेंगे। टीके कहीं भागे जाते हैं।' तब आ गई तीसरे दर्जे पर बूढ़ों की बारी। भई क्या उत्साह दिखाया इन लोगों ने! शायद वरिष्ठ नागरिक कहलाये जाने से प्रसन्न हो गये वे। उनकी कतारों पर कतारें लगने लगी। टीकाकरण की गति ने कुलांच भरी। लेकिन विधि के खेल न्यारे हैं भय्या। जिस महामारी को विदा देने के लिए गरीब गुरबा के हाथ हिल रहे थे, फिर से जिंदगी पा लेने की उम्मीद में भाग दौड़ शुरू हो गई थी। उस महामारी के विदा लेने के बाद अब डेंगू, मलेरिया और नये-नये वायरस आ धमके। बूढ़े पहले टीके लगवा चुके थे, लेकिन यहां नये संक्रमणों का आसुरी नृत्य शुरू हो गया। अब फिर से चेहरों को नकाब से ढक लो और दुनियादारी के फरेब छोड़ फिर शुचित पवित्रता पर ध्यान दो। घरों के अंदर मच्छर मक्खियों को साफ करने का भी हुक्म हो गया। फिर से बूढ़ों के लिए एकालाप का संकट आ गया। जिंदगी अब तरक्की की राह पर सरपट भागेगी, तरक्की के आंकड़ों का नया सूरज उन्हें बताने का प्रयास करने लगा था। उसे अवसाद के रोगी अंधेरों की चादर फिर घूंघट ओढ़ाने लगी। बेबस आदमी क्या करे? यह विधि के खेल न्यारे हैं, दुर्दिनों के साये गहरे और लम्बे होने लगे भय्या। बूढ़ों को लगा था, दो साल पहले लगवाए गए कोरोना के टीके के बाद उनकी जिंदगी अब बदल जाएगी, लेकिन वह तो नहीं बदली। उनका एकालाप का संताप खत्म नहीं हुआ। अब पैर पसारते हुए मौन में चुनाव रैलियों का शोर उभरने लगा है। भई दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसे जिंदा रखना है।

> घरों में कैद लोग बाहर आ गये। रोजी रोटी की फिराक में एक पर दूसरा चढ़ा जा रहा था। सामाजिक अन्तर कहां रह पाता? फिर वही धंधे शुरू हो गये, जिनके कीचड़ में महामारी से पहले भी हाथ लिथड़े हुए थे। नकाब की क्या पूछते हो, वह तो उतर ही गये। अब उसकी जगह दुनियादारी के नकाबों ने चेहरों को ढक लिया। लोग झंझावात के गुजर जाने के एहसास के साथ बढ़-चढ़ कर हाथ मारने लगे। हाथ धोने की फुर्सत अब किसे थी? गुजरे बन्दी वातावरण में जो माया खोई है, उसे भी लपेटना है। हाथों के साफ रहने की परवाह कौन करता? बेचारा बूढ़ा क्या करे? वह तो पहले ही इस दौड़ से बाहर कर दिया गया था।

दृष्टिकोण

भूस्खलनः क्यों खिसक रहे हैं पहाड़, आखिर चेतावनियों के प्रति उदासीनता कब तक

पिछले महीने महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लगभग 80 किलोमीटर दूर रायगढ़ जिले के इरशालवाड़ी गांव में पहाड़ी खिसकने से 26 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि लगभग 80 लोगों का पता नहीं चल पाया। जुलाई, 2021 में इसी जिले में महाड तहसील के तलिये गांव में भीषण भूस्खलन में 87 लोगों की जान चली गई थी। जबकि पिछले साल रत्नागिरी के पेसरे बोद्धवाड़ी में 12, समारा के आंबेकर में 11 तथा मीरगांव में छह मौतें हुईं। राज्य के रत्नागिरी, कर्जत, दाभौल, लोनावाला आदि में पहाड़ सरकने से बहुत नुकसान हुआ। बीते एक दशक से महाराष्ट्र के बड़े हिस्से में बारिश में भूस्खलन से भारी नुकसान हो रहा है। दूरस्थ अंचलों की तो बात छोड़ें, मुंबई में पिछले साल चेंबूर के भारत नगर में पहाड़ के तराई में स्थित छोटे-छोटे घरों पर एक बड़ी चट्टान खिसक कर गिर पड़ी थी। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 2020 में बताया था कि महाराष्ट्र में 225 गांव ऐसे हैं, जहां कभी भी पहाड़ धसक सकते हैं। इनमें से 23 गांव पुणे जिले में ही हैं। वैज्ञानिकों ने वैसे गांवों के बारे में चेतावनी जारी की, जो एक तो पहाड़ की ढलान पर बसे हैं, दूसरे, पहाड़ किसी पत्थर का न होकर लाल मिटटी का है। 30 जुलाई, 2014 को पुणे जिले के अंबेगांव तहसील के मालिण गांव में यदि बस का

ड्राइवर नहीं पहुंचता, तो पता भी नहीं चलता कि कभी वहां बस्ती भी हुआ करती थी। वह गांव एक पहाड़ के नीचे था और बारिश में ऊपर से मलबा गिरने पर पूरा गांव ही दब गया था। पुलिस की जांच से पता चला था कि पहाड़ खिसकने की वजह उस बेजान खड़ी संरचना के प्रति लापरवाही ही थी। वर्षों से उस पहाड़ की अंधाधुंध खुदाई नजदीक बन रही सड़क के लिए हो रही थी, जिससे पहाड़ नीचे से कट गया था। तेज बरसात हुई, तो वह ढह गया। मालिण गांव की त्रासदी पर वैज्ञानिकों की टीम ने शोध किया, जो कि बाद में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय जर्नल, टेलर ऐंड फ्रांसिस के 2021 के पहले अंक में छपा। उसमें बताया गया कि यह गांव घोड़ नदी की सहायक मौसमी नदी के पास बसा था। गांव वाले पहाड़ी की ढाल पर बरसाती पानी रोककर धान की खेती करते थे। ग्रामीणों ने हरियाली काटकर भी खेत की जमीन बनाई थी। वहां पानी निकलने के रास्ते बंद थे, जिससे लगातार पानी रिसने से पहाड़ की मिट्टी ढीली हो चुकी थी। दुखद यह है कि चेतावनियां, बचाव के उपाय और संवेदनशील गांवों को नई जगह स्थापित करने की योजनाएं तब धरी की धरी रह जाती हैं, जब अचानक किसी रात इरशालवाड़ी जैसे किसी गांव में तबाही होती है। भारत में 15 प्रतिशत भूभाग भूस्खलन के प्रति संवेदनशील हैं और भूस्खलन से सर्वाधिक प्रभावित हिस्से हिमालय, पश्चिमी घाट, नीलगिरि और विंध्य हैं। जो पर्यटन, धर्म और व्यापार के केंद्र हैं, वहां पहाड़ खिसकने पर उसकी चर्चा देर तक और दूर तक होती है। पर महाराष्ट्र के उन गांवों में, जहां कायदे से पहुंच मार्ग भी नहीं है, तबाही होने पर मुआवजे की खानापूर्ति काफी समझी जाती है। महाराष्ट्र के जिन इलाकों में भूस्खलन हो रहा है, उनमें से अधिकांश सह्याद्रि पर्वतमाला के करीब हैं। उन सभी स्थानों पर अचानक एक दिन में तीन से चार सौ मिलीमीटर बरसात हो गई। पहाड़ों पर बस्ती बसाने और खेती के लिए वहां बेशुमार पेड़ काटे गए। जब मिट्टी पर पानी की बड़ी बूंदें गिरती हैं, तब ये मिट्टी को काटती हैं, फिर बहती मिट्टी करीबी जल निधि- नदी-जोहड़-तालाब को उथला करती है। इनसे पहाड़ कमजोर होता है।

किम जोंग उन का आदेश, जंग की तैयारी करे सेना: कहा- रियल वॉर ड्रिल करें सैनिक; टॉप जनरल को पद से हटाया

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने सेना को जंग के लिए तैयारी करने को कहा है। वहीं, अपने टॉप जनरल को भी पद से हटा दिया है। किम जोंग उन ने युद्ध की बढ़ती संभावनाओं के मद्देनजर सेना को मिलिट्री ड्रिल्स को बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। सेना को रियल वॉर ड्रिल करने के आदेश दिए गए हैं। ये निर्देश किम जोंग उन ने 9 अगस्त को मिलिट्री कमीशन की बैठक के बाद दिए हैं। किम जोंग उन ने जनरल पाक सु इल को हटाकर री योंग गिल को नया मिलिट्री चीफ बनाया है। री योंग गिल इससे पहले देश के रक्षा मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

हथियारों के मास प्रोडक्शन के आदेश - किम जोंग उन ने मीटिंग के दौरान सेना से कहा है कि वो अपने सभी हथियारों का मास प्रोडक्शन कराए, ताकि जंग के दौरान उन्हें कमी न हो। दरअसल, किम जोंग उन के आदेशों की एक वजह साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाली मिलिट्री ड्रिल्स भी हैं। ये मिलिट्री ड्रिल 21 से 24 अगस्त तक चलेंगी। इन्हें लेकर नॉर्थ कोरिया चेतावनी भी दे चुका है। बैठक के दौरान किम जोंग उन ने अगले महीने 9 सितंबर को होने वाली मिलिट्री डे परेड की तैयारी को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए हैं।

किम जोंग ने आर्म्स फैक्ट्री में राइफल चलाई - नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन पिछले सप्ताह हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा किया। इनमें वो फैक्ट्री भी थी जहां क्रूज मिसाइल और एरियल वेपेन बनाए जाते हैं। इस दौरान तानाशाह खुद राइफल फायर करते नजर आए। किम ने सुपर लार्ज-कैलिबर मल्टिपल रॉकेट लॉन्चर और ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लॉन्चर के लिए गोले बनाने वाली फैक्ट्रियों का भी निरीक्षण किया। किम ने कहा कि युद्ध की तैयारी के लिए सबसे जरूरी छोटे हथियारों का आधुनिकीकरण है।

अमेरिका ने साउथ कोरिया भेजी 2 परमाणु पनडुब्बी - किम जोंग उन के सेना को हथियारों का जखीरा बढ़ाने के निर्देश देने की एक वजह साउथ कोरिया पहुंची अमेरिका की परमाणु पनडुब्बियां भी हैं। अमेरिका ने अब तक साउथ कोरिया में अपनी 2 न्यूक्लियर सबमरीन तैनात की हैं- एनापोलिस और स्स्केंटकी। अमेरिका ने 1983 के बाद पहली बार साउथ कोरिया में परमाणु पनडुब्बी भेजी हैं। इस पर नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका की इन हरकतों से कोरिया में परमाणु जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाए थे परमाणु हथियार - मार्च में नॉर्थ कोरिया ने कई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल सहित दूसरी मिसाइलों की टेस्टिंग की थी। देश ने पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया के सामने पेश किए थे।

न्यूज ब्रीफ

एक्स्ट्रीम टूरिज्म, हादसों से डर नहीं लगता: रोमांच-अनूठे अनुभव की खोज में सुपर रिच लोग, एटोमिक प्लांट से लेकर ध्रुवों पर जाने की होड़

सांता फे/न्यूयॉर्क। दुनिया के कई सुपर रिच लोग रोमांच और अनूठे अनुभव की खोज में अपनी जान को तक जोखिम में डालकर एक्स्ट्रीम टूरिज्म की ओर रुख कर रहे हैं। समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की यात्रा कराने वाला एक्स्ट्रीम टूरिज्म सेक्टर 2030 तक 6.5प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में का सबसे प्रमुख हिस्सा है अंतरिक्ष पर्यटन। अमेरिका की प्राइवेट स्पेस कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक आज प्राइवेट अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहला मिशन लॉन्च कर रही है। यह कंपनी की दूसरी कमर्शियल फ्लाइट है। इसमें 3 लोग अंतरिक्ष यात्रा पर जाएंगे। इनमें मां-बेटी कीशा शेहाफ और अनास्ताशिया मेयर्स, जिन्होंने लॉटरी में सीटें जीतीं और 80 साल के पूर्व ओलंपियन जॉन गुडविन शामिल हैं। वर्जिन गैलेक्टिक से अंतरिक्ष यात्रा करने की कीमत करीब 3.8 करोड़ रुपए है। टाइटैनिक के मलबे तक की 8 घंटे की यात्रा के लिए ओशन गेट कंपनी 2 करोड़ रु. लेती थी। 250 लोगों ने मलबा देखा है। वहीं, ईवाईओएस 6.5 करोड़ में मारियाना गर्त की यात्रा करवाने की तैयारी कर रही है। पिछले साल एक लाख से ज्यादा लोग अंटार्कटिका गए थे। 5 दिन की यात्रा की कीमत 62 लाख रुपए है। रूस की ओम्याकॉन की घाटी के -71.2 डिग्री सेल्सियस में जाने के लिए 4 लाख रुपए का खर्च आ सकता है। एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने की हर साल 800 लोग कोशिश करते हैं।

भारतीय नागरिक पर बीमा कंपनियों को धोखा देने का आरोप, दोषी पाए जाने पर हो सकती है 10 साल की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक पर यहां की एक जिला अदालत में दो बीमा कंपनियों को दो विदेशी श्रमिकों के चोट दावों से जुड़ी निपटान राशि में लगभग 77,000 एसजीडी (सिंगापुर डॉलर) वितरित करने में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि 48 वर्षीय साहा रंजीत चंद्रा ने कथित तौर पर बीमा कंपनियों को यह विश्वास दिलाकर धोखा दिया कि वे कानूनी पेशा अधिनियम के तहत व्हाइटफील्ड लॉ कॉरपोरेशन के एक अधिकृत व्यक्ति के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस अपराध के लिए अदालत ने उन पर धोखाधड़ी के दो आरोप लगाए। बयान में कहा गया है कि अगर चंद्रा को दोषी ठहराया जाता है, तो प्रत्येक आरोप के संबंध में कारावास की सजा हो सकती है, जिसे 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। चंद्रा कई फर्मों में निदेशक हैं। उन्होंने जुलाई 2020 और फरवरी 2021 के बीच कथित तौर पर व्हाइटफील्ड लॉ कॉरपोरेशन के तत्कालीन निदेशक, वकील चार्ल्स येओ याओ हुई के नाम पर बीमा कंपनियों के साथ चोट के दावों पर बातचीत की थी और निपटान किया था। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, 2022 से चार्ल्स फरार है। चार्ल्स के खिलाफ अगस्त 2022 में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जब वह अपने खिलाफ लंबित आपराधिक आरोपों के साथ फरार हो गया था।

हवाई के जंगलों में भड़की भीषण आग, चक्रवात से और भड़की; लपटों में घिरकर छह की मौत, बाइडन ने भेजी सेना

वॉशिंगटन । अमेरिका के हवाई में स्थित माउई के जंगलों में भीषण आग लगी है। आग कितनी तेज है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोगों को निकाले जाने के दौरान लपटों में फंसकर ही छह लोगों की जान जा चुकी है। इतना ही नहीं आग से से द्वीप के ऐतिहासिक कस्बों का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है। जंगल की आग के चलते लाहैना कस्बे के पर्यटक स्थलों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। अमेरिका के मौसम विभाग के मुताबिक, हवाई में जंगल की इस आग के इतना तेजी से भड़कने के लिए चक्रवात डोरा भी जिम्मेदार है, जिसकी तेज हवाओं ने आग को काफी तेजी से फैलाया है। हवाई में लगी इस भीषण आग से जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन ने केंद्रीय मदद भी भेजी है। बताया गया है कि रेस्क्यू के लिए अमेरिकी सेना के साथ कोस्ट गार्ड और नौसेना को भी तैनात कर दिया गया है। मरीन्स की तरफ से आग पर काबू पाने के लिए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर मुहैया कराए गए हैं। इसके अलावा हवाई के नेशनल गार्ड्स इस वक्त लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चिनूक हेलीकॉप्टर्स का सहारा ले रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा है कि परिवहन विभाग लोगों को द्वीप से बाहर निकालने के लिए समन्वय दिखा रहे हैं ।

पाकिस्तानी संसद 3 दिन पहले भंग हुई

पीएम शाहबाज की सिफारिश को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी; केयरटेकर पीएम नियुक्त किया जाएगा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की संसद यानी नेशनल असेंबली कार्यकाल खत्म होने से 3 दिन पहले ही भंग कर दी गई। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संसद भंग करने की सिफारिश राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पास भेजी थी। देर रात राष्ट्रपति ने इसे अपनी मंजूरी दे दी। पाकिस्तान के प्रेसिडेंट ऑफिस ने ट्वीट कर बताया कि प्रधानमंत्री की सलाह पर आर्टिकल 58-1 के तहत संसद को भंग किया गया है। इसके साथ ही केयरटेकर प्रधानमंत्री को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सरकार के आखिरी दिन कैबिनेट को संबोधित करते हुए पीएम शाहबाज ने कहा- गठबंधन की सरकार ने अपने हितों को परे कर देश को बचाने के लिए बड़ी कुर्बानी दी है।

शाहबाज और विपक्ष के नेता तय करेंगे केयरटेकर पीएम

शाहबाज शरीफ और विपक्ष के नेता राजा रियाज केयरटेकर पीएम का नाम तय करने के लिए चर्चा करेंगे। अगर इन दोनों में 3 दिनों के भीतर सहमति नहीं बनी तो मामला संसदीय कमेटी के पास चला जाएगा। अगर यहां भी सहमति नहीं बनी तो इलेक्शन कमीशन फैसला करेगा।

टेन्योर से 3 दिन पहले ही भंग की गई असेंबली

नेशनल असेंबली का टेन्योर 12 अगस्त तक था। इसे 3 दिन पहले 9 अगस्त को ही भंग कर दिया गया। पाकिस्तान का संविधान कहता है कि अगर टेन्योर खत्म होने के पहले असेंबली डिसॉल्व की जाती है तो उन हालात में इलेक्शन 90 दिन के अंदर कराए जाएं।

दूसरी तरफ, अगर नेशनल असेंबली अगर तय वक्त (इस बार 12 अगस्त 2023) पर भंग की जाती है तो इलेक्शन 60 दिन के भीतर कराने होंगे। जाहिर है, तीन दिन पहले असेंबली भंग करके शाहबाज चुनाव को कम से कम एक महीना टाल सकते हैं।

पाकिस्तान में चुनाव की तारीख तय नहीं

शाहबाज ने कुछ दिन पहले कहा था- जनरल इलेक्शन तय वक्त (अक्टूबर के आखिर या नवंबर की

शुरुआत) पर होंगे। इसके साथ ही राज्यों में भी चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, उनके ही होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- मार्च से पहले इलेक्शन कराना मुमकिन ही नहीं है।

आगे, क्या होने जा रहा है...

शाहबाज सरकार की विदाई के बाद केयरटेकर सरकार आएगी। इसके प्रधानमंत्री का नाम एक या दो दिन में सामने आ जाएगा। पाकिस्तान की इकोनॉमी आईएमएफ से 3 अरब डॉलर मिलने के बाद बमुश्किल दिवालिया होने से बची है। आईएमएफ ने जो कर्ज दिया है, उसकी शर्तें भी बेहद सख्त हैं। ऐसे में माना ये जा रहा है कि फौज और इलेक्शन कमीशन ऐसा प्रधानमंत्री लाना चाहेंगे जो गैर सियासी हो और मुल्क की इकोनॉमी को पटरी पर लाने के लिए आईएमएफ की शर्तें थोप दे।

इससे फायदा ये होगा कि इकोनॉमी न सिर्फ पटरी पर लाई जा सकेगी, बल्कि तमाम सियासी पार्टियों पर किसी तरह की तोहमत भी नहीं लगेगी। दूसरी तरफ, इमरान जेल में हैं और उनके पार्टी के ज्यादातर नेता दूसरे दलों में शामिल हो गए हैं। तो ये मान लिया जाना चाहिए कि अगले चुनाव जब भी होंगे तो नवाज शरीफ और जरदारी के साथ मौलाना ही फिर सरकार बनाने में कामयाब हो जाएंगे।

इस साल चुनाव क्यों बेहद मुश्किल..

काउंसिल ऑफ कॉमन इंट्रेस्ट ने पिछले हफ्ते मीटिंग की थी। इसमें जनगणना 2023 को मंजूरी दी गई थी। अब इलेक्शन कमीशन ऑफ पाकिस्तान को इसी जनगणना के आधार पर नए चुनाव क्षेत्र बनाने हैं। इलेक्शन कमीशन कह चुका है कि उसे परिसीमन के लिए कम से कम 6 महीने चाहिए। इसके बाद ही वो राज्यों या फिर नेशनल असेंबली के इलेक्शन करा सकता है। जनगणना को चारों राज्य भी मंजूर कर चुके हैं। लिहाजा, परिसीमन के लिए 6 महीने दिए जाएंगे और अगले साल फरवरी या मार्च के पहले इलेक्शन कराना मुमकिन नहीं होगा।

अमेरिका का चीन पर बड़ा वार, संवेदनशील तकनीक में यूएस के निवेश पर लगाई रोक, चीनी सेना पर होगा असर

वॉशिंगटन ।

अमेरिका ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए एक कार्यकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत चीन की संवेदनशील तकनीक जैसे कंप्यूटर चिप में अमेरिकी निवेश पर रोक लगा दी गई है। इस बहुप्रतिक्षित फैसले के तहत अमेरिका की वित्त मंत्री को अधिकार दिया गया है कि वह चीन के तीन सेक्टरों में अमेरिकी निवेश पर प्रतिबंध लगा सकती हैं या फिर सीमित कर सकती हैं। ये तीन सेक्टर हैं सेमीकंडक्टर और माइक्रो इलेक्ट्रोनिक्स, क्वांटम सूचना प्रौद्योगिकी और विशेष प्रकार की कृत्रिम बुद्धिमता।

जानिए क्या होगा आदेश का असर

यह आदेश अमेरिकी निवेश और विशेषज्ञता को चीन द्वारा विकसित की जा रही तकनीक के विकास में मदद से रोकता है, ताकि चीन इस संवेदनशील तकनीक का इस्तेमाल अपने सेना के आधुनिकीकरण में ना कर सके। इस आदेश के तहत अमेरिका के प्राइवेट इक्विटी, वेंचर कैपिटल, जॉइंट वेंचर और ग्रीनफील्ड निवेश चीन की संवेदनशील तकनीक से संबंधी कंपनियों निवेश नहीं कर पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कांग्रेस को लिखे एक पत्र में बताया कि चीन जैसे देशों में संवेदनशील तकनीक और उसके उत्पादों के विकास को रोकने के लिए राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर रहे हैं। ये तकनीकें अहम सैन्य, खूफिया सर्विलांस और साइबर क्षमताओं से जुड़ी हैं।

सेमीकंडक्टर अहम

चीन की कई कंपनियां इन दिनों ऐसे सॉफ्टवेयर डिजाइन करने की दिशा में काम कर रही हैं, जिनकी मदद से कंप्यूटर चिप और अन्य टूल्स बनाए जा सकते हैं। अमेरिकी सरकार का यह आदेश इन कंपनियों में अमेरिकी निवेश को प्रतिबंधित करेगा। बता दें कि अभी अमेरिका, जापान और नीदरलैंड्स जैसे देश ही सेमीकंडक्टर या कंप्यूटर चिप का निर्माण करने वाले प्रमुख देश हैं लेकिन सेमीकंडक्टर की रणनीतिक अहमियत को देखते हुए चीन भी घरेलू स्तर पर इस तकनीक को विकसित करने पर काम कर रहा है। अमेरिका के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसद चक शूमर ने कहा कि लंबे समय से चीनी सेना, अमेरिकी पैसे से मजबूत हो रही है। आज अमेरिका ने चीनी सेना के आधुनिकीकरण में अमेरिकी पैसे के निवेश को रोकने के लिए पहला रणनीतिक कदम उठाया है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या: सिर में गोलियां मारीं, हमला तब किया जब फर्नांडो रैली करने के बाद कार में बैठ रहे थे

क्विटो।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की सिर में एक के बाद एक तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। हमला तब किया जब फर्नांडो रैली करने के बाद कार में बैठ रहे थे। फर्नांडो की हत्या की पुष्टि करते हुए इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने कहा है कि आरोपियों का बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सिक्योरिटी ऑफिशियल्स की बैठक बुलाई है। 59 साल के पत्रकार विलाविसेंशियो, 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के आठ उम्मीदवारों में से एक थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में फर्नांडो सुरक्षा कर्मियों से घिरे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, वो जैसे ही कार में बैठते हैं तो गोलियां चलनी शुरू हो जाती हैं। इस अटैक में 2 पुलिस अधिकारियों समेत 9 लोग घायल हुए हैं। फर्नांडो के कैंपेन मैनेजर ने बताया है कि उन्हें काफी पहले से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। हमलावर ने लोगों की तरफ ग्रेनेड भी फेंका था, हालांकि ग्रेनेड फटा नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने एक हमलावर को पकड़ा था। हालांकि, सिक्योरिटी ऑफिशियल्स की तरफ से की गई गोलीबारी में उसकी मौत हो गई। फर्नांडो के कैंपेन मैनेजर जुकियालांडा ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अपील की है कि वो इक्वाडोर में लगातार बढ़ती हिंसा और नशे की तस्करी पर रोक लगाने के लिए

जरूरी कदम उठाएं। जुकियालांडा ने कहा- इक्वाडोर के लोग रो रहे हैं। राजनीति की वजह से किसी की जान नहीं जानी चाहिए। फर्नांडो इक्वडोर के पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोर्रिया के कड़े आलोचक रह चुके हैं। इसके लिए उन्हें 18 महीने जेल में रहना पड़ा था। बाद में वो इक्वाडोर से पड़ोसी देश पेरू चले गए थे। हाल ही में इक्वाडोर में ड्रग्स का कारोबार और संगठित अपराध तेजी से बढ़ा है। इससे निपटने के लिए राष्ट्रपति लासो को देश के 3 प्रांतो में आपातकाल और नाइट कर्फ्यू लगाने पड़े थे। फर्नांडो से पहले जुलाई में इक्वाडोर के बड़े शहर मांता के मेयर की हत्या कर दी गई थी। वहीं फरवरी में पुर्तो लोपेज शहर के मेयर कैंडिडेट को मार दिया गया था। इस बीच विपक्ष के नेता राष्ट्रपति लासो को पद से हटाना चाहते थे। इसके उनके खिलाफ महाभियोग भी लाया गया था।

यूएस प्रेसिडेंट इलेक्शन के लिए भारतवंशी रामास्वामी की मजबूत दावेदारी: ईसाई युवाओं में लोकप्रियता बढ़ रही; ट्रम्प समर्थक बनाना चाहते हैं उपराष्ट्रपति

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार की रेस में शामिल भारतवंशी-अमेरिकी प्रत्याशी विवेक रामास्वामी की ईसाई युवाओं में लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। जो अमेरिका के रूढ़िवादी ईसाइयों को पसंद नहीं आ रही है। रामास्वामी प्रचार में हिन्दू विचारधारा को लेकर बेहद मुखर हैं। वे कहते हैं कि हिंदू धर्म और ईसाई धर्म में कई सारी समानताएं हैं। रामास्वामी द्वारा हिंदू और ईसाई धर्म की तुलना किए जाने से कट्टर ईसाई उनसे बेहद नाराज चल रहे हैं। प्रमुख ईसाई कार्यकर्ता एबी जॉनसन कहते हैं कि रामास्वामी करिश्माई व्यक्ति हैं। वे बात तो सही करते हैं, लेकिन वे सही इंसान नहीं है, क्योंकि वे हिंदू हैं। वे सही उम्मीदवार भी नहीं हैं, क्योंकि हमारे ईश्वर का मजाक नहीं बनाया जा सकता।

ट्रम्प के समर्थक रामास्वामी को उप राष्ट्रपति प्रोजेक्ट कर रहे - अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रिपब्लिकन उम्मीदवारों की रेस में सबसे आगे हैं, उनके समर्थक रामास्वामी को उप राष्ट्रपति पद के लिए दावेदार मान रहे हैं। हाल में रामास्वामी की डिबेट देखने वाली केरेन शा का कहना है कि उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वे

बकवास की बातें नहीं करते हैं। वहीं, जॉन मेडिसन कहते हैं कि रामास्वामी उप राष्ट्रपति के लिए सबसे बेहतरीन उम्मीदवार हैं।

लोकप्रियता घटी तो डिसेंटिस ने मैनेजर बदला - केपलेम स्ट्रेटेजी के मुताबिक रामास्वामी और डिसेंटिस दोनों को 12-12प्रतिशत वोट मिल रहे हैं। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर पॉलिटिक्स के माइक कोलेमन का कहना है कि रामास्वामी डिसेंटिस के वोटर्स को अपनी तरफ खींच रहे हैं। इसीलिए शायद डिसेंटिस ने अपने कैंपेन मैनेजर जेनेरा पेक को हटाकर जेम्स उथमेइर को प्रचार का जिम्मा दिया है।

एक-दूसरे की तारीफ कर रहे ट्रम्प-रामास्वामी - रिपब्लिकन उम्मीदवारों में सबसे आगे चल रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने कई बार अपने बयानों में रामास्वामी की तारीफ की है। वहीं रामास्वामी ने भी कई मौकों पर ट्रम्प की प्रशंसा की है और कई बार उनका बचाव किया है। रामास्वामी ने कहा है कि ट्रम्प ने नए मानदंड बनाए हैं। रामास्वामी ही ऐसे रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं जिन्होंने ट्रम्प का बचाव किया और कहा है कि अगर वे चुने जाते हैं तो वे ट्रम्प को माफ कर देंगे।

ट्रम्प के समर्थकों की दूसरी पसंद रामास्वामी - फ्लोरिडा में एक टर्निंग पॉइंट कॉफ्रेंस में ट्रम्प के समर्थकों ने रामास्वामी को सबसे ज्यादा तवज्जो दी थी। इस कॉन्फ्रेंस में हुए एक पोल में 86प्रतिशत लोगों ट्रम्प को समर्थन दिया था। उनसे जब दूसरी प्राथमिकता के बारे में पूछा गया तो 51प्रतिशत लोगों ने रामास्वामी को समर्थन जताया था।

कई ट्रम्प समर्थकों का कहना है कि रामास्वामी उप राष्ट्रपति पद के लिए सबसे बेहतर उम्मीदवार हैं। अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवारों के विपरीत रामास्वामी मीडिया संस्थानों से खुलकर बात कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने की धमकी देने वाले की हत्या

एफबीआई ने एनकाउंटर में किया ढेर; उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को भी मारना चाहता था

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को जान से मारने की धमकी देने वाले को एफबीआई ने मुठभेड़ में मार गिराया। अमेरिका की डोमेस्टिक इंटेलिजेंस एजेंसी एफबीआई ने ये एनकाउंटर तब किया है जब राष्ट्रपति अगले साल होने वाले चुनाव के प्रचार के लिए अमेरिका के उटाह राज्य जाने वाले थे। सितंबर 2022 में उटाह के ही एक व्यक्ति रॉबर्टसन ने बाइडेन और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को मारने की धमकी दी थी।

एफबीआई के मुताबिक उनके अधिकारियों ने रॉबर्टसन को उटाह के साल्ट लेक सिटी में उसके घर पर सर्च वॉरंट और अरेस्ट वॉरंट देने की कोशिश की। पुलिस जब वहां पहुंची तो वो हथियारों से लैस था और उसने गोली चलाना शुरू कर दिया। इसके बाद एफबीआई ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें रॉबर्टसन मारा गया। मुठभेड़ अमेरिका के समयानुसार सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर हुई।

राष्ट्रपति बाइडेन को दी जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई ने रॉबर्टसन के एंकाउंटर की जानकारी राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी दी है। इस मामले में जब रॉबर्टसन की बेटी से सवाल किए गए तो उसने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। एफबीआई ने बताया है कि रॉबर्टसन के पास कई खतरनाक हथियार थे। इनमें कई तरह की स्नाइपर राइफल भी शामिल हैं।

ट्रम्प के दुश्मनों को खत्म करना चाहता था रॉबर्टसन

रॉबर्टसन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन और कमला हैरिस को धमकी देने के अलावा 2 और मामलों दर्ज थे। रिपोर्ट के मुताबिक

बाइडेन के होने वाले उटाह दौरे से दो दिन पहले सोमवार को उसने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट लिखा था।

इसमें उसने कहा था- मैनें अपनी स्नाइपर राइफल से धूल साफ कर ली है। वहीं सितंब में उसने लिखा था- ये राष्ट्रपति की हत्या के लिए बिल्कुल सही समय है। पहले जो बाइडेन फिर कमला... दरअसल, रॉबर्टसन ट्रम्प का कट्टर समर्थक था। वो बाइडेन और कमला हैरिस से ट्रम्प के चुनाव हारने का बदला लेने के दावे करता था।

अमेरिका में राजनीतिक हत्याओं का डर बढ़ा

हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में 1970 की तरह एक बार फिर से राजनीतिक हत्याओं का दौर लौट सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि उस दौरान लेफ्ट विंग ग्रुप अटैक करते थे अब राइटविंग ग्रुप्स ने उनकी जगह ले ली है। हालांकि, 1970 में वामपंथियों से जुड़े समूह आम लोगों को निशाना नहीं बनाते थे। वो केवल प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाते थे। अमेरिका में ट्रम्प के चुनाव हारने के बाद 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद पर हुए हमले ने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया था।

1963 में हुई थी अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या

अमेरिका के इतिहास में चार राष्ट्रपतियों की हत्या हुई है। राजनीतिक वजहों से जान गंवाने वाले अमेरिका के आखिरी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी थे। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 22 नवंबर 1963 को उनकी हत्या कर दी गई थी। इस हत्या को लेकर समय-समय पर कई खुलासे हुए हैं,

लेकिन आखिर उनकी हत्या के पीछे का कारण क्या था, यह आज तक स्पष्ट नहीं हो सका है। कैनेडी की हत्या का तार क्यूबा से जुड़ा हुआ था। लोगों का मानना है कि ली हार्वी ऑस्वाल्ड ने क्यूबा के तत्कालीन प्रधानमंत्री फिदेल कास्त्रो को खुश करने के लिए उनकी हत्या की थी, जबकि कुछ अन्य लोग मानते हैं कि रूस की खुफिया एजेंसी ने कैनेडी की हत्या करवाई थी।

स्वतंत्रता दिवस पर 43 कैदियों को रिहा करेगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने 15 अगस्त को 43 कैदियों को विशेष छूट देते हुए रिहा करने का निर्णय लिया है। सरकारी प्रवक्ता ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 7 कैदियों, जिन्होंने बिना छूट के अपनी वास्तविक सजा का 50 प्रतिशत पूरा कर लिया है, को रिहा किया जाएगा। इसी प्रकार ऐसे सजायाफ्ता कैदी, जिन्होंने वास्तविक सजा अवधि में से बिना छूट के दो-तिहाई या 66 प्रतिशत तक की सजा पूरी कर ली है, की सजा को भी कम कर दिया गया है। ऐसे 33 कैदियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छूट का लाभ देकर रिहा किया जाएगा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि 3 ऐसे सजायाफ्ता कैदी हैं जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है परंतु वे गरीब होने के कारण जुर्माना देने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें भी विशेष छूट का लाभ देकर 15 अगस्त को रिहा किया जाएगा। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि उक्त कैदियों को किसी भी न्यायालय द्वारा लगाए गए जुर्माने की राशि को अवश्य जमा करवाना होगा, अगर वे 15 अगस्त से पहले यह जुर्माना राशि जमा नहीं करवाते हैं तो उन्हें रिहा नहीं किया जाएगा।

सीएम की बड़ी घोषणा

बिजली उपभोक्ताओं को अब नहीं देना होगा फ्यूल सरचार्ज

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। अब घरेलू व कृषि बिजली उपभोक्ताओं को फ्यूल सरचार्ज नहीं देना होगा। फ्यूल सरचार्ज की 2500 करोड़ रुपए की राशि राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बिडला ऑडिटोरियम में इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के शुभारंभ समारोह में यह घोषणा की। उल्लेखनीय है कि राज्य में घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट एवं किसानों को 2000 यूनिट तक बिजली प्रतिमाह निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। पूर्व में मुख्यमंत्री ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट तक फ्यूल सरचार्ज व अन्य शुल्क समाप्त करने की घोषणा की थी। अब इसका दायरा और बढ़ाते हुए समस्त घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए फ्यूल सरचार्ज समाप्त करने की घोषणा की गई है।

पंजाब ने बाढ़ पीड़ितों का मुआवजा बढ़ाने के लिए केंद्र से मांगी नियमों में छूट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने बाढ़ से हुए नुकसान की पूर्ति करने के लिए पीड़ितों की जाने वाली मदद के नियमों में छूट देने की मांग की है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर कहा कि पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए राज्य के आपदा राहत फंडों में कोई कमी नहीं, सिर्फ नुकसान की पूर्ति करने के नियमों में बदलाव की जरूरत है। पंजाब और पहाड़ी इलाकों में निरंतर मूसलाधार बारिश के कारण राज्य में आई बाढ़ से हुए नुकसान का जमीनी स्तर पर जायजा लेने के लिए पंजाब के दौरे पर आई सात सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम ने विभिन्न जिलों का दौरा करने के बाद आज यहां पंजाब सिविल सचिवालय में मुख्य सचिव के साथ मीटिंग की। इस दौरान विभागवार बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी देने के बाद मुख्य सचिव ने केंद्रीय टीम को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। मुख्य सचिव वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की तरफ से लिखे पत्र में पीड़ितों को दी जाने वाली मुआवजा राशि करीब दोगुनी करने की मांग की गई है। इसी तरह और भी कई तरह के हुए नुकसान के लिए मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग रखी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नियमों के कारण वह उपयुक्त मुआवजा देने से असमर्थ है। इसलिए इन नियमों में बदलाव करने की जरूरत है। बैठक के दौरान केंद्रीय टीम के प्रमुख राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के वित्तीय सलाहकार रवीनीश कुमार ने कहा कि उनकी टीम की तरफ से कई राज्यों का दौरा किया गया और हिमाचल प्रदेश के बाद सबसे अधिक नुकसान पंजाब में हुआ है। मुख्य सचिव ने बाढ़ के कारण हुए नुकसान के विवरण देते हुए बताया कि राज्य में कृषि से संबंधित 605.38 करोड़ रुपए, लोक निर्माण विभाग (सड़क और इमारत) का 173.10 करोड़ रुपए, जल स्रोत का 159.36 करोड़ रुपए, शहरी बुनियादी ढांचा/स्थानीय निकाय का 44.38 करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास एवं पंचायत का 43.66 करोड़ रुपए, स्कूल शिक्षा का 26. 85 करोड़ रुपए, बिजली का 17.50 करोड़ रुपए, मछली पालन का 9.98 करोड़ रुपए, जल सप्लाई और सेनिटेशन का 5.66 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य का 4.45 करोड़ रुपए और विविध 230.26 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 1320.59 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

लोकसभा अध्यक्ष कैंसर विजेताओं से होंगे रूबरू

कैंसर विजेता साझा करेंगे अपने अनुभव

जयपुर (हिंस)। भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र और कैंसर केयर की ओर से शनिवार को 20वां कैंसर विजेता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहे इस समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त शासन सचिव शुभ्रा सिंह होंगी। समारोह में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला कैंसर विजेताओं से रूबरू होंगे। समारोह में राजस्थान सहित यूपी, पंजाब समेत चार राज्यों के कैंसर विजेता (सरवाईवर्स) भाग लेंगे। समारोह में कैंसर विजेताओं का सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कैंसर विजेताओं की ओर से नाटक और नृत्य प्रस्तुतियां होगी। इस मौके पर कैंसर केयर की संरक्षिका सुनीता गहलोत, सहित शहर के कई गणमान्य लोग, चिकित्सालय प्रशासन एवं चिकित्सक भी मौजूद होंगे।

डबल शंकर महादेव मंदिर की कांवड़-कलश यात्रा रविवार को

जयपुर (हिंस)। चांदपोल बाजार में बाबा हरिश चंद्र मार्ग पर स्थित डबल शंकर महादेव मंदिर से रविवार को हजारों श्रद्धालु गंगा और गलता से जल लाकर शिवलिंग का अभिषेक व पूजा अर्चना करेगें। आयोजन समिति के संयोजक शरद खंडेलवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा रविवार सुबह 7 बजे गलता कुंड से शुरू होकर गलता गेट, सूरजपोल गेट, रामगंज बाजार, बड़ी चौपड़ होते हुए चौड़ रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर पहुंचेगी। चौड़ा रास्ता से 11 सौ महिलाएं पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की अगुवाई में कलश लेकर बैंड बाजा और लवाजमे के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होगी।

किसानों ने ट्रैक्टर यात्रा निकाली, फिर लघु सचिवालय पर दिया धरना

सोनीपत (हिंस)। चीनी मिल में मरम्मत का टेंडर न होने का विरोध में गुरुवार को किसानों ने सोनीपत में निकाली ट्रैक्टर यात्रा निकाली। किसान नेता द सोनीपत सहकारी चीनी मिल में टेंडर न होने के विरोध में भाकियू (चढूनी) के आह्वान पर गुरुवार को किसान एकत्रित हुए। वह चीनी मिल से ट्रैक्टर यात्रा निकालते हुए लघु सचिवालय पर पहुंचे। युवा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पहल के नेतृत्व में लधु सचिवालय में अधिकारियों ने गेट पर न पहुंचने पर किसानों ने एक घंटे तक धरना दिया। इसके बाद अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर टेंडर को लेकर मिल में चल रहे घटनाक्रम की जांच कराने की मांग की गई। सोनीपत शुगर मिल ने पिछले सत्र में 30 करोड़ रुपए का मुनाफा को सरकार को दिया है। यह शुगर मिल हरियाणा में तीसरे स्थान पर मुनाफा देने में है। टेंडर लेट की देरी मिल और किसान दोनों नुकसान है। टेंडर लेट होने पर मरम्मत का काम तसल्ली से नहीं हो पाएगा जिसके चलते हर बार की तरह लगातार ब्रेक डाऊन होता रहेगा। मिल में डायरेक्टर के चुनाव में आ रही सभी बाधाओं को दूर करके चुनाव प्रक्रिया शुरू करवाई जाए। जिससे किसानों का बोर्ड में होने के बाद किसी भी तरह के विवाद से बचा जा सके। इसका संज्ञान लेकर समाधान नहीं करते हो तो मजबूरन किसानों को आंदोलन करना पड़ेगा। किसान बोले अधिकारियों की मिल की मरम्मत कराने की मंशा ठीक नहीं है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तो आंदोलन तेज कर दिया जाएगा। ऐसे में उनकी मुख्यमंत्री से मांग है कि चीनी मिल में टेंडर को लेकर चल रही कमीशनखोरी को बंद किया जाए। साथ ही मामले की जांच करते हुए चीनी मिल की मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए।

पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पकड़ी 12 किलो हेरोइन, तीन नशा-तस्कर काबू

अमृतसर (हिंस)। पंजाब पुलिस ने तीन नशा-तस्करों को काबू करके और उनके पास से 12 किलो हेरोइन बरामद करके सरहद पार से चलाए जा रहे नशा-तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान भिन्दर सिंह उर्फ भिन्दा निवासी गांव दाउके, घरिंडा, अमृतसर, दिलबाग सिंह उर्फ मनु गांव रजातल, घरिंडा, अमृतसर और मनीपाल सिंह उर्फ मनी निवासी गांव छीना शबाजपुर राजा सांसी, अमृतसर के रूप में हुई है। हेरोइन की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने सफेद रंग की हुंडई वरना कार भी जब्त की है, जिसमें उक्त व्यक्ति सफर कर रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पुख्ता सूचना मिली थी कि कुछ नशा तस्कर सफेद रंग की हुंडई वरना कार से हेरोइन की डिलीवरी करने जा रहे हैं। इस पर अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने गांव बहड़वाल के नजदीक नाका लगाकर विशेष चेकिंग की। जब पुलिस पार्टी ने कार को रोकने का इशारा किया, तो कार में बैठे व्यक्तियों ने कार भगाने की कोशिश की, परंतु पुलिस टीम ने उनको काबू कर लिया और कुल 12 किलो हेरोइन बरामद की है। 2-2 किलो के तीन पैकेट तस्कर कमर में बांधे हुए थे, जबकि 6 किलो का एक पैकेट गाड़ी में रखा था।

प्रदेश में रिश्वत लेते पकड़े जाए तो रिश्वत देकर छूट जाते : गुरनाम सिंह

जींद (हिंस)। जुलाना के वार्ड तीन में दिवंगत नंबरदार रामपाल लाठर के घर शोक जताने के लिए भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढुनी पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। गुरनाम सिंह चढुनी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नही है। किसान को मुआवजा लेने के लिए भी आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। अगर कोई भ्रष्टाचार करते हुए पकड़ा जाता है तो रिश्वत देकर छुट जाता है क्योंकि जांच कर रहे अधिकारी पर कार्रवाई करने का कानून ही नही है। कितने ऐसे उदाहरण हैं जो रिश्वत देकर छूट जाते हैं। हमारे देश में कितना ही बड़ा कांड कर लो रिश्वत देकर फिर छूट जाते हैं। भारतीय किसान यूनियन की मांग है कि जांच करने वाले अधिकारी पर भी कार्रवाई करने का कानून बने। किसान को लुटने के लिए बीमा कंपनियों का सहारा लिया जा रहा है। जब किसान का बीमा काटना हो तो अकाउंट से पैसा कट जाता है लेकिन जब बीमा देने की बात आती है तो कंपनियां आनाकानी करती हैं। इस मौके पर जयदीप रधाना, पवन लाठर, नरेंद्र लाठर, विजय, शीशपाल आर्य आदि मौजूद रहे।

ऊना में बांटा 903 करोड़ का लोन

ऊना (हिंस)। जिला स्तरीय बैंक सलाहकार एवं समीक्षा बैठक अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्र पाल गुर्जर की अध्यक्षता में बचत भवन ऊना में संपन्न हुई। बैठक में बैंकों को वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने को कहा ताकि लोगों की आर्थिक जरूरतों कों पूरा किया जा सके। उन्होंने बैंकों को किसानों को अधिक से अधिक कृषि कार्ड वितरित, कृषि औजारों हेतु ऋण प्रदान करने तथा लघु उद्योगों को ब ?ावा देने के लिये प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए सभी बैंक और सरकारी/गैर सरकारी अधिकारी भरसक प्रयास करें। उन्होने अधिक से अधिक किसानो को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत शामिल करने को कहा। उन्होंने 15 अगस्त से 15 सितम्बर तक कृषि, पशुपालन और बैंक अधिकारी किसान को जागरूक करने के लिए मिशन मोड पर कार्य करें ताकि अधिक से अधिक किसान कृषि योजनाओं से लाभान्वित हो सके। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वावलंबन योजना,

मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना व एससी/एसटी कॉर्पोरेशन महिला विकास के लंबित मामलों को एक माह के भीतर निपटाने के निर्देश दिए। एडीसी ने बताया कि खरीफ फसल बीमा योजना के तहत जिला के 436 किसानों ने आलू की फसल का बीमा करवाा जिसमें प्रीमियम 34 लाख रुपए जमा हुआ तथा किसानों को 1.60 करोड़ रुपए का क्लेम बैकों के माध्यम से किसानों को दिया गया है। रबी सीजन में मक्की की फसल के लिए 16, 837 किसानों ने 46.41 लाख प्रीमियम जमा करवाया तथा 96.26 लाख रुपए का क्लेम किसानों को दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 351 किसानों ने 1.59 लाख रुपए का प्रीमियम जमा करवाया तथा 7.36 लाख रुपए का क्लेम किसानों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा तथा प्रधानमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति अपना आधार कार्ड बैंक के साथ लिंक करवाना सुनिश्चित करें।

राशन डिपो होल्डरों ने किया विरोध-प्रदर्शन

बीकानेर (हिंस)। जरुरतमंदों को राशन वितरण करने वाले हाथ आज अपने हक के लिए उठ रहे हैं। मलाल इस बात का है कि सरकार उन्हें राशन वितरण करने पर पूरा कमीशन नहीं दे रही है। मानदेय भी नहीं बढ़ाया। ऐसी नौ मांगों पर अडिग जिले के सभी डिपो होल्डर बीते आठ दिनों से हड़ताल पर है। पूरे जिले में राशन वितरण कार्य ठप पड़ा है। आज अपनी बात को लेकर राजस्थान राशन विक्रेता संघ के तत्वावधान में डिपो होल्डरों ने कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। अपना हक मांगने के लिए राशन विक्रेताओं ने नारेबाजी की और जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसके जरिए अपनी मुख्य सभी मांगे रखी। राजस्थान राशन विक्रेता संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम आचार्य के अनुसार आज आज मुख्यालय सहित तहसील स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। बीकानेर शहर में 182 डिपो होल्डर है, जिन्होंने इसमें शामिल होकर अपना रोष जताया। वहीं जिले में 863 डिपो होल्डर है, जो हड़ताल पर चल रहे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि जब तक सरकार नौ सूत्री मांगे नहीं मान लेती, तब तक विरोध के रूप में हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शन से पहले सभी डिपो होल्डर टैंक पार्क में एकत्रित हुए। जहां से जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। इसमें संगठन के जिलाध्यक्ष मनोज गहलोत, गिरीराज जोशी, आनंद ओझा, रामकुमार व्यास, द्वारका प्रसाद हठिला, महेश आचार्य सहित बड़ी संख्या में डिपो होल्डर शामिल हुए।

अरावली में मुठभेड़ के बाद नूंह हिंसा के दो आरोपी काबू

गुरुग्राम (हिंस)। नूंह हिंसा के आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। गुरुवार को पुलिस ने अरावली में छिपे दो उपद्रवियों को काबू किया है। इस दौरान मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में भी गोली लगी। पुलिस क्षेत्र में सर्च अभियान चला रही है। गौरतलब है कि 31 जुलाई को नूंह जिला के नल्हड़ में ऐतिहासिक शिव मंदिर में बृज मंडल यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान यात्रा पर हमला कर दिया गया। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। आरोपियों की तलाश के लिए तकनीकी सहायता से, लोगों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों को सरेंडर करने की भी बात नूंह के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया ने कही है। फिर भी किसी ने सरेंडर नहीं किया है। पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए दिन-रात जुटी है।

हाईकोर्ट के आदेश पर एसडीएम ने गुर्जर शब्द पर लगाई टेप

कैथल (हिंस)। गुरुवार दोपहर बाद एसडीएम संजय कुमार ने कुरुक्षेत्र रोड चौराहे पर लगी सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के नीचे लगे पत्थर पर लिखे गुर्जर शब्द को टेप लगाकर ढक दिया। एसडीएम ने प्रतिमा के नीचे लिखे हुए गुर्जर चौक को भी ढक दिया। इस मामले में हाई कोर्ट का आदेश आने के सप्ताह भर बाद जिला प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 3 अगस्त को कैथल में पैदा हुए सम्राट मिहिर भोज मूर्ति विवाद में चौराहे पर लगी मूर्ति को कवर करने के आदेश दिए थे। गुरुवार को एसडीएम संजय कुमार, डीएसपी हेडक्वार्टर उम्मेद सिंह के साथ कुरुक्षेत्र रोड पर लगी सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के पत्थर पर लिखा गुर्जर शब्द पर टेप लगाने के लिए पहुंचे थे। उनके साथ सीआईए वन इंचार्ज रमेश कुमार, सिविल लाइन थाना प्रभारी राजकुमार वह पुलिस फोर्स मौजूद थी। एसडीएम ने अदालत के आदेश के अनुसार मुख्य पट्टी पर लिखे शब्द गुर्जर पर टेप लगा दी। प्रतिमा के दोनों तरफ लिखे गुर्जर चौक को भी एसडीएम ने ढक दिया। जिस वक्त एसडीएम संजय कुमार सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर लगे पत्थर के एक शब्द को ढक रहे थे उसी समय खुद को गुर्जर वीर महासभा का राष्ट्रीय महामंत्री बताने वाले क्योड़क निवासी अमित आर्य मौका पर पहुंचे और हाईकोर्ट के आदेश दिखाने को कहा। उसने एसडीएम से अभद्र व्यवहार करते हुए कहा कि तुम्हारे पास कोर्ट का आदेश ही नहीं है। आप इसको नहीं ढक सकते। उसी समय गुर्जर भवन कैथल के प्रधान शमशेर सिंह कुछ लोगों के साथ वहां पहुंचे। गुर्जर समाज के ही मुनीष राठी एडवोकेट, पूर्व सचिव बार एसोसिएशन कैथल व बार के पूर्व प्रधान रविंद्र तंवर भी मौका पर पहुंचे और गुर्जर शब्द को ढकने का विरोध किया। उन लोगों ने बहस की तो एसडीएम ने उनको हाईकोर्ट के आदेश की प्रति दिखा दी। एसडीएम संजय कुमार ने गुर्जर समाज के लोगों से कहा कि वह ऐसा कोई कार्य नहीं करेंगे।

अभाविप की न्याय हुंकार सभा में छात्रों ने राजस्थान की दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए मांगा न्याय

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राजस्थान में महिलाओं के साथ लगातार हो रहे जघन्य अपराध, पेपर लीक की घटनाओं तथा भ्रष्टाचार के विरोध में गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में विशाल %न्याय हुंकार सभा% आयोजित की। न्याय हुंकार सभा में करौली में दुष्कर्म के बाद मार दी गई बेटी के परिवारजन शामिल हुए और दुखद घटना के बारे में युवाओं को बताया। इस दौरान उन्होंने सरकार की अपराधों को रोकने में विफलता को रेखांकित किया। हुंकार सभा में राजस्थान के विभिन्न जिलों से हजारों छात्र-छात्राएं शामिल हुईं। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि राजस्थान का युवा अन्याय के विरुद्ध बिगुल बजा चुका है। राजस्थान में अपराध का आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से बढ़ रहा है, राजस्थान में युवा शक्ति अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध एकजुट है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी आवाज तब तक उठाती रहेगी जब तक प्रदेश में अपराध खत्म नहीं हो जाता। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा पेपर लीक से राजस्थान के युवाओं के भविष्य पर संकट और वर्तमान में संकट है। अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा ने कहा कि राजस्थान में जिस प्रकार से जनजातीय बहनों के साथ अत्याचार व अपराध की घटनाएं हो रही हैं, वह अत्यंत दुखद व शर्मनाक हैं। राजस्थान में महिलाओं के साथ आज वही दुखद स्थिति है जो मुगलों के क्रूर शासन के दौरान हुआ करती थी। गहलोत सरकार की अपराधियों पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं हो रही, क्योंकि कुछ अपराधों में प्रदेश सरकार में शामिल लोगों के परिवारीजन शामिल हैं। परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कहा कि आज राजस्थान प्रदेश का युवा त्रस्त है-पीड़ा में है। विद्यार्थी परिषद की न्याय यात्रा उस पीड़ा को दिखाने का साधन रही है। आज प्रदेश सरकार के शासन में युवा अपने आप को कमजोर व शक्तिहीन पा रहा है। करौली सहित विभिन्न स्थानों पर प्रदेश में महिलाओं के साथ हुए जघन्य अपराध पीड़ा देने वाले हैं। नेतृत्व जहां उदाहरण देने वाला होना चाहिए वहीं राजस्थान का नेतृत्व पीड़ा देने वाला है। राजस्थान आज विभिन्न क्षेत्रों में पीछे चल रहा है। राजस्थान सरकार अपनी ताकत को अपराधियों को बचाने में लगा रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत ने कहा कि राजस्थान में अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों को राजस्थान सरकार पुलिसिया दमन से डराने का प्रयास कर रही है लेकिन छात्र डरेगा नहीं। राजस्थान में अपराध की घटनाएं डरावनी हैं, आज राजस्थान की विफल सरकार से प्रदेश को मुक्ति दिलाने का संकल्प प्रदेश के हर युवा ने ले लिया है। प्रदेश के युवाओं का जीवन बर्बाद करने वाली राजस्थान सरकार को प्रदेश की जनता लोकतांत्रिक जवाब देगी। अभाविप की *न्याय पदयात्रा* राजस्थान में सरकार के अन्याय के विरुद्ध बिगुल है। उल्लेखनीय है कि अभाविप ने तीन अगस्त से करौली से न्याय पदयात्रा शुरू की थी। यह पदयात्रा करौली से जयपुर तक लगभग 180 किमी की दूरी तय कर गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय पहुंची। युवाओं ने एकसुर में राजस्थान में भय से भरे हुए तथा भ्रष्टाचारी वातावरण की निंदा की। राजस्थान विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थियों की उपस्थिति में संपन्न हुई *न्याय हुंकार सभा* में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम शेखावत, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गौतमी अहिरावल, अभाविप जयपुर प्रांत मंत्री शौर्य जैमन, अभाविप जोधपुर प्रांत मंत्री श्याम शेखावत, अभाविप चित्तौड़ प्रांत मंत्री हर्षित निनोमा, अभाविप राजस्थान विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष भारत यादव ने संबोधित किया।

जी –सोनी मर्जर को एनसीएलटी से मिली मंजूरी : इस डील से जुड़ी सभी आपत्तियां भी खारिज, जी का शेयर करीब 15प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली।
जी एंटरटेनमेंट एंटप्राइजेज लिमिटेड और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के मर्जर को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल से मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा इस डील से जुड़ी सभी आपत्तियां भी एनसीएलटी ने खारिज कर दी हैं। एनसीएलटी ने सुनवाई पूरी होने के बाद 10 जुलाई को अपना आदेश रिजर्व रखा था। जी और सोनी ने दिसंबर 2021 में मर्जर पर सहमति जताई थी। एनएसई–बीएसई और दूसरे रेगुलेटर्स– सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया और कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया से अनुमति मिलने के बाद कंपनी ने ट्रिब्यूनल से मर्जर की आखिरी मंजूरी के लिए संपर्क किया था।

जी का शेयर करीब 15प्रतिशत चढ़ा – इस डील को मंजूरी मिलने की खबर आने के बाद जी का शेयर करीब 15प्रतिशत यानी +36.30 रुपए चढ़कर 278.55 रुपए तक पहुंच गया। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 38प्रतिशत चढ़ा है। वहीं बीते 6 महीने में शेयर ने 24प्रतिशत और पिछले 1 साल में 12प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं 2023 में अब तक स्टॉक में करीब 15प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं इंडसइंड बैंक के शेयर में भी तेजी देखने को मिल रही है। इसका शेयर 1,428 रुपए के ऊपर कारोबार कर रहा है। यह एक हफ्ते में 3.23प्रतिशत बढ़ा है। बीते 1 साल में ये 34प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है।

क्या है मामला – इंडसइंड बैंक जी का फाइनेंशियल क्रेडिटर है। इंडसइंड बैंक ने जी पर 83 करोड़ रुपए भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं इंडसइंड बैंक ने सोनी–जी मर्जर को लेकर एनसीएलटी में आपत्ति दर्ज कराई थी। इससे सोनी–जी मर्जर में परेशानियां आ रहीं थीं।

क्रेडिटर्स ने क्यों ऐतराज जताया था – एस्सेल ग्रुप के कई क्रेडिटर्स ने स्कीम में शामिल नॉन–कंपीट क्लॉज के लिए होने वाले पेमेंट को लेकर आपत्तियां जताई थीं।, एस्सेल ग्रुप की यूनिट एस्सेल मॉरिशस को सोनी ग्रुप की एसपीई मॉरीशस से नॉन–कंपीट फीस के तौर पर 1,100 करोड़ रुपए मिलने हैं। एस्सेल ग्रुप के कई क्रेडिटर्स जैसे एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड, जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन, आईडीबीआई बैंक, आईडीबीआई ट्रस्टीशिप और ई–मैक्स कॉर्प ने इस क्लॉज को क्रेडिटर्स के साथ धोखाधड़ी बताया था। पुनीत गोयनका को किसी भी लिस्टेड कंपनी में डायरेक्टर की पोजीशन होल्ड करने पर रोक लगा दी थी।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2023 संसद में पासः नियम तोड़ने पर 250 करोड़ तक जुर्माना, आईटी मिनिस्टर बोले- बिल लोगों की प्राइवेसी का समर्थक

नई दिल्ली। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल संसद से पास हो गया है। लोकसभा से पास होने के बाद राज्यसभा में वॉइस वोट से बिल पास हो गया। राष्ट्रपति के साइन के बाद ये बिल अब कानून बन जाएगा। यह कानून लागू होने के बाद लोगों को अपने डेटा कलेक्शन, स्टोरेज और प्रोसेसिंग के बारे में डिटेल मांगने का अधिकार मिल जाएगा। कंपनियों को यह बताना होगा कि वे कौन सा डेटा ले रही हैं और डेटा का क्या इस्तेमाल कर रही हैं। विधेयक में इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों पर न्यूनतम 50 करोड़ रुपए से लेकर अधिकतम 250 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। पुराने बिल में यह 500 करोड़ रुपए तक था। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बिल को लोकसभा में पेश किया था। राज्य सभा में बिल पास होने के बाद आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने कहा, इस बिल का मकसद पर्सनल डिजिटल डेटा की प्रोसेसिंग को रेगुलेशन करना है, ताकि लोगों की प्राइवेसी का बचाव किया जा सके।

टीवीएस सप्लाई चेन का आईपीओ ओपन हुआः 14 तारीख तक कर सकेंगे अप्लाय, 23 अगस्त को एनएसई-बीएसई पर लिस्ट होंगे शेयर

मुंबई। इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन सॉल्यूशन देने वाली कंपनी टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस का आईपीओ

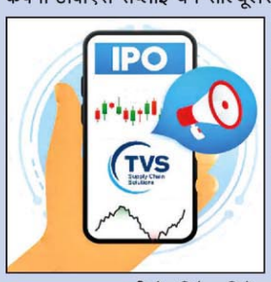

पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 14 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 23 अगस्त को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस ने अभी तक आईपीओ का प्राइज बैंड जारी नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले 1-2 दिन में कंपनी प्राइज बैंड जारी करेगी। कंपनी ने इश्यू के 75प्रतिशत हिस्से को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 10प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस 25 देशों में बिजनेस करती है।

90 करोड़ के फर्जी खर्च पर जांच, वेंडर सॉल्ट एक्सपीरियंसेज के खर्च पर टैक्स क्रेडिट लेने का आरोप

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कंपनी के वेंडर सॉल्ट एक्सपीरियंसेज ने 90 करोड़ रुपये का फर्जी खर्च दिखाया, जिस पर हीरो मोटोकॉर्प ने टैक्स क्रेडिट लिया है। हीरो मोटोकॉर्प पर करीब 16 करोड़ रुपये की कर चोरी का संदेह है। दो सूत्रों ने बताया, सॉल्ट एक्सपीरियंसेज ने कथित कर चोरी के मामले में डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) को 12 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। डीजीजीआईआई अब मामले की जांच कर रही है। दूसरी जांच एजेंसियों की भी इस पर नजर है। जून में दो सरकारी अधिकारियों ने बताया था कि कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय भी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प और सॉल्ट एक्सीपीरियंसेज के संबंधों की जांच कर रहा है। यह मामला फंड्स के हेराफेरी से संबंधित है। इस बात की भी जांच हो रही है कि कहीं सॉल्ट एक्सीपीरियंसेज पर हीरो मोटोकॉर्प का नियंत्रण तो नहीं है। हीरो मोटोकॉर्प पर पहले से ही एक जांच चल रही है। पिछले सप्ताह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हीरो मोटोकॉर्प और इसके कार्यकारी चेयरमैन पवन कांत मुंजाल के 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी

लगातार तीसरी बार रेपो रेट 6.50प्रतिशत, महंगाई अनुमान बढ़ाकर 5.4प्रतिशत किया

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में इजाफा न करने का फैसला किया। यानी ब्याज दर 6.50प्रतिशत बनी रहेगी। लगातार तीसरी बार आरबीआई ने दरों में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। आरबीआई ने महंगाई का अनुमान 5.1प्रतिशत से बढ़ाकर 5.4प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सब्जियों की बढ़ती कीमतों के कारण जुलाई और अगस्त महीने में महंगाई बढ़ने की आशंका है। वहीं रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

पिछले वित्त वर्ष में रेपो रेट 6 बार में 2.50प्रतिशत बढ़ी – मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। पिछले वित्त वर्ष–2022–23 की पहली मीटिंग अप्रैल–2022 में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4प्रतिशत पर स्थिर रखा था, लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40प्रतिशत बढ़ाकर 4.40प्रतिशत कर दिया था।

22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50प्रतिशत इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40प्रतिशत से बढ़कर 4.90प्रतिशत हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50प्रतिशत बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40प्रतिशत पर पहुंच गई।

सितंबर में ब्याज दरें 5.90प्रतिशत हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके बाद वित्त वर्ष 2022–23 की आखिरी मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग फरवरी में हुई, जिसमें ब्याज दरें 6.25प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50प्रतिशत कर दी गई थीं।

रेपो रेट में बदलाव न होने से लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी – आरबीआई के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। रेपो रेट ज्यादा होगा तो बैंकों को आरबीआई से मिलेने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में

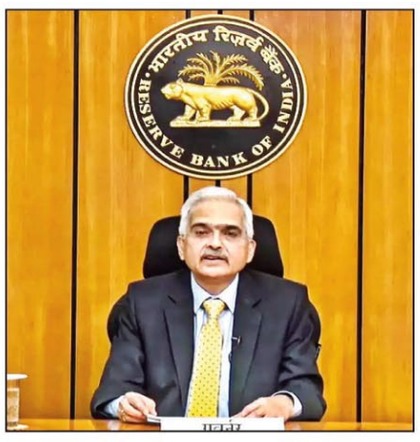

बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में आरबीआई रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को आरबीआई से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में जब इकोनॉमिक एक्टिविटी ठप हो गई थीं तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था।

पहली तिमाही में जीडीपी अनुमान 6.6प्रतिशत – आरबीआई ने पहली तिमाही में रियल जीडीपी अनुमान 6.6प्रतिशत दिया है। वहीं फाइनेंशियल ईयर–24 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5प्रतिशत पर है। पिछली पॉलिसी में भी यही अनुमान था। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि दूसरे देशों के मुकाबले भारत ग्लोबल चुनौतियों से निपटने में ज्यादा सक्षम है। इंडियन इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है।

महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता बरकरार – आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023–24 में महंगाई 4प्रतिशत के ऊपर ही रहने की संभावना है। आरबीआई ने महंगाई अनुमान को में 5.1प्रतिशत से बढ़ाकर 5.4प्रतिशत कर दिया है।

जानिए महंगाई के आंकड़े क्या कहते हैं

जून में रिटेल महंगाई 4.81प्रतिशत – जून में रिटेल महंगाई दर बढ़कर 4.81प्रतिशत पर आ गई थी। मई में महंगाई दर 4.25प्रतिशत रही थी। जून में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ी थी। असमान मानसूनी बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे दाम बढ़े हैं। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स जून में बढ़कर 4.49प्रतिशत पर पहुंच गया। मई में ये 2.96प्रतिशत था। वहीं अप्रैल में यह 3.84प्रतिशत रहा था।

थोक महंगाई दर –4.12प्रतिशत रही थी – जून महीने में थोक महंगाई दर यानी होलसेल प्राइस इंडेक्स घटकर –4.12प्रतिशत पर आ गई थी। लगातार तीसरे महीने डब्लूपीआई में गिरावट दर्ज की गई है। थोक महंगाई का यह 8 साल का सबसे निचला स्तर था। इससे पहले अक्टूबर 2015 में ये –3.81प्रतिशत रही थी। मई महीने में यह –3.48प्रतिशत पर थी। वहीं पिछले साल जून 2022 में थोक महंगाई दर 15.18प्रतिशत पर रही थी।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है – महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए, महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

यूपीआई लाइट की ट्रांजैक्शन लिमिट 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए – आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि सेंट्रल बैंक ने यूपीआई लाइट की ट्रांजैक्शन लिमिट 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दी है। इसके अलावा यूजर्स का डिजिटल पेमेंट एक्सपीरियंस बढ़ाने के लिए आरबीआई ने 2 और प्रपोजल दिए हैं।

सीतारमण बोलीं- पहले कहते थे बनेगा, मिलेगा, आएगा

हमारी सरकार कहती है बन गया, मिल गया... यूपीए का फैलाया रायता हम समेट रहे

नई दिल्ली।
अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने बैंकिंग सेक्टर को बेहतर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बैंक अब राजनीतिक हस्तक्षेप के बिना काम कर रहे हैं। बैंकों में फैलाया यूपीए का रायता हम साफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में मॉर्गन स्टेनली ने भारत को दुनिया की पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं की सूची में शामिल किया था। आज उसी मॉर्गन स्टेनली ने भारत को अपग्रेड किया और हाई रेटिंग दी है। 9 सालों में हमारी सरकार की नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था ऊपर उठी और आर्थिक विकास हुआ। आज, हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं।

देश के सभी पब्लिक सेक्टर बैंक अच्छा परफॉर्मेंस कर रहे – वित्त मंत्री ने कहा– यूपीए के समय बैंकों की हालत बेहद खराब थी, फंसे हुए कर्ज को लेकर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे थे। बीते 9 साल में बैंकों की सेहत में सुधार हुआ है और बदले हुए हालात सबके सामने हैं। आज देश के सभी पब्लिक सेक्टर के बैंक मुनाफे में हैं। पब्लिक सेक्टर बैंक रिकॉर्ड 1 लाख करोड़ से ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई सबसे प्रॉफिटेबेल बैंक बना है। इसका नेट प्रॉफिट अप्रैल–जून तिमाही में 18,537 करोड़ रुपए रहा है। बैंक आज पिलर ऑफ जनकल्याण बन गए हैं। आज बैंक प्रोफेशनली मैनेज हो रहे हैं।

डीबीटी ने दुनिया के लिए उदाहरण स्थापित किया – हमारी डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर, यानी डीबीटी स्टोरी ने बाकी दुनिया के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है। यूपीए ने 2013–14 में केवल 7,367 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। उस अमाउंट से 2014–15 तक ही डीबीटी ट्रांसफर 5 गुना बढ़ गया है। पिछले वित्त वर्ष में हमने डीबीटी के माध्यम से 7.16 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।

बनेगा, मिलेगा जैसे शब्द अब प्रचलन में नहीं – वित्त मंत्री ने कहा– बनेगा, मिलेगा जैसे शब्द अब प्रचलन में नहीं हैं। आजकल लोग बन गए, मिल गए का उपयोग करते हैं।

यूपीआई के जरिए ऑफलाइन भुगतान की सीमा 200 से बढ़कर 500 करने का प्रस्ताव, देनदेन में एआई का भी होगा प्रयोग

नई दिल्ली।
आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने तीन दिनों तक चली एमपीसी की बैठक के बाद यूपीआई पर भी बड़ा एलान किया। केंद्रीय बैंक ने यूपीआई भुगतान को और आधुनिक बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक अब एनएफसी का इस्तेमाल करते हुए यूपीआई से ऑफलाइन भुगतान की भी अनुमति दे रहा है। इस तरीके से यूपीआई लाइट के जरिए 500 रुपये तक का पमेंट किया जा सकेगा। बता दें कि यूपीआई पर छोटे मूल्य के लेनदेन को गति देने के लिए दिसंबर 2022 में यूपीआई लाइट की लॉन्चिंग की गई थी। नियर फील्ड कम्युनिकेशन ब्लूटूथ जैसी तकनीक है इसका इसका इस्तेमाल छोटी मात्रा मात्रा में डाटा ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। वायरलेस कार्ड में भी इसी का इस्तेमाल होता है।

यूपीआई लाइट से भुगतान की सीमा 200 से बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव – आरबीआई गवर्नर ने कहा कि छोटे मूल्य के डिजिटल लेनदेन नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड और यूपीआई लाइट से 200 रुपये के भुगतान की सीमा को बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है। हालांकि कुल भुगतान की सीमा अब भी 2000 रुपये ही होगी। इस कदम का मकसद भुगतान के इस तरीके की स्वीकार्यता में वृद्धि करना है। आरबीआई के अनुसार इस प्रस्ताव से खुदरा क्षेत्र डिजिटल रूप से और अधिक सक्षम होगा, इसके साथ ही ऐसे क्षेत्र जहां इंटरनेट और दूरसंचार संपर्क कमजोर है या उपलब्ध नहीं है वहां भी कम राशि का लेन–देन किया जा सकेगा।

यूपीआई पर ग्राहक एआई के जरिए कन्वर्सेशनल भुगतान कर सकेंगे – गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि अब यूपीआई पर ग्राहक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए कन्वर्सेशनल भुगतान कर सकेंगे। इसका मतलब है कि एआई को निर्देश देते हुए भी अब भुगतान संभव हो सकेगा। केंद्रीय बैंक आरबीआई जल्द ही यूपीआई पर कन्वर्सेशनल पेमेंट्स की सुविधा शुरू करने जा रहा है। आरबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ऐसे लेनदेन पूरी तरह से सुरक्षित होंगे। इसके साथ ही यह सुविधा स्मार्टफोन और फीचर फोन दोनों पर उपलब्ध होंगे। यह हिंदी के साथ–साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलबध होगा।

खादी अब डेनिम में भी मिलेगी, क्विक के सीईओ विनीत कुमार बोले- ओणम से लॉन्च होगी नई फेस्टिव रेंज

नई दिल्ली।
खादी अब डेनिम डिजाइनर लुक में भी मिलेगी। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के डिजाइनर के साथ मिलकर खादी को पहली बार डेनिम में तैयार किया है। कानपुर के स्वराज आश्रम ने निफ्ट डिजाइनर के साथ मिलकर विशेष खादी में डेनिम के जीन्स और शर्ट तैयार किए हैं। इसके अलावा, खादी केरल के प्रमुख त्योहार ओणम से खादी त्योहारों के लिए 'नई फेस्टिव रेंज' भी ला रहा है। ओणम के बाद राखी, नवरात्र, दशहरा, दीपावली, होली आदि पर विभिन्न राज्यों की संस्कृति व पहनावे को दर्शाने वाले पारंपरिक भारतीय परिधान आधुनिक रंग–रूप में मिलेंगे। खादी व ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनीत कुमार ने बताया कि भारतीय पारंपरिक परिधानों को निफ्ट के डिजाइनर आधुनिक रंग रूप दे रहे। इसी के तहत केरल के प्रमुख त्योहार ओणम (20 अगस्त) से खादी की विशेष नई

फेस्टिव रेंज आ रही है। इसके बाद विभिन्न त्योहारों को दर्शाती खादी की नई रेंज आती रहेंगी। इसमें उस त्योहार, उस राज्य की परंपरा, पहनावे, विशेषता को दर्शाया जाएगा। फेस्टिव रेंज में सूट, साड़ी, कुर्ता–पाजामा, सूती, रेशमी, पश्मीना को भी शामिल किया गया है। इसके लिए देश के अलग–अलग निफ्ट के डिजाइनर मदद कर रहे हैं। हमारा मकसद खादी को भारत से जोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर लेकर जाना है। विदेशों में भारतीय परिधानों की खास मांग रहती है। उसी मांग को वैश्विक स्तर पर भारतीय परंपरा को जोड़ते हुए पहुंचाया जाएगा। खादी भारत ही नहीं, दुनिया के लिए एक ब्रांड बनाना है।

खादी डेनिम में अलग–अलग रेंज लाएगा – राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर पहली बार उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित स्वराज आश्रम ने खादी से तैयार डेनिम के जीन्स और शर्ट शोकेस किये हैं। यह देखने में बाजार में बिकने वाले डेनिम के जैसे ही है। निफ्ट डिजाइनर की सहायता से कानपुर के बुनकर धीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने इन खादी के डेनिम में जीन्स और शर्ट को तैयार किया है। इसके अलावा धीरेंद्र ने डिजाइनर की सहायता से उपकार फिल्म फेब्रिक से महिलाओं के लिए डिजाइनर कुर्ता भी तैयार किया है। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की सचिव रचना शाह ने बताया कि पहली बार राष्ट्रीय हथकरघा प्रदर्शनी में प्राकृतिक डाई के परिधानों को भी शोकेस किया गया है।

यूट्यूब के भारत में 15 साल पूरे हुए

कंटेंट क्रिएटर्स की जरूरतें पूरी करने के लिए एआई पर कंपनी का फोकस

नई दिल्ली।
ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब इंडिया देशभर में कंटेंट क्रिएटर्स को नया करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपना फोकस कर रहा है। इसके साथ ही कंपनी आने वाले समय में गलत इन्फॉरमेशन के खिलाफ कार्रवाई भी करेगी। यूट्यूब के भारत में 15 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर यूट्यूब इंडिया ने अपने फ्यूचर प्लान शेयर किए। इस दौरान कंपनी के डायरेक्टर इशान चटर्जी ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में बताया, मई 2023 में कंपनी के एक सर्वे में पता चला कि 69प्रतिशत लोगों को वर्चुअल या एनिमेटेड इफेक्टेड कंटेंट देखना अच्छा लगता है। यह एआई जनरेटेड कंटेंट के प्रति लोगों की बढ़ती एक्सेप्टेंस को इंडीकेट करता है। प्लेटफॉर्म ने शेयर किया कि भारत में अपनी 15 साल की यात्रा के दौरान यूट्यूब ने लगातार अपनी क्रिएटिविटी को डेवलप किया है। इसके साथ ही क्रिएटर्स के लिए मॉनेटाइजेशन के ऑप्शन को बढ़ाया है। देश में यूट्यूब की यात्रा कई मायनों में भारत की अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा है।

यूजर्स को गुमराह करने वाले कंटेंट पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी – चटर्जी ने कहा कि, यूट्यूब के पास बेहतर दिशा निर्देश हैं, जो यह तय करते हैं कि प्लेटफॉर्म पर किस प्रकार के कंटेंट की परमिशन है। हमारी पॉलिसी हिंसा फैलाने वाले कंटेंट पर रोक लगाने के लिए भी है। हम इस तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी टेक्नीक को लगातार डेवलप कर रहे हैं एआई के आने के साथ मौजूता कंटेंट के साथ छेड़छाड़ न सिर्फ यूट्यूब, बल्कि पूरे समाज के लिए चुनौती है। यूजर्स को गुमराह करने और वास्तविक कंटेंट को नुकसान पहुंचाने के इरादे से तकनीकी रूप से हेरफेर कर लाए गए कंटेंट के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

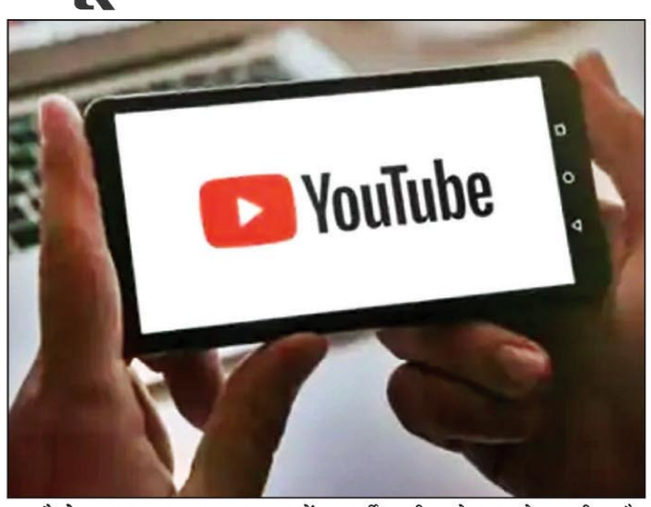

कैसे शुरू हुआ यूट्यूब – 2004 में ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम– (अमेरिकन मल्टीनेशनल फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी) में काम कर चुके तीन दोस्तों चैड हर्ली, स्टीव चेन, जावेद करीम सैन फ्रांसिस्को में हुई एक डिनर पार्टी में मिले। तीनों ने एक ऑनलाइन डेटिंग सर्विस शुरू करने का प्लान बनाया। 2005 में वैलेंटाइन्स डे पर 14 फरवरी को डोमेन लॉन्च किया गया। इसका पहला ऑफिस एक गैरेज में बनाया गया।

डेटिंग सर्विस फेल हुई तो बन गया वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म – समय गुजरा लेकिन इसमें कोई वीडियो अपलोड नहीं हुआ। आइडिया फेल होने के बाद तीन फाउंडर में से एक जावेद करीम ने 23 अप्रैल 2005 को इसमें पहला वीडियो अपलोड किया। इस वीडियो का टाइटल 'मी एट द जू' था। 19 सेकेंड के इस वीडियो में जावेद करीम खुद सैन डिएगो जू में हाथियों पर बात करते दिखे थे।

सितंबर 2005 तक यूट्यूब के पहले वीडियो को 10 लाख से ज्यादा व्यूज मिले थे। आज उस वीडियो पर 26 करोड़ व्यूज और 1.3 करोड़ लाइक्स हैं। जावेद ने ट्रायल के लिए चैनल बनाया था, जिसमें मी एट द जू 18 सालों में अपलोड हुआ इकलौता वीडियो है। बस यहीं से यूट्यूब डेटिंग साइट से वीडियो प्लेटफॉर्म बना।

एक साल में फास्टेस्ट ग्रोइंग साइट बनी – शुरुआती ग्रोथ देखते हुए रोएलोफ बोथा ने भी इसमें पैसे लगाए और यूट्यूब को लगातार इन्वेस्टर्स मिलने लगे। लॉन्च होने के महज एक महीने बाद मई 2005 तक हर दिन 30 हजार से ज्यादा यूजर्स आने लगे, 6 महीने में ही ये संख्या 20 लाख यूजर तक पहुंच गई। 2006 में यूट्यूब फास्टेस्ट ग्रोइंग साइट थी।

यूट्यूब के सारे वीडियो देखने में लगेंगे 57000 साल – यूट्यूब में 7 बिलियन यानी 700 करोड़ वीडियो अपलोड हो चुके हैं। यूट्यूब वीडियो की एवरेज लेंथ 4 मिनट 20 सेकेंड हैं। अगर लगातार यूट्यूब की वीडियोज देखी जाएं तो सारी वीडियोज देखने में 57000 साल लगेंगे।

यूट्यूब चीन, ईरान, नोर्थ कोरिया समेत 23 देशों में बैन है। यूट्यूब एड से छुटकारा पाने के लिए 2022 तक 20 मिलियन लोगों ने इसका एड फ्री पेड सब्सक्रिप्शन लिया है।

रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को होगी रीलिज

-सुपर स्टार दो साल बादकरने जा रहे हैं परदे पर वापसी

मुंबई (ईएमएस)। सुपर स्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 10 अगस्त को रीलिज होने जा रही है। जेलर के जरिये रजनीकांत दो साल बाद परदे पर वापसी करने जा रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा लिखित व निर्देशित की इस फिल्म को लोगों को बेसब्री से इंतजार था। इससे पूर्व उनकी अन्तिम प्रदर्शित फिल्म अन्नाथे थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी।

रजनीकांत ने करियर में इतनी हिट फिल्में दीं कि वह स्टार से सुपरस्टार और सुपरस्टार से थलाइवा बन गए। दूसरी ओर मोहनलाल भी एक दिग्गज कलाकार और मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार हैं। अब हाल ही में, खबर आ रही है कि अधिकारी प्रबंधन ने रजनीकांत की फिल्म की रिलीज के कारण 10 अगस्त को छुट्टी की घोषणा की है। रजनीकांत स्टारर जेलर 10 अगस्त को सिनेमाघरों में भव्य रिलीज के लिए तैयार है। रजनीकांत लगभग 2 वर्षों के बाद बड़े पर्दे पर वापस आ गए हैं। प्रशंसक सुपरस्टार अभिनेता के नए अवतार को देखने के लिए उत्साहित हैं। अब एक बार फिर रजनीकांत के फैंस ने साबित कर दिया है कि अभी भी अभिनेता के राज्य में उनकी फैन फॉलोइंग कितनी तगड़ी है। हाल ही में, बंगलुरु ने जेलर की रिलीज के लिए सभी शाखाओं में अपने कर्मचारियों के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी है।

कार्यालय प्रबंधन ने चोरी के खिलाफ खड़े होने के लिए अपने कर्मचारियों को मुफ्त टिकट भी उपलब्ध कराए हैं। राज्य के और कई कार्यालय भी रजनीकांत की फिल्म रिलीज के लिए छुट्टी की घोषणा कर-के जेलर की भव्य रिलीज में शामिल हो गए हैं। जेलर एक तमिल एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जो नेल्सन द्वारा लिखित और निर्देशित है। यह सन पिक्चर्स बैनर के तहत कलानिधि मारन द्वारा समर्थित है। फिल्म में जैकी श्र-ॉफ, सुनील, राम्या कृष्णन, विनायकन, मिरना मेनन और तमन्ना भाटिया भी हैं। फिल्म के ट्रेलर में रजनीकांत मुथुवेल पांडियन की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं, जो एक साधारण पारिवारिक व्यक्ति है, और जब मुसीबत उसके दरवाजे पर दस्तक देती है तो वह कहर बरपाना शुरू कर देता है। ट्रेलर को काफी पसंद किया गया, और इसने इस फिल्म के लिए उत्साह बढ़ा दिया है।

डेविल- द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट के रीलिज की तारीख घोषित

-अगले 24 नवंबर को होगी रिलीज

हैदराबाद (ईएमएस)। साउथ के लोकप्रिय अभिनेता नंदामुरी कल्याण राम ने अपनी आगामी फिल्म डेविल- द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अथानोक्कडे, हरे राम 118 और बिम्बिसार जैसी अन्य फिल्मों से पहचान बनाने वाले इस अभिनेता की यह फिल्म 24 नवंबर को रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि नवीन मेडाराम द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत की स्वतंत्रता से पहले की कहानी पर आधारित है। जब 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश राज अंत के करीब था। यह फिल्म उस क्षेत्र पर आधारित है जिसे उस समय मद्रास प्रेसीडेंसी के नाम से जाना जाता था। इस फिल्म में नंदमूरि कल्याण राम एक ब्रिटिश जासूस की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के अधिकांश विवरण पूरी तरह से गुप्त रखे गए हैं, निमार्ताओं की ओर से कुछ विवरण सामने आए हैं, जिसमें कहा गया है कि फिल्म अतीत के धागों को वर्तमान से जोड़ेगी। डेविल-द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट को तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम जैसी अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म आने वाले बड़े बजट के तेलुगू एक्शन फीचर की श्रृंखला में एक और इजाफा है, जिसमें प्रभास का सलार पार्ट 1 भी शामिल है। जुलाई में फिल्म का टीजर जारी किया था, जिसमें फिल्म की एक बहुत ही दिलचस्प झलक दिखाई गई थी, लेकिन कहानी के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया था। इससे केवल यह पता चला कि कल्याण राम के चरित्र का कोडनेम डेविल है और वह अनिवार्य रूप से एक सुपर जासूस है, जिसका उपयोग ब्रिटिश राज सरकार केवल सबसे बड़े मामलों के लिए करती है। फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका निभाएंगी।

50 करोड़ भी नहीं कमा पाई ओपेनहाइमर, फिल्म बार्बी भी पिछड़ी

मुंबई (ईएमएस)। हॉलीवुड फिल्म ओपेनहाइमर जहां 50 करोड़ भी नहीं कमा पाई है, वहीं फिल्म बार्बी के भी पैर डगमगा रहे हैं। दोनों ही फिल्मों को रिलीज हुए अब दो हफ्ते हो चुके हैं। शुरूआत में दोनों ही फिल्म दुनियाभर में अच्छा बिजनेस कर चुकी हैं। भारत में भी दोनों फिल्मों को पसंद किया जा रहा है, लेकिन अब कलेक्शन में गिरावट देखने को मिल रही है। जानकारी के अनुसार भारत में ओपेनहाइमर को अच्छी शुरूआत मिली। फिल्म को काफी पसंद किया गया। वहीं, बार्बी के लिए लोगों को इम्प्रेस कर पाना थोड़ा मुश्किल साबित हुआ, क्योंकि ये फिल्म अब तक देशभर में 50 करोड़ भी नहीं कमा पाई है। बता दें कि क्रिस्टोफर नोलन के डायरेक्शन में बनी ओपेनहाइमर शुरूआत से लोगों का ध्यान खींच रही है। फिल्म दूसरे विश्व युद्ध और परमाणु बम बनाने की कहानी बयां करती है। ऐसे में फिल्म को लेकर पहले ही बज बन गया था। ओपेनहाइमर ने रिलीज के साथ ही धमाका करते हुए पहले दिन भारत में 14 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली। इसके अगले दिन ही फिल्म का कलेक्शन बढ़कर 17 करोड़ पहुंच गया। ओपेनहाइमर ने ओपनिंग वीक में ही 70 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर लिया। अब फिल्म के लेटेस्ट कलेक्शन भारी कमी आ गई है। ओपेनहाइमर को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

पिछले कुछ दिनों में फिल्म का बिजनेस लगातार गिरता जा रहा है, लेकिन ओपेनहाइमर ने कलेक्शन को थोड़ा संभालने की कोशिश की है। हालिया वीकेंड के बाद से फिल्म कलेक्शन को एक करोड़ से ऊपर बनाए हुए है। ओपेनहाइमर ने मंगलवार को देशभर में लगभग 1.3 करोड़ का नेट बिजनेस किया। इसके साथ ही फिल्म ने अब तक भारत में 116.46 करोड़ का नेट बिजनेस कर लिया है। वहीं ग्रेटा गेरविग के डायरेक्शन में बनी बार्बी के लिए भारत में कमाई कर पाना शुरूआत से मुश्किल रहा। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही महज 5 करोड़ के साथ शुरूआत की थी। वहीं, पहले हफ्ते में फिल्म की कमाई 27.5 करोड़ तक सिमट कर रह गई। वहीं, अब फिल्म के हालिया आंकड़ों की बात करें तो बार्बी ने मंगलवार 8 अगस्त को सिर्फ 40 लाख का बिजनेस किया। फिल्म ने भारत में 42.99 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है।

अंजलि ने पिता को गिफ्ट की ब्रैंड न्यू कार

हाल ही में कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा ने भी अपने पिता को एक न्यू ब्रैंड चमचमाती कार गिफ्ट की है और इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वैसे तो पेरेंट्स अपने बच्चों को तोहफे देकर खुश करते रहते हैं, लेकिन वो एक अलग ही फीलिंग होती है जब बच्चे अपने पेरेंट्स को सरप्राइज दें। खासकर तब जब बच्चा अपनी मेहनत की कमाई से पेरेंट्स तो तोहफा दे तो उनका सीना 56 इंच चौड़ा हो जाता है।

मेरे पिता कुछ भी कर सकते हैं : सनी देओल

-अपने पिता के लिपलॉक पर बोले एक्टर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सनी देओल की जोश-खरोश से भरी फिल्म गदर 2 11 अगस्त से सिनेमाघरों में धूम मचाएगी। सनी इस-ाका प्रमोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच सनी जब एक चैनल पर पहुंचे तो उन्होंने खुद की फिल्म के बारे में तो बात की ही, साथ ही रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में उनके पिता धर्मेंद्र (87) और शबाना आजमी (72) के लिपलॉक सीन पर भी रिएक्शन दिया। इस बारे में सनी ने कहा कि मेरे पिता कुछ भी कर सकते हैं और मैं कहूंगा कि वे एकमात्र ऐसे एक्टर हैं, जो इस सीन को कर सकते हैं। मैंने इसे नहीं देखा, मैंने इसके बारे में सुना है। मैंने फिल्म नहीं देखी। मैं फिल्में इतनी नहीं देखता। मैं खुद की पिक्चर कई बार नहीं देखता।जब सनी से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस सीन को लेकर धर्मेंद्र से बात की थी तो उन्होंने कहा कि नहीं! मेरा मतलब है कि मैं अपने पिता से इस बारे में कैसे बात कर सकता हूं? वे एक पर्सनलिटी हैं, जो... कुछ भी कैरी कर सकते हैं वो...अपनी विनम्रता, ईमानदारी के कारण... उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र और सनी के बीच जबरदस्त बोंडिंग है। सनी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके साथ कई दफा फोटो शेयर करते हैं। दोनों कुछ फिल्मों में भी साथ काम कर चुके हैं। सनी देओल ने न केवल आजकल फिल्मों में चल रहे ट्रेंड को लेकर कई बातें बताई बल्कि कुछ ऐसे बयान भी दिए जिससे कई सितारे भड़क सकते हैं। सनी ने मेल एक्टर्स के बॉडी शेव कराने को लेकर कहा-मुझे तो बड़ी शर्म आती है, जब वो शेव कर लेते हैं। लड़की बन गए हैं। सनी ने सिक्स पैक एब्स पर भी बात की। सनी ने कहा कि मुझे तो ये सब समझ में नहीं आता। हम तो एक्टर्स हैं, बॉडी बिल्डर्स नहीं। हम लोग यहां पर एक्टिंग करने आए हैं ना कि बॉडी बिल्डिंग करने। कई बार न्यू टैलेंट भी उसी तरह से आगे आ रहे हैं। जो ये बोल रहे हैं कि मैंने बॉडी बना ली है इसलिए मैं एक्टर बन गया हूं। तो कुछ कहते हैं कि मैं डांसर हूं तो एक्टर बन गया हूं। सनी का मानना है कि मेकर्स ने ओरिजनल कहानियां बनाना अब बंद कर दिया है। सनी ने कहा कि मेकर्स भी ऐसी चीजें बना रहे हैं और उनकी फिल्मों की कहानियां भी ऐसी ही हैं। यहां तक कि दर्शक भी इन कहानियों को बिना सोचे समझे फास्ट फूड की तरह ले रहे हैं। अब हमने खुद की स्टोरी को बनाना बंद कर दूसरों की मूवीज पर फिल्में बनाना शुरू कर दिया है। बता दें कि एक अरसे बाद सिनेमाई परदे पर सनी देओल की सफलतम वापसी होने जा रही है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी उनकी फिल्म गदर-2 आगामी शुक्रवार को प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उन्माद है, जो उन्होंने इसकी एडवांस बुकिंग पर प्रकट कर दिया है। एडवांस को देखते हुए यह कहा जा रहा है कि सनी देओल की यह फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 15 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। हालांकि उन्हें अपनी इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की ओएमजी-2 का टकराव झेलना पड़ेगा।

कोरियोग्राफर गीता का छलका दर्द

हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर गीता का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताती हैं कि जब सेलेब्स कैमरा को इग्नोर करते हैं तो उन्हे काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मीडिया ने गीता को फोटोज के लिए रोक कर रखा है और गीता ये कहती नजर रहीं हैं कि, ये असलियत भी दिखाओ कभी कि पीछे क्या चल रहा है....रहने दो...जानो दो....काम है नहीं तो बहुत गाली पड़ती है हमको....आपको पता नहीं?...बहुत डांटते हैं। इसके बाद वह कैमरे के लिए पोज देती हैं और फिर चली जाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो गीता इन दिनों सोनाली के साथ रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3 को जज कर रहीं हैं। मालूम हो कि सेलिब्रिटीज की लाइफ में पर्सनल स्पेस नाम की कोई चीज नहीं होती। कई बार न चाहते हुए भी वह मीडिया के कैमरे में कैप्चर हो जाते हैं और उनकी छोटी-बड़ी बात तुरंत पब्लिक न्यूज बन जाती है।

'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' के मालिकाना हक विवाद पर मनसे की रणदीप हुड्डा को चेतावनी

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर स-ावरकर के जीवन पर आधारित बायोपिक स्वातंत्र्यवीर सावरकर इस समय चर्चा में है। मालिकाना हक के विवाद पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। साथ ही महाराष्ट्र नवनिर्माण फिल्म सेना के अध्यक्ष अमेय खोपकर ने सीधे तौर पर निर्देशक रणदीप हुड्डा को चेतावनी दी है। अमेय खोपकर ने निर्देशक रणदीप हुड्डा को एक पत्र लिखा है। उन्होंने इस पत्र की कॉपी भी ट्वीट की है। यह सभी सावरकर प्रेमियों के लिए गर्व की बात है कि हिंदू हृदय सम्राट सामंथा वीर सावरकर की जीवनी पर आधारित फिल्म दुनिया भर में हिंदी भाषा में रिलीज होगी। स्वतंत्रता सेनानियों ने लंदन यानी सीधे अंग्रेजों की धरती पर अंग्रेजों को चुनौती देकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। अंडमान की सेल्यूलर जेलों में उन्हें अत्यधिक कष्ट सहना पड़ा। फिर भी वे अंत तक अंग्रेजों के सामने नहीं झुके। खोपकर ने पत्र में लिखा, भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता नायकों की ज्वलंत गाथा को बड़े पर्दे पर देखने में बहुत रुचि है। उन्होंने कहा, प्रदर्शन से पहले मालिकाना हक को लेकर विवाद हो गया है, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह विवाद तुरंत रुकना चाहिए, क्योंकि फिल्म की रिलीज में देरी करना स्वतंत्रता सेनानियों का ही अपमान होगा। किसी को भी स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के अधिकारों को हड़पने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हमारा रुख है कि इस विवाद का तुरंत निपटारा होना चाहिए और स्वतंत्रता सेनानियों का काम उनके घरों तक पहुंचना चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि आप हमारे द्वारा दी गई चेतावनी का सम्मान करेंगे। एक्टर रणदीप हुड्डा इस फिल्म में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का किर-दार निभाएंगे। इस फिल्म के जरिए रणदीप अपने निर्देशन की शुरूआत करेंगे। रणदीप से पहले फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी महेश मांजरेकर को दी गई थी, लेकिन कुछ समय बाद अचानक महेश मांजरेकर इस प्रोजेक्ट से हट गए। इस बारे में महेश मांजरेकर ने कहा, सबसे पहले मुझे इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन रणदीप ने इस फिल्म की कहानी में कई बदलाव करने की कोशिश की। फिल्म में बदलाव के कारण मैंने प्रोजेक्ट छोड़ने का फैसला किया।

प्रियंका ने शेयर की नन्ही मालती की तस्वीरें

हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपनी क्यूट बेटी मालती की कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा इन तस्वीरों में बेटी मालती संग ट्रिप पर जाने की तैयारियां करती नजर आई। उनके साथ मालती भी मम्मा की हेल्प करती दिखीं। फोटो में एक्ट्रेस टूर पर जाने के लिए मालती को सूटकेस में पैक करती नजर आ रहीं हैं। मालती फोटो में काफी खुश दिखाई दे रहीं हैं। प्रियंका ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा-हम टूर के लिए तैयार हैं। एक और दिल छू लेने वाली फोटो में मालती को हिंदी अक्षरों से सजे क्यूट पैजामा सेट में अपने वीक एंड को एंजॉय करते हुए दिखाया गया है।

विवेक अग्निहोत्री ने चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ से की 'द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड' देखने की अपील

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर वि-वेक रंजन अग्निहोत्री अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते नजर आते हैं। उन्होंने 34 साल पहले जज नीलकंठ गंजूवाला की हत्या का केस फिर से खुलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने चीफ जस्टिस से भी गुहार लगाई है कि अगर उन्हें कश्मीर में हिंदुओं के नरसंहार सबूत देखना है, तो उन्हें मेरी सीरीज द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड देखनी चाहिए। विवेक अग्निहोत्री ने नीलकंठ गंजूवाला केस दोबारा खुलने के बाद अपने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि, मैं मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ जी से हाथ जोड़कर अनुरोध करता हूं कि सेवानिवृत्त होने से पहले धर्म का काम करें। उन्हें सत्यमेव जयते का काम करना चाहिए। यही वह धर्म है, जिस-के माध्यम से उन्हें मोक्ष व मुक्ति प्राप्त होगी तथा ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। वे कश्मीर में हिंदुओं के नरसंहार पर स्वयं संज्ञान ले सकते हैं। विवेक अग्निहोत्री ने कहा, अगर उन्हें कश्मीर में हिंदुओं के नरसंहार का सबूत देखना है, तो उन्हें मेरी सीरीज द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड देखनी चाहिए। इससे उन्हें पर्याप्त सबूत मिल जाएंगे कि वे स्वयं इस पर ध्यान दे सकें। विवेक की आगामी वेब सीरीज द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड 11 अगस्त को जी5 पर रिलीज हो रही है। इससे पहले उन्होंने फिल्म द कश्मीर फाइल्स बनाई थी। इसके अलावा वह फिल्म द वैक्सीन वॉर पर भी काम कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6519

मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6518 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्दजाल - 7266

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी		
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी		
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल		
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म		
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं		
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी		
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व		
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे		
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी		
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल		
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त		

शब्द जाल में निर्वाचित 10 लोकसभा अध्यक्षों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

गणेश मावलनकर, हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलिराम भगत, रवि राय, पी.ए. संगमा, शिवराज पाटिल, जी. बालयोगी, मनोहर जोशी, सोमनाथ चटर्जी

शब्दजाल - 7265 का हल

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी		
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा		
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म		
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु		
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला		
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री		
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि		
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	व्हा		
जीं	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ		
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द		
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म		

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6219

1		3			6	
2	25		28	6	41	
	7	6				5
	38		24	4	29	
5		2		1		
	45	7	33		25	2
		5		3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6218 का हल

2	1	7	5	3	6	4
7	39	6	33	4	33	5
4	7	5	1	2	3	6
3	36	4	28	1	29	7
6	4	3	5	7	2	1
5	29	1	33	6	32	2
1	7	2	4	5	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

जडेजा का 3 बार हुआ डोप टेस्ट : 55 क्रिकेटर्स ने सैंपल दिए, बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट के 25 में से 12 खिलाड़ियों का टेस्ट नहीं हुआ

नई दिल्ली।

भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस साल जनवरी से अब तक डोप टेस्ट के लिए तीन बार सैंपल दिए। इसके साथ ही वह सबसे ज्यादा तीन बार डोप टेस्ट किए जाने वाले क्रिकेटर बन गए है। नेशनल डोपिंग एजेंसी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का इस साल एक बार भी डोपिंग टेस्ट नहीं किया गया। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जनवरी से मई के बीच जडेजा ने तीन बार डोप सैंपल दिए। इस साल के पहले पांच महीनों में कुल 55 क्रिकेटरों (मेंस और विमेंस, 58 सैंपल) का डोप टेस्ट किया गया। इनमें से आधे से ज्यादा सैंपल तब लिए गए, जब खिलाड़ी किसी टूर्नामेंट में शामिल नहीं थे। 58 में से सात ब्लड सैंपल थे। बाकी सभी यूरिन टेस्ट के थे। जडेजा के सभी तीन नमूने यूरिन के थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी 2019 में नाडा के अंडर में आया। बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल 25 में से 12 खिलाड़ियों का कोई टेस्ट नहीं हुआ। कोहली-पांड्या सहित 12 खिलाड़ियों का कोई टेस्ट नहीं हुआ बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल 25 में से 12 खिलाड़ियों का कोई टेस्ट नहीं हुआ। इन क्रिकेटर्स में पूर्व कप्तान विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, शार्दूल ठाकुर और अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन, श्रीकर भरत और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर शामिल हैं। महिला क्रिकेटर्स में हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना का सबसे ज्यादा 3-3 बार टेस्ट हुआ। बीसीसीआई ने 2022-23 के सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची में इस बार 26 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इस साल इन खिलाड़ियों का टेस्ट हो सकता है।

इन खिलाड़ियों का टेस्ट हुआ

इस साल जनवरी से मई के बीच के दौरान कई बड़े भारतीय क्रिकेटरों का डोप टेस्ट किया गया। इसमें सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल, इशान किशन, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, भुवनेश्वर कुमार, ऋद्धिमान साहा, दिनेश कार्तिक, यशस्वी जयसवाल, अंबाती रायडू, पीयूष चावला और मनीष पांडे शामिल हैं। पहले टेस्ट में खिलाड़ी के यूरीन को सैंपल के तौर पर लिया जाता है। इसमें उसके सैंपल को ए और बी बोतलों में रखा जाता है। ए सैंपल के टेस्ट के आधार पर ही खिलाड़ी के निगेटिव और पॉजीटिव होने का पता चलता है। कई बार खिलाड़ी की ओर से विरोध करने पर बी सैंपल का भी टेस्ट होता है। दूसरे टेस्ट में खिलाड़ी के खून का टेस्ट होता है। इसमें भी ए और बी सैंपल बनाए जाते हैं। इसका भी टेस्ट पहले की तरह किया जाता है। वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेटर्स डोप टेस्ट के मामले में दूसरे देशों से काफी पीछे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत को फेवरेट बताना बड़ी टीमों की स्ट्रैटजी- अश्विन: ऑफ-स्पिनर बोले, ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप जीत सकता है, हमारी टीम को भी बैक करूंगा

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मुझे पता है दुनियाभर में क्रिकेट फॉलो करने वाले एक्सपर्ट्स हमेशा ही भारत को फेवरेट बताते हैं। सभी एक्स्पर्ट्स और बाकी देशों के क्रिकेटर इस स्ट्रैटजी को आईसीसी टूर्नामेंट से पहले यूज करते हैं। वो इस स्ट्रैटजी से अपने देश की टीमों से प्रेशर हटा कर हम पर डालते हैं। रविचंद्रन अश्विन ने 8 अगस्त को अपने यूट्यूब चैनल पर वर्ल्ड कप को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया। इसी वीडियो में उन्होंने भारत के वर्ल्ड कप प्लान पर बात की। 36 साल के अश्विन वर्ल्ड कप पर बोले, ऑस्ट्रेलिया पावरहाउस है, वो कप उठा सकते हैं। टीम इंडिया को वेस्टइंडीज में एक वनडे मुकाबला गंवाना पड़ा। लेकिन हमें टीम इंडिया को बैक करना चाहिए, उन्हें बगैर प्रेशर के वर्ल्ड कप खेलने भेजना चाहिए। अश्विन ने वैसे तो वर्ल्ड कप जीतने के लिए टीम इंडिया का सपोर्ट किया है। लेकिन उन्होंने अपने चैनल पर ये भी कह दिया कि अगर टीम इंडिया कप नहीं जीत पाई तो फैंस को इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए। अश्विन ने फैंस पर कहा, अगर टीम अच्छा नहीं भी कर पाई तो हम पूरा ब्लेम फैंस पर भी नहीं डाल सकते। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि किसी टीम के लिए फैंस बहुत ज्यादा इम्पॉर्टेंट होते हैं।

फ्रीलांस क्रिकेट पर ट्रेंट बोल्ट ने दिया खूबसूरत जवाब, बोले- पिता पहले, बाद में मिडिल ऑर्डर ऑलराउंडर

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीम में तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की वापसी हुई है। न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने आखिरी बार टी-20 वर्ल्ड में खेला था। वह हाल ही में दुनिया भर में खेली गई टी-20 लीग में हिस्सा लेकर स्वादेश लौटे हैं। देश लौटने के बाद ट्रेंट बोल्ट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा खुशी होती है देश के लिए खेलना। न्यूजीलैंड टीम 30 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का आगाज करेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया। टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और काइल जैमिसन की वापसी हुई है। टीम में वापसी होने के बाद ट्रेंट बोल्ट ने कहा- वापस शामिल होकर और वास्तव में अच्छा लगा। एक साल पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट से दूर जाना एक तरह से आसान निर्णय नहीं था। मैं कभी नहीं चाहता था कि यह न्यूजीलैंड के बारे में हो या फ्रेंचाइजी क्रिकेट, मैं सिर्फ इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि मेरा करियर इतना लंबा है और एक गेंदबाज के रूप में अपने शेष वर्षों का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करता हूं। जब ट्रेंट बोल्ट से पूछा गया कि क्या वह विश्व कप के बाद फ्रीलांस टी20 क्रिकेटर के रूप में बने रहेंगे या केंद्रीय अनुबंध के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट में वापसी करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया मुझे नहीं पता, मैं पहले एक पिता हूं और बाद में निचले क्रम का ऑलराउंडर हूं। बोल्ट के अलावा, ऑलराउंडर काइल जैमीसन भी लंबी चोट के बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। कीवी टीम केन विलियमसन की चोट से उबरने पर भी नजर रख रही है। इस दिग्गज बल्लेबाज का फिलहाल 2023 विश्व कप खेलना संदिग्ध है।

पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम से हॉकी के स्वरुप में बदलाव नहीं होगा : इकराम

चेन्नई। पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम को लेकर आ रहे विवादों को देखते हुए अब अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब इकराम स्वयं सामने आये हैं। इकराम ने कहा कि प्रस्तावित पेनल्टी कॉर्नर नियम को आजमाने के दौरान खेल के स्वरूप से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। नए नियम के अनुसार गेंद को धकेलने करने वाले खिलाड़ी को छोड़कर आक्रमण करने वाली टीम के बाकी खिलाड़ी स्ट्राइकिंग सर्कल डी से कम से कम 5 मीटर की दूरी से शुरुआत करेंगे। गेंद को स्ट्राइकिंग सर्किल में शॉट मारने के लिए भेजने से पहले उसका डी से आगे पांच मीटर तक जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ये नया नियम रक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। एफआईएच इस नियम को लेकर बेहद सतर्कता से आगे बढ़ रहा है और इसके साथ ही वह सभी को भरोस में लेना चाहता है क्योंकि वह जानता है कि नया नियम लागू होने पर ड्रैग फ्लिक की कला पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। एफआईएच अध्यक्ष इकराम ने कहा,''नियमों में कुछ बेहद सकारात्मक बदलाव हुए हैं। कुछ देश पहले से ही इसका प्रयोग कर रहे हैं और मैं इस पर उनके विचार और समीक्षाएं ले रहा हूं, जो अब तक अच्छे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे एक कप्तान ने कहा था कि नियमों में जो भी बदलाव हो, खेल का स्वरूप नहीं बदलना चाहिए। उसी का हम प्रयास कर रहे हैं। अगर गति मसला है तो फिर अन्य तत्वों पर गौर किया जाना चाहिए।

क्या रोहित-विराट के बिना तैयार है टीम इंडिया

इनके बिना 35प्रतिशत वनडे-टी-20...45प्रतिशत टेस्ट हारते हैं; टॉप-5 टीमों के खिलाफ उतरते ही नहीं

नई दिल्ली।

टीम इंडिया वेस्टइंडीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना वनडे और टी-20 खेलने उतरी और लिमिटेड ओवर्स के 5 में से 3 मुकाबले गंवा दिए। इनमें 2 टी-20 और एक वनडे शामिल रहा। टीम मैनेजमेंट ने कहा कि वे एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं, इससे कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। हेड कोच राहुल द्रविड़ ने भी एक्सपेरिमेंट स्ट्रैटजी का बचाव किया, लेकिन क्या टीम इंडिया वाकई में 36 साल के रोहित और 34 साल के विराट के बिना खेलने को तैयार है। आगे स्टोरी में हम इसी सवाल का जवाब जानेंगे।

202 में से 167 टी-20 में कोई एक खिलाड़ी तो खेला ही - भारत ने 2006 में टी-20 इंटरनेशनल खेलना शुरू किया। सितंबर 2007 में रोहित शर्मा और साल 2010 में विराट ने टी-20 डेब्यू कर लिया। भारत ने अब तक 202 टी-20 खेले हैं, इनमें से 198 दोनों के डेब्यू के बाद रहे। 167 बार रोहित या विराट में से कोई खिलाड़ी तो टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा रहा ही है। भारत को इनमें 109 मुकाबलों में जीत मिली। यानी जीत परसेंट 65.27प्रतिशत रहा। इनमें वो मैच भी शामिल हैं, जब दोनों एक साथ प्लेइंग-11 में रहे।

दोनों के एक साथ खेलने पर भी टीम 65प्रतिशत मैच जीतती है - 2007 से अब तक टीम इंडिया ने दोनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में रखकर 96 टी-20 खेले। 63 में टीम को जीत और 30 में हार मिली। यानी जीत परसेंट करीब 65प्रतिशत का रहा। दोनों के साथ और दोनों में से किसी एक खिलाड़ी के होने से भारत लगभग एक समान टी-20 मुकाबले जीतता है। 2012 से तो भारत ने इन दोनों खिलाड़ियों को साथ में रखकर ही ज्यादातर मैच खेलने को प्राथमिकता दी।

दोनों के नहीं खेलने पर जीत परसेंट बिगड़ा - रोहित और विराट के बिना टीम इंडिया ने 2007 से अब तक 31 टी-20 खेले हैं। 18 में टीम को जीत और 11 में हार मिली। एक मैच टाई और एक ही बेनतीजा भी रहा। टीम का जीत परसेंट करीब 58प्रतिशत तक पहुंच गया, जो दोनों के साथ या दोनों में से किसी एक के खेलने के मुकाबले 7प्रतिशत तक कम रहा। इतना ही नहीं, 2011 से 2018 तक टीम ने इनके बिना 6 ही टी-20 खेले थे।

जिनमें से 5 मुकाबले जिम्बाब्वे और एक अफगानिस्तान के खिलाफ रहा, इनमें भी 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ गया। यानी टीम इंडिया 2011 से 2018 तक टॉप टीमों के खिलाफ दोनों खिलाड़ियों के बिना टी-20 खेलने उतरी ही नहीं।

124 में से 113 टेस्ट में कोई एक तो खेला ही - 20 जून 2011 को विराट कोहली ने डेब्यू किया, नवंबर 2013 में रोहित शर्मा ने टेस्ट डेब्यू कर लिया। इनके डेब्यू के बाद से भारत ने 124 टेस्ट खेले, इनमें से 113 मैच में दोनों में से कोई एक खिलाड़ी तो प्लेइंग-11 का हिस्सा रहा ही। 59 में टीम इंडिया को जीत, महज 32 में हार मिली और 22 मुकाबले ड्रॉ रहे। यानी टीम ने महज 28प्रतिशत मुकाबले गंवाए। 113 में से भी 111 टेस्ट में विराट कोहली प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे।

दोनों के साथ 50 ही टेस्ट खेले, लेकिन जीत परसेंट बढ़ा - रोहित शर्मा ने टेस्ट टीम में अपनी जगह करीब 2021 के दौरान पक्की की, 2022 में उन्हें टेस्ट टीम की कप्तानी मिल गई। इसलिए उन्होंने 2013 में डेब्यू करने के बावजूद 52 ही टेस्ट खेले। लेकिन 50 टेस्ट में उनके साथ विराट भी रहे। इनमें 28 बार भारत को जीत और महज 13 बार हार मिली। 9 टेस्ट ड्रॉ रहे, यानी टीम ने 56प्रतिशत मैच जीते और महज 18प्रतिशत बार टीम को हार मिली।

दोनों के बिना 11 ही टेस्ट खेले - जून 2011 के बाद से भारत ने रोहित और विराट के बिना महज 11 टेस्ट खेले। 5 में टीम को जीत और 5 में ही हार मिली, वहीं एक टेस्ट ड्रॉ भी रहा। टीम का जीत परसेंट 45प्रतिशत के करीब रहा। जो दोनों में से किसी एक या दोनों खिलाड़ियों के साथ खेलने के मुकाबले कम है। टीम ने इस दौरान करीब 45प्रतिशत मैच गंवाए भी हैं, जो रोहित और विराट के साथ खेलने के मुकाबले बेहद खराब है। इनमें भी 2018 तक इन दोनों के बिना भारत ने 8 ही टेस्ट खेले। जिनमें 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ 4 और वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट शामिल हैं। इंग्लैंड में टीम ने सभी मैच हारे, वहीं वेस्टइंडीज में सभी जीते। टीम ने एक-एक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ भारत में भी खेला, दोनों में टीम इंडिया को जीत मिली।

384 वनडे में से 324 में कोई एक तो खेला ही - 23 जून 2007 को रोहित शर्मा ने वनडे डेब्यू किया। अगस्त 2008 में विराट ने भी वनडे डेब्यू कर लिया। इनके डेब्यू के बाद भारत ने 384 वनडे खेले, 324 में दोनों में से कोई एक खिलाड़ी तो प्लेइंग-11 का हिस्सा रहा ही। इनमें से 196 में टीम को जीत और 112 में हार मिली। यानी जीत परसेंट करीब 60प्रतिशत रहा।

दोनों के साथ खेलने पर भी जीत परसेंट 60प्रतिशत के करीब - 195 वनडे मुकाबलों में रोहित और विराट दोनों ही एक साथ प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे। 120 में टीम को जीत और महज 68 में हार मिली। यानी जीत परसेंट करीब 61प्रतिशत का रहा। इनमें से किसी एक के होने पर भी भारत 60प्रतिशत मैच तो जीतता है। यानी भारत के जीत के चांस बढ़ाने के लिए दोनों में से किसी एक का प्लेइंग-11 में होना जरूरी है।

दोनों के बिना 60 वनडे ही खेले, टॉप टीमों के खिलाफ आधे भी नहीं - अप्रैल 2007 के बाद से भारत ने रोहित और विराट के बिना महज 60 मैच खेले। इनमें से 39 में टीम को जीत मिली, यानी जीत परसेंट 65प्रतिशत का रहा। लेकिन 60 में से 26 मुकाबले टीम ने जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ खेले, जो मॉडर्न डे वनडे क्रिकेट में इतनी मजबूत नहीं मानी जातीं। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी टॉप टीमों के खिलाफ भारत ने रोहित और विराट के बिना 22 वनडे खेले, लेकिन सभी 2009 के पहले ही खेले।

स्टोइनिस को न्यूयार्क में नहीं पहचान सका फोटोग्राफर

पूछा- आप कहां के रहने वाले हैं अमेरिका में छुट्टियां मना रहे स्टोइनिस

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस इन दिनों अपनी गर्लफ्रेंड सारा के साथ यूएसए में छुट्टियां मना रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर स्टोइनिस का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक स्ट्रीट फोटोग्राफर स्टोइनिस को नहीं पहचान सका। न्यूयॉर्क के एक स्ट्रीट फोटोग्राफर डेविड ग्युरेरो ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो स्टोइनिस और उनकी गर्लफ्रेंड को कैमरे के सामने पोज देने को कह रहा है।

डेविड ने स्टोइनिस और उनकी गर्लफ्रेंड को रोकते हुए कहा, हैलो, सॉरी दोस्तों, आपको परेशान करने के लिए खेद है। मेरा नाम डेविड है, मैं एक फोटोग्राफर हूं। आप लोग प्यारे लग रहे हो, मैं आपकी फ्री में फोटो खींच सकता हूं फिर डेविड ने कहा कि आप मेरा काम भी देख सकते हैं, तो स्टोइनिस की गर्लफ्रेंड ने डेविड का काम देखकर फोटोशूट के लिए हां कह दिया। वहीं डेविड आगे पूछते हैं कि आप कहां के रहने वाले हैं, इस पर स्टोइनिस ऑस्ट्रेलिया बोलते हैं।

डेविड ने ये वीडियो ट्विटर और इंस्टाग्राम पर शेयर किया

डेविड ने ये वीडियो अपने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। डेविड ने पोस्ट करते हुए लिखा, स्ट्रीट फोटोग्राफी विद दिस ब्यूटीफुल ऑस्ट्रेलियन कपल। डेविड ने उन्हें एक आम इंसान की तरह ट्रीट किया और उनका फोटोशूट किया। फोटोग्राफर का नाम डेविड ग्युरेरो है, जिसके इंस्टाग्राम पर 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। ग्युरेरो सड़क पर अनजान लोगों की फोटोज खींचते हैं और उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हैं। 110 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं स्टोइनिस स्टोइनिस 2021 टी-20 वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम के हिस्सा थे। 33 साल के दाएं हाथ के ऑलराउंडर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 60 वनडे और 51 टी-20 खेले हैं।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में आग लगी: ड्रेसिंग रूम को नुकसान; यहीं खेला जाएगा वनडे वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल

कोलकाता।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में रेनोवेशन के काम के दौरान आग लग गई।वनडे वर्ल्ड कप 2023 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला (16 नवंबर) यहीं खेला जाएगा। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में वनडे वर्ल्ड कप 2023 के कुल 5 खेले जाएंगे, इसमें एक सेमीफाइनल मैच भी शामिल है। स्टेडियम में वर्ल्ड कप के लिए रिनोवेशन का काम चल रहा है। ये आग उसी दौरान लगी।

शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी

स्टेडियम में चल रहे रेनोवेशन के काम को 15 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। आग लगने की वजह अभी शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। वहां मौजूद ग्राउंडस्टाफ ने अवे टीम के ड्रेसिंग रूम से धुआं निकलते देखा। इस ड्रेसिंग रूम के ठीक बाहर रेनोवेशन का काम चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रेसिंग रूम की फॉल्स सीलिंग से धुआं निकलते देखा गया। मौके पर फायर ब्रिगेड टीम की दो गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाई गई। बता दें, पिछले सप्ताह आईसीसी और बीसीसीआई की टीम ने स्टेडियम का निरीक्षण किया था।

5 नवंबर को यहीं खेला जाएगा भारत और साउथ अफ्रीका मैच

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में वर्ल्ड कप 2023 का पहला

मुकाबला 28 अक्टूबर को नीदरलैंड्स और बांग्लादेश की टीम के बीच में खेला जाएगा। इसके बाद 31 अक्टूबर को पाकिस्तान और बांग्लादेश, 5 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के अलावा 11 नवंबर को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच इस स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 16 नवंबर को दूसरा सेमीफाइनल मैच भी यहीं खेला जाना है।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से होगा

भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक ग्रुप स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

पृथ्वी शॉ ने इंग्लैंड के वनडे कप में रचा इतिहास: 244 रन की पारी खेली, टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

नॉर्थहैम्पटनशायर।

भारत के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने नॉर्थम्प्टन काउंटी ग्राउंड में समरसेट के खिलाफ वन-डे कप टूर्नामेंट में नॉर्थम्पटनशायर के लिए दोहरा शतक लगाया। शॉ ने 81 गेंदों पर शतक पूरा किया और फिर आखिरकार 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। शॉ ने 28 चौके और 11 छक्के जमाए। शॉ ने इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने ओली रॉबिन्सन के 206 (2022 में केंट के लिए) को पीछे छोड़ दिया।

करियर का दूसरा दोहरा शतक

मुंबई के बल्लेबाज ने अपने लिस्ट ए करियर का दूसरा दोहरा शतक जमाया है। उन्होंने अपना पहला दोहरा शतक 2020-21 विजय हजारे ट्रॉफी में पुडुचेरी के खिलाफ बनाया था। तब मुंबई के लिए शॉ ने नाबाद 227 रन बनाए थे। वह टूर्नामेंट में उस समय का टॉप स्कोर था।

नॉर्थम्पटनशायर का वन-डे कप में दूसरा टॉप स्कोर

नॉर्थम्पटनशायर ने वन-डे कप में अपना

दूसरा सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया। टीम ने आठ विकेट पर 415 रन बनाए। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने नौवें शतक के साथ कई लिस्ट ए रिकॉर्ड तोड़े। शॉ पिछले हफ्ते ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ अपने नॉर्थम्पटनशायर डेब्यू मैच में 34 रन पर हिटविकेट आउट हो गए थे।

50 ओवर के मैच में छठे टॉप स्कोरर बने शॉ

पृथ्वी शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए है। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी।

चार और भारतीय इस समय इंग्लैंड में खेल रहे

पृथ्वी शॉ इस सीजन इंग्लैंड में क्लब क्रिकेट खेलने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी। उनसे पहले चेतेश्वर पुजारा (ससेक्स), अजिंक्य रहाणे (लीसेस्टरशायर), अर्शदीप सिंह (केंट) और नवदीप सैनी (वरसेस्टरशायर) भी इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि, अर्शदीप, सैनी और रहाणे ने अपना नाम वापस ले लिया है। पुजारा वन डे कप में ससेक्स से खेल रहे है।

शॉ को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला

2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्नीक कमजोर नजर आई।

भारत ने पाकिस्तान को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर किया

4-0 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने दागे 2 गोल

चेन्नई।

भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया है। यह भारत की पाकिस्तान पर ओवरऑल 65वीं जीत है। पाकिस्तान ने भारत से 82 मुकाबले जीते हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मिली इस जीत से भारतीय टीम ने पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली है। टीम लीग स्टेज में अजेय रही। टीम इंडिया ने 5 में से 4 मुकाबले जीते, जबकि एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम का सेमीफाइनल मुकाबला जापान से 11 अगस्त को इसी मैदान पर खेला जाएगा। मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 2 गोल दागे। उन्होंने 15वें और 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। एक-एक गोल जुगराज सिंह और आकाशदीप सिंह की स्टिक से आए। जुगराज ने मुकाबले के 36वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया, जबकि आकाशदीप सिंह ने 55वें मिनट में फील्ड गोल किया।

पहला : भारत का दबदबा, हरमन ने पेनल्टी कार्नर पर गोल दागा - भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की, हालांकि शुरुआती मिनटों में टीम ने पेनल्टी गंवाई, लेकिन कृष्ण बहादुर पाठक ने शानदार बचाव किया। फिर 8वें मिनट में रेफरी ने जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत को पेनल्टी मिली और पाकिस्तानी कप्तान उमर भुट्टा को ग्रीन कार्ड भी दिखाया गया। इस पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के साथ गोल दागा।

दूसरा : भारत की बढ़त दोगुनी, एक और गोल दागा - दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने अग्रेसिव अप्रोच रखी। पाकिस्तान ने बॉल छीनने की लगातार

कोशिश की। भारतीय खिलाडियों ने तालमेल बनाए रखा और डिफेंसिव गेम खेलते हुए 2 बड़े मौके भी बनाए। कॉर्नर का फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने फिर एक बार गोल दाग दिया 2-0 से लीड दिलाई। दूसरे गोल के बाद भारत फिर अटैकिंग गेम खेलने लगा और गेम कंट्रोल में ले लिया। प्लेयर्स ने डी के अंदर 4 मौके बनाए। इसके बाद भारत ने आखिरी मिनट में लॉन्ग पास के साथ गेम खेला। दूसरे गोल के बाद पाकिस्तान को एक बार भी भारत के बॉक्स में जाने का मौका नहीं मिला। आखिरी मिनट में भारत को एक पेनल्टी का मौका मिला, लेकिन गोल नहीं आया।

तीसरा : जुगराज के गोल से भारत की बढ़त मजबूत - तीसरा क्वार्टर शुरू होते ही कृष्ण पाठक ने एक गोल बचाया। गुरजंत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर बॉल जीती और 36वें मिनट में भारत की लीड को 3-0 से बढ़ा दिया। भारत ने 5 पेनल्टी कॉर्नर में 3 गोल दागे। आकाशदीप सिंह ने 42वें गोल का सुनहरा मौका गवां दिया।

चौथा : आकाशदीप का फील्ड गोल - चौथे क्वार्टर में भारत पूरी तरह गेम में दिखा। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के नीलकांता शर्मा ने गोल किया, लेकिन इसे रेफरी ने डिसअलाउड कर दिया। आखिर में आकाशदीप सिंह ने गोल दाग कर 4-0 से भारत को मैच जिताया।

देखिए स्टार्टिंग-11

भारत: कृष्ण बहादुर पाठक, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह, सुखजीत सिंह।

पाकिस्तान: अकमल हुसैन, एहतिशाम असलम, अकील अहमद, अरशद लियाकत, अब्दुल राणा, अब्दुल हन्नान, जिक्रिया हयात, उसामा बशीर, उमर भुट्टा, मुहम्मद सुफियान खान, अफराज।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुसर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगो पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्रदय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओट्स् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून धी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**